7

रेलवे ड्राइवर बनना चाहते...

स्वतंत्र मत

www.swatantramat.com

■ वर्ष 31 अंक 197 ■ जबलपुर बुधवार 7 जनवरी 2026 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

11

आत्मनिर्भरता की नई उड़ान भर ...

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन

पुणे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 81 साल के थे। कलमाड़ी को पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने मंगलवार सुबह करीब 3.30 बजे अंतिम सांस ली। कलमाड़ी पुणे लोकसभा सीट से 3 बार सांसद चुने गए। वे भारतीय ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष थे। 2010 में दिल्ली में हुए ग्लोबल इवेंट कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति के चेयरमैन भी थे। कलमाड़ी ने रेल राज्य मंत्री के रूप में भी काम किया था।

7 अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

इंदौर दूषित पानी से मौत मामले में हाईकोर्ट ने कहा

सरकार का जवाब असंवेदनशील

इंदौर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में मंगलवार को दूषित पेयजल से जुड़े मामले में 5 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा- इस घटना ने इंदौर शहर की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर अब दूषित पानी की वजह से पूरे भारत में चर्चा का विषय बन गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में स्वच्छ पानी जनता का मौलिक अधिकार है और इससे किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि यदि भविष्य में आवश्यकता पड़ी तो दोषी अधिकारियों पर सिविल और क्रिमिनल लायबिलिटी भी तय की जाएगी। साथ ही संकेत दिए कि अगर पीड़ितों को मुआवजा कम मिला है तो उस पर भी अदालत उचित निर्देश जारी करेगी। मंगलवार को सुनवाई के

दौरान याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि 31 दिसंबर 2025 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्रभावित इलाकों में अब भी दूषित पानी की सप्लाई की जा रही है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि प्रशासन ने पहले की गई शिकायतों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया। यदि ऐसा किया जाता तो यह स्थिति पैदा ही नहीं होती। सीनियर काउंसिल ने कोर्ट को यह भी बताया कि वर्ष 2022 में महापौर द्वारा नई पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन फंड जारी न होने के कारण अब तक काम शुरू नहीं हो सका। इसके अलावा यह भी दलील दी गई कि 2017-18 में इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों से लिए गए 60 पानी के सैंपलों में से 59 पीने योग्य नहीं पाए गए थे। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस रिपोर्ट के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

नई स्टेटस रिपोर्ट के निर्देश

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि वे इस मामले में अपना विस्तृत जवाब दाखिल करें और एक नई स्टेटस रिपोर्ट पेश करें। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल का अधिकार भी शामिल है और इसकी अनदेखी गंभीर विषय है। अगली सुनवाई 15 जनवरी को होगी, जिसमें मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मृतकों के परिजन से मिले कांग्रेस नेता

उधर, दोपहर करीब एक बजे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ता भागीरथपुरा पहुंचे। यहां पहले से बड़ी संख्या में पुलिस बल, वज्र वाहन सहित तैनात था। भागीरथपुरा में घुसने वाले सभी रास्तों को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। दूषित पानी से जान गंवाने वाले लोगों के परिजन से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेताओं की पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई। बाद में दूसरे रास्ते से कांग्रेसी अंदर पहुंचे। मृतक अशोक लाल पवार, जीवन लाल और गीता बाई के घर गए। परिजन से चर्चा की। इसके बाद करीब 3 बजे भागीरथपुरा से लौट गए। यहां पटवारी ने इंदौर का प्रभारी मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव से इस्तीफा भी मांगा।

पीएम ग्रामीण सड़क योजना को मिलेंगे 17 करोड़ रुपये

कैबिनेट बैठक में मंत्री-परिषद सदस्यों को मिले टैबलेट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतरता की स्वीकृति प्रदान की गई। योजनांतर्गत अनुमानित व्यय 17,196 करोड़ 21 लाख रुपये होगा। इसके तहत 20 हजार किमी सड़क और 1200 पुल का निर्माण किया जायेगा। इसी प्रकार बुरहानपुर जिले की खकनार तहसील की झिरमिटी मध्यम सिंचाई परियोजना लागत 922 करोड़ 91 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। परियोजना से खकनार तहसील के 42 ग्रामों की 17 हजार 700 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी, जिससे 11 हजार 800 कृषक परिवार लाभान्वित होंगे। बैठक में मंत्रि-परिषद के सदस्यों और उनके भारसाधक सचिवों को ई-कैबिनेट के लिए टैबलेट प्रदान किये गये एवं प्रशिक्षण दिया गया। मंत्रि-परिषद द्वारा बुरहानपुर जिले की नेपानगर तहसील की नावथा वृहद सिंचाई परियोजना लागत 1,676 करोड़ 6 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2028 तक निरंतरता की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके तहत 1,039 किमी सड़क का निर्माण एवं 112 पुल निर्माण किया जायेगा। यह योजना 22 जिलों में निवासकरने वाली 3 विशेष जनजाति बैगा, भारिया एवं सहरिया के लिए लागू है। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों का नवीनीकरण एवं उन्नयन के लिए 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद द्वारा नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत सिंचाई परियोजनाओं को त्वरित क्रियान्वयन के लिए नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के माध्यम से वित्त पोषित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

श्रम कानूनों पर अमल के लिए

राष्ट्रपति ने उप राज्यपालों तथा प्रशासकों को दिये अधिकार

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी केन्द्र शासित प्रदेशों में नये श्रम कानूनों को पारदर्शिता के साथ लागू करने का मार्ग प्रशस्त करते हुए उप राज्यपालों तथा प्रशासकों को सरकारों के अनुरूप अधिकारों का निर्वहन करने की अनुमति दे दी है। ये अधिकार औद्योगिक संबंध संहिता 2020 तथा संविधान के अनुच्छेद 239 के उपबंध (1) के अनुरूप हैं और 16 जनवरी 2023 तथा 22 जून 2023 की जगह लेंगे। गृह मंत्रालय ने दो जनवरी को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि नयी अधिसूचना से पहले जारी अधिसूचना के तहत लिए गये निर्णय प्रभावित नहीं होंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्देशित किया जाता है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, चंडीगढ़, पुदुचेरी, लक्षद्वीप, लद्दाख तथा जम्मू और कश्मीर के प्रशासक या उपराज्यपाल, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन और अगले आदेश तक औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 (2020 का 35) के अंतर्गत उन क्षेत्रों के लिए, जहां संबंधित केंद्र शासित प्रदेशों को उपयुक्त सरकार या राज्य सरकार के रूप में कार्य करना अपेक्षित है, उपयुक्त सरकार या राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उनके कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। जानकारों का कहना है कि उप राज्यपालों और प्रशासकों को ये अधिकार इसलिए दिये गये हैं जिससे कि श्रम सुधारों को पूरी तरह लागू करने में कोई दिक्कत नहीं आये। औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के अनुसार श्रम कानूनों के प्रभावी अमल के लिए स्पष्ट प्रशासनिक अधिकार होना जरूरी हैं जिससे कि किसी संदेह या विवाद की स्थिति में सक्षम अधिकारी जल्द निर्णय ले सकें।

भाजपा के मोबाइल ऐप से हो रहा एसआईआर : ममता

गंगासागर

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राज्य में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में भाजपा की आईटी सेल के बनाए मोबाइल ऐप्स का इस्तेमाल कर रहा है। बनर्जी ने मंगलवार को साउथ 24 परगना जिले के सागर आइलैंड में कहा कि चुनाव आयोग एसआईआर करने के लिए हर तरह के गलत कदम उठा रहा है। यह एलिजिबल वोटर्स को मरा हुआ बता रहा है और बुजुर्ग और बीमार लोगों को

सुनवाई में आने के लिए मजबूर कर रहा है। बनर्जी ने कहा- लोग एसआईआर में हिस्सा लेते समय सावधान रहें। उन लोगों की मदद करनी चाहिए जिन्हें मदद की जरूरत है। उन्हें मेरा साथ देने की जरूरत नहीं है, सिर्फ उनका साथ दें जो इस काम की वजह से मुश्किल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका

वहीं पार्टी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है, जिसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर को करने के लिए मनमानी और प्रोसेस में गलत कामों का सहारा लिया है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव आयोग के एसआईआर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसआईआर की इस प्रक्रिया ने एलिजिबल और असली वोटर्स की मुश्किलों को काफी बढ़ा दिया है।

उप्र में 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए

लखनऊ (वार्ता)

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत उत्तर प्रदेश की मसौदा मतदाता सूची जारी की जिसमें लगभग दो करोड़ 89 लाख नाम हटा दिये गये हैं। अब एसआईआर ड्राफ्ट लिस्ट में कुल मतदाताओं की संख्या 15.44 करोड़ से घटकर 12.56 करोड़ हो गई है, जो लगभग 18.70 प्रतिशत कम है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को बताया कि 27 अक्टूबर को मतदाता सूची जारी करते समय प्रदेश में 15 करोड़ 44 लाख 30 हजार 92 मतदाता पंजीकृत थे। जिसमे मतदाताओं से 12 करोड़ 55 लाख 56 हजार 25 गणना प्रपत्र प्राप्त हुए, जो कुल मतदाताओं का 81.30 प्रतिशत है। मंगलवार को लोकभवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि 27 अक्टूबर 2025 को पहले दौर की मतदाता सूची को फ्रीज किया गया था। उस समय उत्तर प्रदेश में कुल 15 करोड़ 44 लाख 392 मतदाता पंजीकृत थे। इसके बाद चार नवंबर 2025 से गणना चरण शुरू होकर 26 दिसंबर 2025 तक चली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस दौरान मतदाताओं से 12 करोड़ 55 लाख गणना प्रपत्र प्राप्त हुए, जो कुल मतदाताओं का 81.30 प्रतिशत है। पुनरीक्षण में 46,23,796 लाख मतदाता मृत पाए गए, जो 2.99 प्रतिशत हैं। वहीं 79,52,190 मतदाता ट्रेस नही हो सके जबकि 12,97,74,72 करोड़ मतदाता

अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके थे। इसके अलावा 25.47 लाख मतदाता ऐसे चिन्हित किए गए, जिनके नाम मतदाता सूची में एक से अधिक स्थानों पर दर्ज पाए गए। ऐसे मामलों में मतदाता का नाम केवल एक ही स्थान पर रखा जाएगा।

चुनाव आयोग ने जारी की मतदाता सूची

6 फरवरी 2026 तक दावा-आपत्ति

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि, 6 जनवरी 2026 से 6 फरवरी 2026 तक दावा एवं आपत्ति की अवधि निर्धारित की गई है। इस अवधि में पात्र मतदाता फॉर्म-6, 6क, 7 एवं 8 के माध्यम से नाम जोड़ने, संशोधन कराने या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी है, उन्हें बीएलओ के माध्यम से नोटिस भेजे जाएंगे और वे माता-पिता का नाम सहित विवरण सही करा सकेंगे। अब तक 15 लाख 78 हजार 423 फॉर्म-6 प्राप्त हो चुके हैं।

अंकिता भंडारी मामले की जांच सीबीआई से कराएं : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। अंकिता हत्याकांड को लेकर उत्तराखंड में रोष के बीच कांग्रेस ने मामले की पूरी जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो से कराने की मांग की है ताकि उसे न्याय मिल सके और सच सबके सामने आ सके। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहाड़ की एक बेटी के साथ बहुत अन्याय हुआ। उस बेटी के ऊपर जिस्मफरोशी का दबाव बनाया गया और जब उसने मना कर दिया तो उसकी निर्मम हत्या कर दी गयी। वहीं, इस मामले में सारे सबूत छिपाने के लिए तुरंत उस होटल पर बुलडोजर चला दिया गया, क्योंकि उसमें भाजपा के नेता का बेटा शामिल था। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें सामने आ रही है कि यह पूरा मामला भारतीय जनता पार्टी के एक राष्ट्रीय महासचिव तक पहुंचता है। पूरे उत्तराखंड के साथ ही भाजपा के लोग भी न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। उत्तराखंड की सरकार अंकिता भंडारी को न्याय नहीं दे सकती, क्योंकि ये सरकार चैन की नींद सो रही है। कांग्रेस प्रवक्ता ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग करते हुए कहा कि अंकिता को हर कीमत पर न्याय मिलना चाहिए और ये तभी होगा जब सीबीआई इसकी जांच करेगी। इस बीच महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा ने भी मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

कमीशन मांगनेवालों ने दिए बेगुनाही के सबूत

सदाचार समिति ने दर्ज किए विधायकों के बयान

जयपुर

हिंडौन से कांग्रेस विधायक अनीता जाटव, खींवसर (नागौर) से बीजेपी विधायक रेवंतराम डांगा, और बयाना (भरतपुर) से निर्दलीय एमएलए ऋतु बनावत की बारी-बारी से विधानसभा में पेशी हुई। मंगलवार को इन विधायकों ने सदाचार समिति (एथिक्स कमेटी) के सामने अपने बयान दर्ज कराए। अपने को बेगुनाह बताते हुए सबूत पेश किए। इन विधायकों पर विधायक निधि में कमीशन मांगने के आरोप हैं। तीनों विधायकों ने अपने पक्ष में दस्तावेज कमेटी को सौंपे। समिति इन दस्तावेजों का परीक्षण करेगी। आगे फिर तीनों विधायकों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। हालांकि इसकी तारीख अभी तय नहीं है। कमेटी ने इन विधायकों से 19 दिसंबर 25 को भी पूछताछ की थी। याचिका और सदाचार समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद वर्मा ने कहा- तीनों विधायकों का बयान दर्ज किया गया है। विधिक राय लेने के बाद ही आगे का निर्णय लिया जा सकेगा। इस मामले से जुड़े तथ्य समिति भी जुटा रही है। आरोपी विधायकों से रिपोर्ट ले ली गई है। जल्दी ही रिपोर्ट स्पीकर के सामने

पेश किया जाएगा। आवश्यकता होगी तो पूछताछ के लिए विधायकों को फिर बुलाया जाएगा। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे ऋतु बनावत, दोपहर करीब 12 बजे अनीता जाटव और रेवंतराम डांगा विधानसभा पहुंचे थे। ऋतु बनावत दोपहर करीब 12.30 बजे समिति के सामने पेश हुईं। इसके बाद रेवंतराम डांगा दोपहर करीब एक बजे निकले और मीडिया से बात किए बिना निकल गए। उधर, सदाचार समिति की बैठकों में होने वाले फैसलों और चर्चाओं को सार्वजनिक करने पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे संसदीय परंपराओं और नियमों का उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा- स्पीकर ने अब सभी कमेटियों को इसे लेकर पाबंद कर दिया है।

मप्र में खत्म हो गई 'आयुष्मान' की आयु

एजेंसी का अनुबंध समाप्त होने से कैशलेस इलाज और क्लेम प्रक्रिया प्रभावित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आयुष्मान भारत निरामयम् योजना के तहत सेवाएं 22 दिसंबर 2025 की रात से प्रभावित हैं। दरअसल, बीएफए एजेंसी एमडी इंडिया टीपीए प्राइवेट लिमिटेड का अनुबंध समाप्त हो गया है। इस वजह से जबलपुर सहित पूरे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में कैशलेस इलाज, आयुष्मान कार्ड बनाने और क्लेम रजिस्ट्रेशन जैसे कार्य या तो रुक गए हैं या धीमी गति से चल रहे हैं, जिससे मरीज परेशान हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के अधिकांश जिलों में आयुष्मान सेंटर बंद हो गए हैं। आयुष्मान मित्र और तकनीकी स्टाफ के हटने से अस्पतालों में नए कार्ड नहीं बन पा रहे हैं और मरीजों के क्लेम भी समय पर दर्ज नहीं हो रहे हैं। कई स्थानों पर पहले से भर्ती मरीजों के क्लेम लंबित होने से अस्पताल प्रबंधन और मरीजों के परिजनों के बीच तनाव बढ़ रहा है। जबलपुर जिले में दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले

मरीजों को विशेष कठिनाई हो रही है। आयुष्मान योजना के तहत इलाज की उम्मीद में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को या तो बिना इलाज के लौटना पड़ रहा है, या फिर उन्हें निजी खर्च पर उपचार कराना पड़ रहा है। यह स्थिति गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण बन गई है। वहीं नई बीएफए एजेंसी के चयन की निविदा प्रक्रिया अभी जारी है। जब तक नई एजेंसी की नियुक्ति नहीं होती, तब तक आयुष्मान भारत निरामयम योजना की सेवाएं पूरी तरह सामान्य होने में समय लग सकता है। फिलहाल जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में मरीज अस्थायी व्यवस्था के भरोसे हैं और शासन से जल्द स्थायी समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हलांकि, विभाग ने रोगी कल्याण समिति को अस्थायी तौर पर सेंटर चालू करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही रोगी कल्याण समिति द्वारा ऑपरेटरों के माध्यम से आयुष्मान सेंटर फिर से शुरू किए जाएंगे।

रोगी कल्याण निधि से तैनात होंगे ऑपरेटर

राज्य स्वास्थ्य एजेंसी ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों में कहा गया है कि नई बीएफए एजेंसी की नियुक्ति होने तक रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अस्थायी व्यवस्था की जाए। इस व्यवस्था के तहत, रोगी कल्याण निधि का उपयोग कर ऑपरेटरों की तैनाती की जाएगी, जिससे आयुष्मान कार्ड बनाने और क्लेम रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया फिर से शुरू हो सके।

दूषित पानी से मौत के विरोध में विधायक कार्यालय के बाहर कांग्रेसियों ने घंटा बजा जमकर की नारेबाजी

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)।

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई से हुई मौते और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना को लेकर रविवार को ब्यौहारी विधायक कार्यालय में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी के आवाहन पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी एवं उप ब्लाक बनसुक्ली और अमझोर द्वारा हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन मे बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता ब्यौहारी रेस्ट हॉउस से रैली निकाल कर विधायक कार्यालय पहुंचे और वहां घंटा बजाकर प्रदेश सरकार व नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कैलाश विजयवर्गी मुर्दाबाद के नारे लगाये गये। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम की गंभीर लापरवाही के कारण क्षेत्र में जहरीले पानी की आपूर्ति हुई, जिससे अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई महिलाए, पुरुष और मासूम बच्चे विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं इसके बावजूद मंत्री कैलाश विजयवर्गी द्वारा गैरजिम्मेदाराना वर्ताव करते हुए मीडिया के सामने घंटा शब्द असोभनीय टिप्पणी कर अपनी मानसिकता को जगजाहिर किया है। उन्होंने इसे प्रशासनिक चूक बताते हुए कहा कि समय रहते पानी की गुणवत्ता की जांच और निगरानी होती, तो इतनी बड़ी जनहानि नहीं होती। नेताओं ने बताया कि इससे पहले भी वे इस मुद्दे को लेकर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर चुके हैं और इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे जनता में आक्रोश और बढ़ गया है। कांग्रेसियो ने मांग की है कि इस पूरे मामले में नगर निगम, महापौर, संबंधित वार्ड पार्षद और स्थानीय शासन मंत्री की जिम्मेदारी तय कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवारों को न्याय और मुआवजा दिया जाए। प्रदर्शन में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष शेख रब्बानी , बनसुकली अमझोर उप ब्लांक अध्यक्ष अनिल पटेल , पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रामलखन सिंह,जिला पंचायत सदस्य एवं युवा नेता विधानसभा पुष्पेन्द्र पटेल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरिशंकर कोरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुन्दर लाल गुप्ता, कांग्रेस नेता राजेश मिश्रा, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ ब्लाक अध्यक्ष अनुपम सक्सेना , पूर्व अध्यक्ष युवा कांग्रेस विधानसभा अजय शुक्ला, पूर्व जिला महामंत्री युवा कांग्रेस विक्रम सिंह, सचिव जिला कांग्रेस पप्पू साकेत, विधानसभा उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस संदीप पटेल, अंकित गुप्ता (बल्ली), ब्लाक उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस बसंत साहू, पूर्व महासचिव युवा कांग्रेस मुकेश तिवारी, ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस अनुसूचित जाति जितेन्द्र साकेत, आदित्य पटेल, राजकुमार पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर की 14 बस्तियों में वितरित हुआ अक्षत कलश एवं धर्म ध्वज

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

सर्व हिंदू समाज के जागरण और एकता का संकल्प लेकर सकल हिंदू समाज के द्वारा 15 से 30 जनवरी के बीच पूरे देश में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर में हिंदू सम्मेलन समिति के द्वारा नगर की सभी 14 बस्तियों में कार्यक्रम किया जाना है। हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा सनातन विधान से प्रत्येक बस्ती कि हिंदू सम्मेलन टोली को अक्षत कलश एवं धर्म ध्वज का वितरण स्थानीय पंचायती मंदिर प्रांगण में किया गया। हिंदू सम्मेलन समिति के संयोजक राजेश्वर उदानियां, सहसंयोजक एडवोकेट अरविंद द्विवेदी, सह संयोजिका संचिता सरवटे, नीलम गुप्ता, मोनिका राज के द्वारा अक्षत कलश एवं धर्म ध्वज का वितरण किया गया। गौरतलब है नगर की 14 बस्तियों के हिंदू सम्मेलन आयोजन टोली द्वारा संकीर्तन के साथ अक्षत कलश एवं धर्म ध्वज को अपने अपने बस्ती के हिंदू सम्मेलन स्थल तक ले जाया गया। उक्त कार्यक्रम में नगर की मातृ शक्तियों, सज्जन शक्तियां एवं युवा शक्ति की उपस्थिति रही हैं। अक्षत कलश एवं धर्म ध्वज की हिंदू सम्मेलन स्थल में स्थापित करते समय गौ माता की पूजा अर्चना भी किया जाना है। विशाल हिंदू सम्मेलन को लेकर सर्व हिंदू समाज में उत्साह का माहौल देखा जा सकता है। बस्तियों में प्रत्येक घर में धर्म ध्वज और अक्षत कलश के साथ सम्मेलन के लिए आमंत्रण दिया जा रहा है। सरदार पटेल बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजन टोली द्वारा प्रातः काल प्रभात फेरी निकल जा रही है। इसी तरह अन्य बस्तियों में संकीर्तन कलश यात्रा बाइक रैली के माध्यम से कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से हिंदू जागरण का कार्य किया जा रहा है।

भगवान सिंह अधिवक्ता संघ ब्यौहारी के अध्यक्ष बने

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)। सिविल कोर्ट ब्यौहारी मे अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पद सहित विभिन्न पदों के लिये शांति पूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पद पर सबसे कड़ा मुकाबला देखने को मिला। चुनाव को लेकर सुबह से ही कचेहरी मे गहमा - गहमी शुरु हो गयी थी। अध्यक्ष पद के लिये चार उम्मीदवार मैदान मे रहे, इनमे एडवोकेट भगवान सिंह ने 99 मत, एड. राजकुमार शर्मा ने 70 मत, एड. रामबदन पाण्डेय ने 22 मत और रामसत्य पटेल ने 22 मत हासिल किये जिसमे एड. भगवान सिंह अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद के लिये भी चार प्रत्याशी एड.विजय मिश्रा, एड.सुरेशचंद्र जयसवाल, एड. ओम प्रकाश पटेल और कृष्णकांत शर्मा रहे जिसमें उपाध्यक्ष पद के लिये ओम प्रकाश पटेल निर्वाचित हुए। वंही सचिव पद के लिये दो प्रत्याशी एड. मुकेश पटेल और संदीप कुमार मिश्रा शामिल रहे जिसमे सचिव पद के लिये संदीप कुमार मिश्रा निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर एड. रामकृष्ण गुप्ता, पुस्तकालय प्रभारी एड.ओम प्रकाश पटेल और कार्यकरणी सदस्य मे एड.जमुना प्रसाद कुशवाहा, एड.भागवत पटेल, एड.उमारमन द्विवेदी, एड. अफसर खान और एड. सपना पटेल चयनित हुए। नव निर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान मे पूर्व पदाधिकारियों सहित अधिवक्ताओ द्वारा पुष्पमालाओ से स्वागत किया गया तथा उन्हें हार्दिक बधाई एवं सफल यशस्वी कार्यकाल की शुभकामनायें दी गयी साथ ही नगर के विभिन्न संगठनों, समाजिक क्षेत्रो के प्रतिष्ठित नागरिकों एवं पत्रकारों ने भी नव निर्वाचित अधिवक्ता संघ पदाधिकारियों को बधाईया प्रेषित करते हुए अधिवक्ताओ के हित मे सकारात्मक एवं सक्रिय कार्य करने की अपेक्षा जताई साथ ही नव निर्वाचित अध्यक्ष एड.भगवान सिंह ने सहयोग के लिये अधिवक्ताओ को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अधिवक्ताओ के हित मे सकारात्मक एवं सक्रिय कार्य करने के लिये कहा गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का चतुर्थ दिवस सफलतापूर्वक संपन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)। पंडित शम्भू नाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 01 से 07 जनवरी तक सात दिवसीय इकाई स्तरीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम हर्री, तहसील सोहागपुर, स्थित आदिवासी बालक आश्रम, अंग्रेजी माध्यम, धुरवार परिसर में किया जा रहा है। शिविर की दैनिक दिनचर्या की शुरुआत प्रभात फेरी से होती है। इसके पश्चात मॉर्निंग कॉल एवं योग व्यायाम सत्र आयोजित किया जाता है। नाश्ते के उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा परियोजना कार्य किया जाता है। इसके बाद श्रम सीकर सत्र आयोजित होता है, जिसमें श्रम के महत्व के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रेरक कहानियाँ एवं गीत प्रस्तुत किए जाते हैं। तत्पश्चात स्नान एवं भोजन के उपरांत बौद्धिक सत्र, फिर खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, तथा रात्रि भोजन के पश्चात दिनचर्या का समापन होता है। शिविर के चतुर्थ दिवस के अंतर्गत परियोजना कार्य में स्वयंसेवकों द्वारा रासेयो गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का निर्माण किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की विविध गतिविधियों की झलक देखने को मिली। साथ ही सोख्ता गड्ढों का निर्माण, परिसर का सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छता अभियान भी संचालित किया गया। चतुर्थ दिवस के बौद्धिक सत्र का विषय च्मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से स्वास्थ्यज् रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना की परंपरा अनुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयंसेवक रुक्मणि केवट एवं अभय प्रताप सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. विशाल चौबे, असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिकल कॉलेज शहडोल उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व पुरुष इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पी. डी. रावत, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा इकाई से वरिष्ठ स्वयंसेवक विपिन सेन, नेहरू डिग्री कॉलेज, बिहार इकाई से वरिष्ठ स्वयंसेवक अतुल सेन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धानी जामोद एवं प्रभारी अधिकारी वीरेंद्र कुर्मी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विषय विशेषज्ञ प्रो. विशाल चौबे ने स्वयंसेवकों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि वर्तमान समय में युवाओं में एंजाइटी एवं डिप्रेशन की समस्याएँ बढ़ रही हैं, जिनसे निपटने के लिए सकारात्मक सोच, संवाद एवं स्वस्थ जीवनशैली आवश्यक है। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पी. डी. रावत ने स्वयंसेवकों को रासेयो जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर स्वयंसेवक अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। वरिष्ठ स्वयंसेवक विपिन सेन ने च्स्वच्छता से स्वास्थ्यज् विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली शर्त है। अध्यक्ष स्वयंसेवक रुक्मणि केवट एवं अभय प्रताप सिंह ने भी अपने शिविर अनुभव साझा किए। महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया तथा लक्ष्य गीत के साथ बौद्धिक सत्र का समापन हुआ। इसके पश्चात च्सितारों की शामज् सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें वर्ष 2020 एवं 2024 के गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयनित स्वयंसेवक विपिन सेन एवं अतुल सेन विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों द्वारा कर्तव्य पथ पर आधारित दृश्य प्रस्तुत कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। दोनों वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने अपनी राजपथ तक की प्रेरणादायक यात्रा साझा की। इस अवसर पर रासेयो इकाई द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक संध्या में विश्वविद्यालय शहडोल परिसर की परिसर प्रभारी डॉ. गीता सराफ की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रमुखता से उठायी जायेगी शक्ति पीठ भठिया को पर्यटक स्थल बनाए जाने की मांग

रसमोहनी (स्वतंत्रमत)। जिले की प्रसिद्ध स्थान आदि शक्ति जगत जननी मां सिंह वाहनी शक्ती पीठ भठिया मे मुख्यमंत्री के प्रथम आगमन पर क्षेत्र के लोगों द्वारा प्रमुखता से यह मांग उठाई जायेगी। दोनों नवरात्रि में काफी बड़ा मेला लगता है। लाखों लोग दर्शन प्राप्त करते हैं। वैसे प्रतिदिन तीन से 5 हजार लोगो का आना जाना बना रहता है। लेकिन दर्शनार्थियों के रुकने खाने पीने ,बैठने ,पूजा पाठ की समुचित व्यवस्था न होने के कारण दर्शनार्थी नही रह पाते हैं। जबकि दर्शनार्थियों की मंशा होती है कि यहां ठहरे पूजा पाठ करे। पर्यटन स्थल बन जाने से ये सारी सुविधा प्राप्त हो जायेगा और मंदिर का विकास होगा। साथ ही मंदिर से लगा हुआ कोल्हुवा में सीता चौक है जो आज भी सीता चौक स्पष्ट दिखाई देता है। मंडप के भी आज भी निशान है।

क्षेत्र के सभी लोग अपने मुख्य मंत्री के आगमन से काफी उत्साहित हैं तथा उनके स्वागत के लिए सभी तैयार हैं साथ ही जिस तरह से मुख्यमंत्री का देवालयों को विकसित करने का एवं उनके कायाकल्प करने का प्रयास सराहनीय है उसी कड़ी में भठिया के विकास के लिए ही हमारे मुख्यमंत्री का आगमन हो रहा है जनता जनार्दन के द्वारा मांग उठाई जाएगी और निश्चित है कि आप मांग को पूरा करेंगे ताकि क्षेत्र एवं प्राचीन धरोहरों का काया कल्प हो सकें और विकास की गंगा में यह क्षेत्र भी लाभान्वित हो सके।

युवाओं ने ठंड में जरूरतमंदों को बांटे कंबल एवं लोगों से किया आग्रह

शहडोल (स्वतंत्रमत)। शहर में बढ़ती कड़ाके की ठंड को देखते हुए विगत रात युवाओं द्वारा मानवता की मिसाल पेश की गई। समाजसेवा के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए एवं मौसम को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक नागरिकों से आग्रह किए की अपनी क्षमता अनुरूप जरूरतमंदों तक पहुँचकर आवश्यकतानुसार सहयोग करें। इस सेवा कार्य में सौरभ द्विवेदी, मनीष तिवारी, शिवम वर्मा, मनीष जैसवाल, कैवल्य ताम्रकार, बी.के. द्विवेदी सहित अन्य युवा भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर ठंड से परेशान लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया। युवाओं ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग की सहायता करना सभी का नैतिक दायित्व है और आगे भी इस तरह के सेवा कार्य निरंतर किए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने युवाओं की इस पहल की सराहना की।

सचिव की लापरवाही से ठप पड़े शासकीय कार्य, सरपंच ने की कार्रवाई की मांग

ग्रामसभा से लेकर जनकल्याणकारी योजनाएँ प्रभावित

डिंडौरी।

जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत डोड़ा में पदस्थ सचिव जयंत कुमार मार्को की लगातार अनुपस्थिति और लापरवाही के कारण पंचायत के शासकीय कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सुशीला बाई तेकाम ने इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित शिकायत कर सचिव के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। सरपंच द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सचिव जयंत कुमार मार्को ग्राम पंचायत कार्यालय में लंबे समय से उपस्थित नहीं हो रहे हैं। न तो वे ग्रामसभा की बैठकों में भाग लेते हैं और न ही प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के सर्वे एवं क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है। इससे ग्राम पंचायत डोड़ा के ग्रामीण शासन की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सचिव से फोन पर संपर्क करने पर वे स्वयं को छुट्टी में बताकर पंचायत कार्य करने में असमर्थता जता देते हैं। सचिव की इस लापरवाही के चलते ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया और स्वीकृति से संबंधित कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच ने बताया कि सचिव की अनुपस्थिति को लेकर जनपद पंचायत शहपुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा एसडीएम को कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन आज दिनांक तक सचिव के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मामले की अनदेखी से आक्रोशित ग्रामीणों ने मजबूर होकर सीएम हेल्पलाइन 21 में भी शिकायत दर्ज कराई है, जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न की गई है।

गौरतलब है कि वर्तमान में ग्राम पंचायत डोड़ा में सरपंच के अतिरिक्त कोई अन्य कर्मचारी पदस्थ नहीं है। न तो शासन द्वारा रोजगार सहायक की नियुक्ति की गई है और न ही कोई सक्रिय सचिव कार्यरत है। केवल कागजों में सचिव की पदस्थापना होने से पंचायत का पूरा कामकाज प्रभावित हो रहा है, जो एक गंभीर प्रशासनिक विषय है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत डोड़ा में शीघ्र ही किसी अन्य जिम्मेदार सचिव की पदस्थापना की जाए, ताकि ग्रामवासी शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें और पंचायत व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

ग्राम पंचायत चिरपोटीमाल के ग्राम सरसी के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में विद्युत पोल लगभग दो वर्षों से टूटा हुआ है और पेड़ के सहारे टिका है, जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने नया विद्युत पोल लगाए जाने की मांग की। इसके अलावा उपस्वास्थ्य केंद्र अझवार में प्रसव सुविधा एवं रात्रिकालीन आकस्मिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध न होने का आवेदन देकर ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय चिकित्सा सेवाएं न मिलने से गर्भवती महिलाओं को जिला अस्पताल जाना पड़ता है, जिससे उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने परीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि समस्याओं का शीघ्र समाधान कर उन्हें राहत प्रदान की जाएगी।

नर्मदांचल विद्यापीठ को मिली सीबीएसई की मान्यता

डिंडौरी। जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल, बरगांव द्वारा संचालित नर्मदांचल विद्यापीठ को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की मान्यता प्राप्त होना क्षेत्र के लिए अत्यंत हर्ष, गर्व एवं गौरव का विषय है। यह उपलब्धि न केवल संस्था के लिए बल्कि संपूर्ण जनजातीय एवं ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। सीबीएसई मान्यता के साथ अब नर्मदांचल विद्यापीठ के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के आधुनिक पाठ्यक्रम, नवाचारयुक्त शिक्षण पद्धतियों एवं व्यापक शैक्षणिक अवसरों से लाभान्वित होंगे। इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और वे आत्मविश्वास के साथ अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकेंगे।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि नर्मदांचल विद्यापीठ की स्थापना के समय से ही यह संकल्प रहा है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े विद्यार्थियों तक भी श्रेष्ठ, संस्कारयुक्त एवं आधुनिक शिक्षा पहुँचाई जाए। सीबीएसई की मान्यता इस संकल्प को और अधिक मजबूत करती है तथा संस्था के शैक्षणिक दृष्टिकोण को राष्ट्रीय पहचान दिलाती है।

नर्मदा जयंती होगी प्लास्टिक मुक्त, दोना-पत्तल का होगा उपयोग, शांति समिति की बैठक में हुआ निर्णय

डिंडौरी। जिला शांति समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में दिनांक 06 जनवरी 2026 को अपरान्ह 5.00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में मकर संक्रांति, बसंत पंचमी एवं नर्मदा जयंती पर्व को शांति, सौहार्द, आपसी भाईचारे एवं कानून व्यवस्था के साथ मनाए जाने हेतु की जाने वाली तैयारियों पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में अवगत कराया गया कि दिनांक 14-15 जनवरी को मकर संक्रांति, 23 जनवरी को बसंत पंचमी तथा 25 जनवरी को नर्मदा जयंती का पर्व जिले में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्रित होने की संभावना को देखते हुए शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। जिले के विभिन्न नर्मदा घाटों जैसे मालपुर, मेंहदवानी, कुटरई, कोसमघाट, धरमपुरा घाट, जोगी टिकरिया, लक्ष्मण मढ़वा, रामघाट, चंदनघाट, कपिलधारा, शिवनार, तुलसीघाट सहित अन्य स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रकाश एवं साफ-सफाई एवं सुरक्षा की व्यवस्था की जाए।

कलेक्टर ने नगर परिषद, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, होमगार्ड, विद्युत विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, स्नान व वस्त्र बदलने की व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पार्किंग प्रबंधन तथा महिला सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध समय पर पूरे किए जाएं। साथ ही, होमगार्ड एवं तैराक दल की तैनाती, रस्सी, टॉर्च, मोटर बोट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नर्मदा जयंती के दौरान प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

साप्ताहिक जनसुनवाई में 44 आवेदनों पर सुनवाई, त्वरित निराकरण के निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं तथा कई आवेदनों का मौके पर ही समाधान कराया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए नागरिकों द्वारा समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित कुल 44 आवेदन प्रस्तुत किए गए। जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव नहीं हो सका, उनमें आवेदकों को समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक आश्वासन प्रदान किया गया। अपर कलेक्टर जेपी यादव, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैन सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी जनसुनवाई में उपस्थित रहे।

ग्राम करौंदा, ग्राम पंचायत करौंदा रैयत के निवासियों ने बताया कि उनके मोहल्ले में आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। सड़क के अभाव में वर्षा ऋतु में अत्यधिक कीचड़ हो जाता है, जिससे बच्चों का विद्यालय जाना, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का अस्पताल पहुँचना तथा आमजन का आवागमन अत्यंत कठिन हो जाता है। ग्रामवासियों ने शीघ्र सड़क निर्माण की स्वीकृति देने की मांग की।

इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 13, पुरानी डिण्डौरी स्थित अमरकंटक रोड के निवासियों ने मुख्य नाली की वर्षों से सफाई न होने की समस्या रखी। नाली के मलवे से भर जाने के कारण घरों की नालियों में पानी वापस आ रहा है, जिससे गंदगी और अस्वच्छता फैल रही है। नागरिकों ने नाली की सफाई कराकर घरों के कनेक्शन मुख्य सीवर लाइन से जोड़ने का अनुरोध किया।

वन ग्राम दादर घुघरी, ग्राम पंचायत केवलारदर, विकासखंड मेहंदवानी के निवासियों ने वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत पात्र होने के बावजूद वनाधिकार पत्र अब तक प्राप्त न होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि सूची जारी होने के बाद भी संबंधित कर्मचारियों द्वारा अधिकार पत्र वितरित नहीं किए गए हैं। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदरानी के किसानों ने नल-जल योजना के कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा उनकी अंडरग्राउंड सिंचाई पाइपलाइन तोड़े जाने की शिकायत की। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से सिंचाई बाधित हो गई है, जिससे गेहूं की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई गई।

पिकअप में 50 सवार...80 की रफ्तार

वाहन चालक की मनमानी देख पुलिस भी रह गई दंग

50 से अधिक लोग थे सवार, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने लिया संज्ञान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर से शहपुरा की ओर जाने वाले मार्ग पर मंगलवार को नियम विरुद्ध तरीके से एक छोटे पिकअप वाहन में 50 से अधिक लोगों को ले जाने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि पिकअव वाहन में महिलाएं, बच्चे और पुरुषों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था और वाहन करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रहा था। हैरानी की बात यह रही कि पिकअप शहर से शहपुरा तक कई थानों और ट्रैफिक पुलिस प्वाइंट्स को पार करता रहा, लेकिन किसी की भी नजर इस खतरनाक स्थिति पर नहीं पड़ी।

जानकारी हो कि इन दिनों पूरे प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद लोग नियमों की अनदेखी कर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में

डाल रहे हैं। कोहरे के बीच तेज रफ्तार से दौड़ता यह पिकअप वाहन हादसे का बड़ा कारण बन सकता था।

पुलिस ने माना ट्रैफिक नियमों का खुला उल्लंघन

मामले का वीडियो सामने आने के बाद जबलपुर पुलिस हरकत में आई। एडीशनल एसपी यातायात अंजना तिवारी ने कहा कि एक छोटे वाहन में इतने लोगों को बैठाकर ले जाना गंभीर रूप से गलत और ट्रैफिक नियमों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए सभी थाना प्रभारियों और ट्रैफिक पुलिस को सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

पूर्व में हो चुके हैं कई हादसे

पिकअप वाहन में 50 से अधिक सवारियों को बैठाकर तेज रफ्तार वाहन चलाने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। जबकि पूर्व में कई ऐसी गंभीर घटनाएं घटित हो चुकी हैं, जिसमें लोडिंग वाहनों में ऐसे ही क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाकर ले जाते समय वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। जिसमें कई लोगों की जान तक चली गई। हाल ही में न्यू ईयर की पिकनिक मनाने लोडिंग वाहन में जा रहे 2 दर्जन से अधिक लोग कुंडम के समीप हादसे का शिकार हो गए थे, जिसमें में एक युवक की मौत भी हो गई थी।

इन्होंने कहा

इस मामले में वाहन चालक और वाहन मालिक, दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे खतरनाक तरीकों से लोगों को ढोने वाले वाहनों पर सख्ती से कार्यवाही होगी। जिससे की सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

अंजना तिवारी,
एडीशनल एसपी यातायात

नियमों की अनदेखी करने वाले 'रैन बसेरा रिसोर्ट' पर लगा ताला

प्रशासन ने कार्यवाही कर भवन किया सील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर में आम नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए आज जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने गौर नदी तट स्थित 'रैन बसेरा रिसोर्ट' पर कड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशन में हुई इस कार्यवाही के दौरान भारी अनियमितताएं पाए जाने पर रिसोर्ट को तत्काल प्रभाव से सीलबंद कर दिया गया है।

प्रशासनिक टीम जब निरीक्षण के लिए पहुंची, तो रिसोर्ट परिसर में सुरक्षा मानकों और स्वच्छता की गंभीर कमियाँ उजागर हुईं। सहायक अग्निशमन अधिकारी नीलेश पाटीदार ने बताया कि भवन में अग्नि सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे और संचालक फायर एन.ओ.सी. प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे।

होटल रैनबसेरा में मिली एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री

गश्ती दल ने किया आकस्मिक निरीक्षण, गौर नदी में बहाया जा रहा होटल का गंदा पानी

रिसोर्ट का दूषित पानी सीधे गौर नदी में बहाया जा रहा था। मौके पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी नहीं पाया गया, जो पर्यावरण नियमों का सीधा उल्लंघन है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पाया कि फ्रिज में रखी खाद्य सामग्री अत्यंत दूषित थी और किचन में साफ-सफाई का स्तर बेहद खराब था। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि नगर निगम के रिकॉर्ड में भवन का क्षेत्रफल कम दर्ज है, जबकि मौके पर निर्माण कहीं अधिक पाया गया। इसके अलावा, भवन स्वीकृति के दस्तावेज भी मौके पर नहीं मिले। मौके पर एस.डी.एम. श्रीमती मौसमी केवट, तहसीलदार, आर.आई. राजस्व, भवन शाखा उपयंत्री अभिषेक तिवारी, नगर निगम आर.आई. कृष्ण कुमार यादव, अतिक्रमण दल एवं स्वास्थ्य विभाग सुपरवाईजर नारायण राव की टीम उपस्थित रही।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मारी

सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुई घटना कार चालक की तलाश में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रामपुर क्षेत्र स्थित गुप्तेश्वर मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि बाइक सवार कई फीट ऊपर तक उछल गया। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर कुछ ही दूरी पर जाकर पलट गई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।हादसे में बाइक सवार चंद्रशेखर को गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और उसके मालिक व चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के समय कार बिना नंबर की थी और उसे चला रहा चालक शराब के नशे में था। एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन और चालक की पहचान की जा रही है। जांच में नशे की पुष्टि हुई है और आरोपी चालक को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गुरु गोविन्द सिंह ने समरस समाज की स्थापना का दिखाया मार्ग

श्री गुरु गोविन्द सिंह जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं पौधारोपण का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। समरसता सेवा संगठन द्वारा श्री गुरु गोविन्द सिंह की जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग कार्यवाह डॉ प्रहलाद पटेल, मुख्य वक्ता ओजस्वी वक्ता कथाकार कवि पं अभिनेष अटल, विशिष्ट अतिथि नगर पंडित सभा अध्यक्ष पं रमेश दुबे, नगर पंडित सभा महामंत्री पं संतोष शास्त्री, समरसता सेवा संगठन अध्यक्ष संदीप जैन, सचिव उज्जवल पचौरी की उपस्थिति में विचार गोष्ठी का आयोजन अग्रवाल

धर्मशाला, साकेत धाम के पास, ग्वारीघाट में किया गया। विचार गोष्ठी के उपरांत सभी अतिथियों एवं आगँतुक जनों ने नर्मदा उद्यान में पौधारोपण किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पं अभिनेष अटल जी ने विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा किसी भी देश का निर्माण व्यक्तियों से नहीं अपितु व्यक्ति के चरित्र निर्माण से होता है और ऐसे ही प्रथम गुरु गुरुनानक देव जी से लेकर दशम गुरु तक त्याग, बलिदान और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व देने वाले एक चरित्र श्री गुरु गोविन्द सिंह जी की जन्म जयंती पर उन्हें याद कर रहे है, पर मेरा मानना है गुरु गोविन्द सिंह जी पर व्यख्यान और संगोष्ठी ही नहीं बल्कि उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर हमें उस पर चलने का कार्य करना होगा।

इस अवसर पर आचार्य पं रोहित दुबे, सरदार परमवीर सिंह, पं कामता तिवारी, सरदार सुरजीत सिंह, पं जयनारायण तिवारी, लखविंदर कौर, पं अशोक पांडे, प्रहलाद अग्रवाल, एड रवि दुबे, टिकेंद्र यादव, चमन दोहरे, बच्चन श्रीवास्तव, रूपेंदर सिंह, दासप्रसाद अहिरवार, सरदार रविंदर चंदना, रामबाबू विश्वकर्मा, सरदार अवतार सिंह फरबा, राजेश सोनकर, सरदार सतनाम सिंह, सरदार पृथ्वी सिंह, उपस्थित थे।

उच्च स्तरीय टंकियों के कन्टेनर की सफाई अभियान शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नागरिकों को बेहतर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए उच्च स्तरीय पानी की टंकियों के कंटेनरों की सफाई सफाई अभियान आज से शुरू हो रही है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार नगर में स्थापित उच्च स्तरीय टंकियों के कन्टेनर की सफाई का अतिमहत्वपूर्ण कार्य तिथिवार किया जाना है, जिसमें 7 जनवरी मेडिकल टंकी, ग्वारीघाट टंकी, एवं टाउन हॉल टंकी, दिनांक 8 जनवरी को बिला धर्मशाला टंकी, ललपुर परिसर टंकी एवं मदार छल्ला टंकी, 9 जनवरी को त्रिपुरी टंकी, बादशाह हलवाई मंदिर टंकी, एवं दंगल मैदान टंकी, 10 जनवरी को वेदी नगर टंकी, भीम नगर टंकी, एवं भानतलैया टंकी, 12 जनवरी को गुलौआ टंकी, गुप्तेश्वर टंकी, सिद्धबाबा टंकी, सम्प, दिनांक 13 जनवरी को मदर टेरेसा टंकी, शारदा नगर टंकी, एवं करिया पाथर टंकी, सम्प, 14 जनवरी को मनमोहन नगर टंकी, एस.बी.आई. टंकी एवं भोला नगर टंकी, 15 जनवरी को लेमा गार्डन टंकी, हाथीताल टंकी एवं लक्ष्मीपुर टंकी, 16 जनवरी को आनंद नगर टंकी, कटंगा टंकी, एवं कोतवाली टंकी, दिनांक 17 जनवरी को मोतीनाला टंकी, सिविल लाईन टंकी एवं मिल्क स्कीम टंकी, 19 जनवरी को फूटाताल टंकी, सर्वोदय टंकी एवं किलकारी गार्डन टंकी, 20 जनवरी को श्रीनाथ टंकी, रामेश्वरम टंकी एवं पी.एस.एम. टंकी, दिनांक 21 जनवरी को राजीव नगर टंकी बाबा की कुटिया, राईट टाउन टंकी, एवं भँवरताल टंकी एवं दिनांक 22 जनवरी को न्यू शोभापुर निर्मलचंद जैन वार्ड एवं सर्वोदय टंकी क्रमांक 2 नई आदि उक्त तिथियों को टंकियों से शाम की जलापूर्ति आंशिक रूप से अवरूद्ध रहेगी।

पेंशनर्स की बेहतरी के लिए फेडरेशन करेगा हरसंभव कार्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने फेडरेशन के सभी वरिष्ठ जनों, पदाधिकारियों और सदस्यों से अनुरोध किया है कि आप सभी के अथक परिश्रम, प्रयासों, कर्मठता, जुझारू पन और संगठन के प्रति समर्पण की भावना के कारण फेडरेशन ने बुलंदियों पर परचम लहराया है। आज भी कर्मचारियों का बेहतर भविष्य, सुविधाएं फेडरेशन की देन हैं। आज आप हम सभी एक साथ मिलकर पुन: एक बार फेडरेशन को सुदृढ़ और सक्रिय करने हरसंभव प्रयास, कार्य करें। पाठक

ने कहा कि वर्तमान में शासन,ऊर्जा विभाग और सभी बिजली कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन द्वारा लगातार सकारात्मक सोच के साथ कर्मियों के हित में निर्णय लिए जा रहे हैं। महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि फेडरेशन ने शासन और ऊर्जा विभाग से अनुरोध किया है कि बिजली कंपनियों में 15 बर्षों से कार्यरत सभी संविदा कर्मियों को बिना शर्त नियमित किया जाए और आउट सोर्स कर्मचारियों को नई भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उनका भविष्य सुरक्षित किया जाए। फेडरेशन नियमित कर्मचारियों, कंपनी कैडर कमचारियों, संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों , नियमित अनुकम्पा नियुक्ति, वेतन विसंगति दूर कराने, सेवानिवृत्त आयु एक समान करने और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान हेतु हर संभव प्रयास और कार्य करेगा। पाठक ने कहा कि जबलपुर में आयोजित होने वाले सम्मेलन में सभी श्रेणियों के कमचारियों, पेंशनर्स की समस्यायों पर खुली चर्चा होगी और उसके बाद एक मतेन निर्णय लेकर भविष्य की रुप रेखा निर्धारित की जाएगी। बैठक अध्यक्षता योगाचार्य अवनीश तिवारी ने की।

आज 14 स्थानों पर लगेंगे उद्यम संस्कार शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में उद्यमिता के गुणों का विकास करने तथा स्वरोजगार की योजना की मदद से उन्हें स्वयं का उद्योग या व्यवसाय स्थापित करने के लिये प्रेरित करने की जिले में प्रारंभ की गई अभिनव पहल के अंतर्गत बुधवार को जिले के प्रत्येक विकासखण्ड के दो-दो क्लस्टरों में उद्यम संस्कार शिविरों का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की पहल पर आयोजित किये जा रहे उद्यम संस्कार शिविरों में युवाओं को विशेषज्ञों द्वारा बाजार में उपलब्ध संभावनाओं के अनुसार इकाइयों का चयन तथा उत्पादों मार्केटिंग पर मार्गदर्शन दिया जायेगा।

लंबित शिकायतों का करें निराकरण : संभागायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने संभागीय अधिकारियों के साथ समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने विशेषकर सीएम हेल्पलाइन, लंबित पेंशन प्रकरण के निराकरण एवं कलेक्टर -कमिश्नर कांफ्रेंस 7-8 अक्टूबर बैठक के कार्यवाही बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा की। संभागायुक्त श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में न्यून प्रदर्शन वाले अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर अपेक्षित प्रगति लायें और लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। लंबित पेंशन

प्रकरण में संबंधित अधिकारी जिले वार पेंशन प्रकरणों का परीक्षण करें और संबंधित डीडीओ से समय पर निराकरण कराना सुनिश्चित करें।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कलेक्टर -कमिश्नर कांफ्रेंस के कार्यवाही बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उद्यानिकी विभाग से संबंधित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत ड्रिप स्प्रिंकलर के विभागीय भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की प्रगति न्यून पाई जाने पर संयुक्त संचालक उद्यानिकी को निर्देशित किया कि वे कम प्रगति वाले जिला अधिकारियों की सतत मॉनिटरिंग करे एवं संबंधित जिला अधिकारियों से विभागीय लक्ष्य अनुरूप अपेक्षित कार्यवाही का प्रतिवेदन लेना सुनिश्चित करें।

बेखौफ बदमाशों ने टेंट कारोबारी महिला के घर फिर की बमबाजी

धमकाते हुए कहा तुम शिकायत करती रहो, हम हमला करते रहेगें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर में अपराधियों के बुलंद हौसले तो देखिए के वे पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे है। बदमाशों ने घमापुर के चुंगी चौकी क्षेत्र में रहने वाली टेंट कारोबारी महिला पूनम थदानी के घर पर 24 घंटे में दूसरी बार बमों से हमला कर दिया। हमलावर यश व जीतू ठाकुर ने भागते हुए धमकी दी कि तुम शिकायत करते जाओ, हम हमला करते रहेंगे, देखते हैं क्या कर लेती है पुलिस। पूनम के मुताबिक, घमापुर के चुंगी चौकी में रहने वाले बदमाशों ने रविवार और सोमवार रात मकान पर हमला किया है। आरोपियों ने सूअर मार बम फेंके और पथराव भी किया। पीड़ित ने 112 पर कॉल किया. जब तक पुलिस पहुंचती, तब तक आरोपी फरार हो गए। पूनम ने बताया कि रविवार को फेंके गए बम से उनकी छोटी बेटी घायल हो

गई थी। उसके चेहरे के पास बम फटा था। वह जिला अस्पताल में भर्ती थी, वहीं सोमवार को फिर दोनों बदमाश बाइक से आए और मकान पर बम फेंके। उस समय पूनम की बड़ी बेटी पोर्च पर बैठी थी।

घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है. पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्थानीय बदमाश उनके मकान व साइड में स्थित प्लॉट पर कब्जा करना चाहते हैं. इसी मकसद से वे लगातार डराने-धमकाने और हमले जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, ताकि परिवार भयभीत होकर मकान छोड़ दें। दो महीने में तीन बार हमले हो चुके हैं, पर पुलिस ने एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी कार तोड़ दी थी और एक ऑटो में भी आग लगा दी थी।इतना ही नहीं, बदमाशों के परिजनों ने भी पुलिस के सामने धमकी दी थी कि यदि शिकायत वापस नहीं ली गई तो उनके बेटे की हत्या कर दी जाएगी। इसके बाद भी हमलावर रुके नहीं उन्होने 24 घंटे में दूसरी बार फिर महिला के घर पर बमों से हमले किए है। बदमाशों ने भागते हुए धमकी दी है कि तुम शिकायत करती रहे, हम हमला करते रहेगें। पुलिस द्वारा एक बार फिर आरोपियों को पकडने के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन और बीमा योजनाओं पर संवाद आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी कठिनाइयों का निराकरण करने के उद्देश्य से कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर फेसबुक लाइव का चौथा कार्यक्रम बुधवार 7 जनवरी को शाम चार बजे से होगा। फेसबुक लाइव पर इस बार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं तथा सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं से जुड़ी कठिनाइयों पर नागरिकों से चर्चा होगी।

जिला प्रशासन के आधिकारिक फेसबुक पेज कलेक्टर जबलपुर पर प्रसारित होने वाले फेसबुक लाइव के इस कार्यक्रम से जुड़कर जिले के नागरिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इन योजनाओं से संबंधित अपनी कठिनाइ और जिज्ञासा का समाधान भी प्राप्त कर सकेंगे।

दो हजार की रिश्वत ने खाकी को किया दागदार

आरक्षक को चार साल की सजा पर हाईकोर्ट की मुहर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर के शहपुरा थाने में पदस्थ रहे आरक्षक विवेक साहू को महज दो हजार रुपये की रिश्वत लेने के मामले में अब चार साल की सजा काटनी होगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए आरोपी कॉन्स्टेबल की अपील खारिज कर दी है और उसका बेल बॉन्ड निरस्त करते हुए जेल भेजने के आदेश जारी किए हैं। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था। आरोपी आरक्षक विवेक साहू ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई चार साल की सजा को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसने अपनी अपील में यह तर्क दिया कि उसे गलत तरीके से फंसाया गया है और सजा अनुचित है। लेकिन हाईकोर्ट ने सभी साक्ष्यों, गवाहों और केस के तथ्यों

का बारीकी से अध्ययन करने के बाद यह स्पष्ट कर दिया कि ट्रायल कोर्ट का निर्णय पूरी तरह न्यायसंगत और कानून के अनुरूप है। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई जस्टिस राजेंद्र कुमार वाणी की एकलपीठ ने की। अदालत के समक्ष यह तथ्य सामने आए कि विवेक साहू शहपुरा थाने में पदस्थ रहते हुए एक चेक बाउंस के मामले में आरोपी देवी सिंह के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट की तामीली के लिए जिम्मेदार था। न्यायालय द्वारा वारंट जारी किए जाने के बावजूद आरक्षक ने अपनी ड्यूटी का पालन नहीं किया। आरोप है कि उसने देवी सिंह को गिरफ्तारी की धमकी दी और बदले में दो हजार रुपये की रिश्वत की मांग की।

पीड़ित ने लोकायुक्त में की थी शिकायत

मामले के अनुसार, बाद में गैर जमानती वारंट निरस्त हो गए और देवी सिंह को जमानत का लाभ मिल गया। इसके बावजूद आरक्षक ने उसे डराया-धमकाया और गिरफ्तारी का भय दिखाकर रिश्वत की मांग जारी रखी। पीड़ित देवी सिंह ने जब यह महसूस किया कि उसके साथ अन्याय हो रहा है और कानून की आड़ में उससे पैसे वसूले जा रहे हैं, तो उसने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और शहपुरा थाने में पदस्थ आरक्षक विवेक साहू को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

ट्रायल कोर्ट में चली लंबी सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने यह साबित किया कि आरोपी ने न केवल रिश्वत की मांग की, बल्कि उसे स्वीकार भी किया। गवाहों के बयान, लोकायुक्त की ट्रैप कार्रवाई और अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों ने आरोपी के खिलाफ मजबूत केस खड़ा किया। ट्रायल कोर्ट ने सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर विवेक साहू को दोषी ठहराते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर सजा पर रोक और जमानत की मांग की थी। हाईकोर्ट ने अपील की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

61 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

बालाघाट, स्वतंत्र मत। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 06 जनवरी को कलेक?ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक?टर श्री मृणाल मीना की अध?यक्षता में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक?टर श्री डीपी बर्मन, संयुक?त कलेक?टर श्री राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस?याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 61 आवेदक अपनी समस?या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में लांजी तहसील की मानसी पटले नियमानुसार अतिथि शिक्षक के पद पर नियुक्ति दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मानसी पटले का कहना था कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी मेरिट सूची में उसका चयन अतिथि शिक्षिका (प्री-प्राइमरी) पद के लिए क्रमांक 01 पर हुआ था। किंतु चयन के बावजूद विद्यालय प्राचार्य द्वारा प्रशासनिक स्तर पर हुई त्रुटि के कारण उन्हें प्री-प्राइमरी के स्थान पर प्राइमरी कक्षाओं में जॉइन करा दिया गया। मानसी ने बताया कि वह बीते चार माह से निरंतर पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से प्राथमिक शाला सुलसुली में शिक्षण कार्य कर रहीं है, किंतु अब विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा उनसे विद्यालय आने के लिए मना किया जा रहा है, साथ ही अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। किरनापुर तहसील के ग्राम बेनेगांव की निवासी सलिता गुरबेले लाड़ली बहना योजना से उसका नाम काटने संबंधी शिकायत लेकर आयी थी। सलिता का कहना था कि 25 अप्रैल 2025 से उसे लाड़ली बहना योजना की राशि मिलना बंद हो गई है। सलिता ने बताया कि इस संबंध में उसने सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराई गई थी किंतु उसमें बताया जा रहा है कि आपके द्वारा स्वयं योजना का त्याग किया गया है, जबकि योजना का त्याग करने संबंधी कोई कार्यवाही सलिता द्वारा नही की गई है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत पदमपुर के मेखराम ठकरेले अपनी माता का राशन कार्ड से नाम काट देने संबंधी शिकायत लेकर आये थे। मेखराम ने बताया कि उसकी माता जीवित हैं, इसके बावजूद पंचायत द्वारा उनका नाम राशन कार्ड से हटा दिया गया है। शिकायत में यह भी बताया गया कि पंचायत क्षेत्र में समान नाम की एक अन्य महिला की मृत्यु होने के बावजूद उसका नाम योजनाओं में दर्ज है और लाभ उसके परिवार को मिल रहा है।

पीड़ित परिवार ने कलाबाई ठकरेले का नाम पुन: राशन कार्ड में जोड़ने, पेंशन चालू कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस प्रकरण में उप संचालक सामाजिक न्याय को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम मनेरी के ग्रामीण सिंचाई संबंधी समस्या लेकर आये थे। ग्रामीणों ने रबी फसल की सिंचाई के लिए नहर से पर्याप्त पानी दिलाने की मांग की। इस प्रकरण में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में ग्राम खामघाट की निवासी तामेश्वरी बिसेन अपने पति की दुर्घटना में मृत्यु होने पर शासन से मिलने वाली सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थीं। तामेश्वरी का कहना था की उसका दूसरा विवाह अशोक बिसेन से हुआ था और तब से लेकर वह अशोक बिसेन के साथ दाम्पत्य जीवन का निर्वहन कर रही है। 03 सितम्बर 2025 कों उसके पति की कुएँ में गैस रिसाव होने के कारण मृत्यु हो गयी है।

तामेश्वरी ने बताया कि पति के मृत्यु प्रमाण पत्र पर उसके नाम के स्थान पर पहली पत्नि रीता बिसेन का नाम दर्ज किया गया है। उसके पति नें उसके नाम से कृषि यन्त्र, ट्रैक्टर, पिकअप, मोटर साइकिल के लिए ऋण लिया था जिसकी वसूली के लिए बैंक व फाइनेंस कंपनी तामेश?वरी को परेशानी कर रही है जबकि पति की मृत्यु के पश?चात मिलने वाली सहायता राशि तामेश?वरी के पति की पहली पत?नी को मिल रही है। कलेक्टर नें एसडीएम वारासिवनी कों तामेश?वरी के प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर के समक्ष में की सुनवाई

नगर पालिका बालाघाट के सीएमओ एवं उपयंत्रियों का 02 दिन का वेतन काटने के निर्देश

बालाघाट, स्वतंत्र मत। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों का रेण्डमली चयन कर संबंधित विभाग के अधिकारी एवं शिकायतकर्ता का समक्ष में बुलवाकर शिकायत को सुना जाता है और उस पर आवश?यक कार्यवाही के निर्देश दिये जाते है।

शिकायत के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित पर कार्यवाही के निर्देश भी दिये जाते है। इसी कड़ी में 06 जनवरी को कलेक्टर द्वारा 18 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की गई है। कलेक्टर श्री मीना ने ग्राम किरनापुर के शिकायतकर्ता कोमलदास मेश्राम द्वारा की गई बटांकन नही किये जाने संबंधी शिकायत के निराकरण के संबंध में पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि इस शिकायत में नक्शा बटांकन के संबंध में आदेश पारित किया जा चुका है। इसी प्रकार किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम खपराझरी के शिकायतकर्ता सतीष परते द्वारा अपनी भूमि पर किये गए अतिक्रमण संबंधी शिकायत को सुना गया, जिस पर पटवारी द्वारा बताया गया कि सतीष द्वारा जिस भूमि पर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत की गई है उस पर उसका नाम दर्ज नही है और उसे इस संबंध में बता दिया गया है। शिकायतकर्ता सतीष अब संतुष्ट है और उसने अपनी शिकायत वापस ले ली है। कलेक्टर द्वारा समक्ष में की गई सुनवाई के दौरान वारासिवनी तहसील के ग्राम वारा निवासी रामप्यारे आसरे की अतिक्रमण संबंधी शिकायत को संतुष्टि पूर्वक बंद कराया गया। कटंगी तहसील के अंतर्गत अर्जुननाला निवासी अभिषेक गुप्ता द्वारा शिकायत की गई थी कि इंदुबाई द्वारा उसके घर के सामने स्थित शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है और उस पर झोपड़ी बनाकर रहती है। जबकि उसके बच्चें एवं परिजन सम्पन्न है और शासकीय सेवा में है। इस प्रकरण में हाईकोर्ट द्वारा भी कहा गया है कि यदि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है तो उसे हटाया जा सकता है। इस प्रकरण में कलेक्टर श्री मीना ने कटंगी तहसीलदार को शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये है।

इस पर शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत वापस ली गई है। सीएम हेल?पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई के दौरान खैरलांजी तहसील के ग्राम सावरी के उमाशंकर लिल?हारे, वारासिवनी के डिलेश गौतम, परसवाड़ा तहसील के ग्राम समनापुर की चंपाबाई की शिकायतों का समाधान होने पर उन्हें बंद कराया गया है। नगरीय क्षेत्र बालाघाट की सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की सुनवाई के दौरान पाया गया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बीडी कतरोलिया, उपयंत्री ज्योति एवं प्रीति द्वारा जल प्रदाय एवं अतिक्रमण संबंधी शिकायतों का उचित निराकरण दर्ज नही किया जा रहा है ।

एस.एस.पी. महाविद्यालय वारासिवनी द्वारा कॉलेज चलो अभियान का सफल आयोजन

बालाघाट, स्वतंत्र मत। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी द्वारा कॉलेज चलो अभियान 2026-27 के प्रथम चरण का प्रभावी संचालन दिनांक 05 दिसंबर 2025 से 05 जनवरी 2026 तक सफलतापूर्वक किया गया। यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी प्रो. हेमंत कुमार गनवीर के संयोजन में संपन्न हुआ। अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद कर कॉलेज चलो अभियान के उद्देश्यों एवं उच्च शिक्षा के महत्व की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को महाविद्यालय में संचालित ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, राज्य एवं केंद्र शासन द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नवीन प्रावधानों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में उपलब्ध राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, एनसीसी, ग्रंथालय, एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से विद्यार्थियों को कैरियर विकल्पों, उच्च शिक्षा के अवसरों एवं रोजगार की संभावनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

रोशना में लगाया गया पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर

150 से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर किया गया उपचार

बालाघाट, स्वतंत्र मत।

कृषि कार्यों एवं दुग्ध उत्पादन में उन्नत नस्ल के स्वास्थ्य पशुओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन्ही तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए पशु चिकित्सा विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर किसानों एवं पशुपालकों के बीमार पशुओं का उपचार किया जा रहा है। इसी कड़ी में 06 जनवरी 2026 को बालाघाट विकासखंड के ग्राम रोशना में पशुपालन विभाग के तत्वावधान में पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को उनके पशुओं के लिए सुलभ एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना रहा। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ एन डी पुरी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर के दौरान गाय, भैंस, बकरी सहित अन्य घरेलू पशुओं का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बीमार पशुओं का उपचार कर आवश्यक औषधियों का नि:शुल्क वितरण किया गया। साथ ही पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाई गई, टीकाकरण किया गया एवं बाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु के लिए उपचार भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त पशुपालकों को पशु पोषण, स्वच्छता, रोग निवारण एवं बेहतर पशु प्रबंधन के संबंध में उपयोगी परामर्श दिया गया। शिविर में पशु चिकित्सक डॉ. बादल पटले एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी श्रेया बांगरे द्वारा पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर बीमार पशुओं का उपचार किया गया। इसमें पैरावैट स्टाफ शिवम ठाकरे एवं जयनारायण ऑडे, गौसेवक झाडूलाल शरणागत, मैत्री शुभम लिल्हारे ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि विनोद हरिनखेडे भी उपस्थित रहे और सभी के सहयोग से शिविर सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर के दौरान ग्राम रोशना के लगभग 34 पशुपालकों के 150 से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। पशुपालकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उनके समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की आवश्यकता बतायी।

एसडीएम एवं तहसीलदारों द्वारा अलग अलग ग्रामों में की गई जनसुनवाई

बालाघाट, स्वतंत्र मत।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर प्रत्येक मंगलवार को सभी एसडीएम एवं तहसीलदार द्वारा अपने क्षेत्र के अलग अलग ग्रामों में जाकर जनसुनवाई की जा रही है और ग्रामीणों की समस्याओं का सुना जा रहा है। 6 जनवरी को वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ग्राम पंचायत लिंगमारा, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ग्राम गोगाटोला, परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्यासी ग्राम लौगूर, लांजी एसडीएम कमल सिंहसार ग्राम रिसेवाड़ा एवं किरनापुर एसडीएम एमआर कोल ग्राम पंचायत बिनोरा में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुए। इसी प्रकार जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते एवं तहसीलदार मंजूला महोबिया ग्राम पंचायत रट्टा, खैरलांजी तहसीलदार छवि पंत ग्राम पंचायत सालेटेका एवं बिरसा तहसीलदार ग्राम झामुल एवं तिरोड़ी तहसीलदार श्री शांडिल्य ग्राम कोडबी में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुए। लिंगमारा मे आयोजित जनसुनवाई में 24 आवेदन प्राप्त हुए जबकि सालेटेका में आयोजित जनसुनवाई में 28 आवेदन प्राप्त हुए।

वारासिवनी एसडीएम श्री जायसवाल ने ग्राम लिंगमारा में जनसुनवाई के पश्चात शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया और बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जांच की। बालाघाट तहसीलदार एवं जनपद सीईओ ने ग्राम रट्टा में जनसुनवाई के पश्चात प्राथमिक शाला में बच्चों को दिये जा रहे मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया। इसी प्रकार तिरोड़ी तहसीलदार श्री शांडिल्य द्वारा ग्राम कोडबी की माध्यमिक शाला में मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बच्चों को मेन्यू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है। ग्राम लौगुर में आयोजित जनसुनवाई में पेयजल एवं बिजली से संबंधित समस्या ग्रामीणों द्वारा बतायी गई।

सेवानिवृत्त उपरांत हुए भव्य सम्मान समारोह में जुटे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी

उमरिया, स्वतंत्र मत। सोमवार 5 जनवरी को राजविलास पैलेस उमरिया-शहडोल में भव्य सेवानिवृत्त उपरांत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सीएमएचओ कार्यालय उमरिया में वरिष्ठ लेखापाल संतोष शुक्ला 31 दिसंबर 2025 को अपनी 39 साल की सर्विस पूरी के सेवानिवृत्त हुए थे जिसके उपरांत शहडोल बार्डर पर स्थित पैलेस में शानदार विदाई और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अपनी शालीनता और बेबाकी, और ईमानदारी के लिए मशहूर वरिष्ठ लेखापाल संतोष शुक्ला के विदाई समारोह में उमड़ी भीड़ उन्हें व्यक्तित्व को खुद बया करती दिखी। नौकरी तो बहुत लोग करते हैं और रिटायर भी होते हैं लेकिन ऐसा सम्मान बहुत कम लोगों को ही नसीब होता है और ये संतोष शुक्ल जी ने खुद कमाया है जिसमे सभी विभागीय के साथ साथ आत्मीयता और घनिष्ठ संबंध ऐसे बने की लोग आने से खुद को नही रोक सके।

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. व्ही. एस. चंदेल सीएमएचओ उमरिया रहे साथ में डॉ. उमेश नामदेव पूर्व संयुक्त संचालक रीवा, आरएस पाण्डेय पूर्व सीएमएचओ रीवा, डॉ.राजेश पाण्डेय पूर्व सीएमएचओ शहडोल, डॉ. आरके सिंह पूर्व सीएमएचओ उमरिया, डॉ. एल.एन. रुहेला हड्डी रोग विशेषज्ञ उमरिया, डॉ. मुकुल तिवारी क्षय रोग विशेषज्ञ उमरिया, व्ही के जैन पैथालाजिस्ट पाली, आई. जे सिह सेवानिवृत्त सारख्यकीय अधिकारी शहडोल,केडी द्विवेदी संचालक जनता महाविद्यालय गोहपारु, एच एन तिवारी, ओ. पी. शुक्ला जमुना पेट्रोलियम उमरिया, सतेन्द्र मिश्र सहायक कोषालय अधि. उमरिया, रामसनेही विश्वकर्मा पाली, संदीप त्रिपाठी उपस्थित थे।

बड़ी दुर्घटनाओं के इंतजार में पीएमजीएसवाई का पुल...!

पुल में हुआ जानलेवा गड्ढा, कभी भी हो सकती हैं अनहोनी

मानपुर, स्वतंत्र मत। ग्राम पंचायत पटेहरा से मानपुर तक एकलौता पहुंच मार्ग है जो प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना से बनवाया गया है। इसी सड़क के मध्य गहरी भड़ारी नदी में बीसों वर्ष पहले बना एक पुल है, यह पुल इसी वर्ष के वर्षात में कई जहग टूट गया था जिससे आवागमन रुक गया था, तब ग्रामीणों के मांग पर पीएमजीएसवाई विभाग द्वारा मोटी बजट खर्च कर पुल का मरम्मत करवाया गया था, जो पुल दो महीने भी नहीं टिक पाया और माह नवम्बर में बुरी तरह टूटकर घातक खण्डहर हो गया है..! इस पुल का सड़क वाला ऊपरी छत कई जगह दरारों के साथ फट चुका है, इस पुल में तीफिट वृत्ताकार बिसाल गड्ढा बन गया है, जिस गड्ढा के अंदर तरकीबन दसों फिट गहरा और लम्बा चौड़ा खाली जगह है, इस पुल में 3 - 4 इंच मोटा कंक्रीट गिट्टी की परत है जो कभी भी ध्वस्त हो सकता है.!

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 45 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया, स्वतंत्र मत।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जनसुनवाई में 45 आवेदको की समस्याओ को सुना तथा आवेदन संबंधित विभाग की ओर निराकरण के लिए प्रेषित किया। जनसुनवाई में अनारकली, अन्नू, पार्वती, अर्चना, मीरा ग्राम लालपुर ने निस्तार के पान, बरसात के पानी निकालने हेतु ढोल पाइप निकालने, बहोरी चौधरी ग्राम पडवार ने पीएम आवास की दूसरी किश्त दिलाने, राम प्रसाद काछी ग्राम जमुनिहा ने पुस्तैनी भूमि का पटटा दिलाने, अशोक यादव ग्राम कोडार ने पत्नी की मृत्यु पश्चात राष्ट्रीय परिवार सहायता दिलाने, लक्ष्मीकांत व्दिवेदी ग्राम झाल ने सीमांकन कराने, राज कुमारी महरा ग्राम बुढिया ने लाडली बहना योजना का लाभ दिलाने, माया बाई ग्राम देवरा ने पति की मौत के बाद अनुग्रह सहायता दिलाने, अनुराग रजक ग्राम टिकुरी ने आधार कार्ड सुधरवाने, राजेंद्र बर्मन ग्राम कछरवार ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, दीपचंद नामदेव ग्राम महरोई ने पीएम आवास दिलाने संबंधी आवेदन दिया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, प्रभारी एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय चंदिया में स्वामी विवेकानंद जी पर निबंध प्रतियोगिता, युवाओं को मिला राष्ट्र निर्माण का संदेश

उमरिया, स्वतंत्र मत। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, जिला शाखा उमरिया द्वारा 06 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक जिलेभर में च्सेवा सप्ताहज का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 6 जनवरी 2026 को शासकीय महाविद्यालय चंदिया में स्वामी विवेकानंद के जीवन, विचार एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा, भोपाल के निर्देशानुसार तथा रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया के अध्यक्ष धरणेन्द्र कुमार जैन कलेक्टर उमरिया के मार्गदर्शन में, सभापति अखिलेश त्रिपाठी, प्रदेश प्रतिनिधि मान सिंह एवं सचिव राकेश शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वामी विवेकानंद जी के विचारों के माध्यम से सेवा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना का विकास करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत में शासकीय महाविद्यालय चंदिया के प्रोफेसर डॉ. राम गोपाल सिंह जी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए स्वामी विवेकानंद जी के जीवन परिचय एवं उनके विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रेड क्रॉस सोसायटी उमरिया, करकेली ब्लॉक के सहसंयोजक श्री संतोष त्रिपाठी जी रहे। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने कहा कि च्स्वामी विवेकानंद जी केवल एक संत नहीं, बल्कि युवाओं के लिए आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र उत्थान का जीवंत आदर्श हैं।ज उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के बाल्यकाल से लेकर संन्यास जीवन, शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण तथा भारत को विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में उनके योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। संतोष त्रिपाठी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जी के च्उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुकोज के संदेश को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाएं तथा शिक्षा, सेवा और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने रेड क्रॉस जैसी संस्थाओं के माध्यम से समाज सेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा भी दी।

इसके पश्चात महाविद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में लगभग 35 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने लेखन के माध्यम से स्वामी विवेकानंद जी के जीवन, विचार एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को आत्मसात कर सेवा, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

कृषकों की समस्याओं पर बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड मण्डला वृत्त के अधीक्षण अभियंता मो. अयूब खान द्वारा भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष श्रीराम सिंधिया एवं सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों ने विद्युत संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर अधीक्षण अभियंता द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये कार्यपालन अभियंता मण्डला एवं बिछिया को निर्देशित किया गया है कि भारतीय किसान संघ के सदस्यों एवं प्रतिनिधियों से संभाग स्तर एवं वितरण केन्द्र स्तर पर बैठक आयोजित कर किसानों को विद्युत संबंधी हो रही कठिनाईयों को संज्ञान में लेते हुये उनका प्राथमिकता के साथ त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करें।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बलमसिंह पिता धरमसिंह निवासी ग्राम बीरमपुर तहसील नारायणगंज की 1 अगस्त 2025 को नाला के पानी में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण निकटतम वारसान को 4 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास के द्वारा मृतक के निकटतम वारसान पत्नि श्रीमती चंद्रवती पति बलम सिंह वरकड़े के खाते में आर्थिक सहायता की राशि प्रदाय की गई है।

जनसुनवाई में सुनी समस्यायें

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। 6 जनवरी को जिला योजना भवन में आयोजित जनसुनवाई में जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये 87 आवेदकों ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा के समक्ष अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये कलेक्टर ने आवेदनों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

पुनरीक्षण संबंधी बैठक संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल किए जाने के लिए 9 एवं 10 जनवरी को विशेष कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। एक जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले ऐसे विद्यार्थी जिनका नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है, उनके लिए कैम्प के माध्यम से निर्धारित फॉर्म-6 ऑनलाईन तथा ऑफलाईन भरा जाना है जिला योजना भवन में संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं के नोडल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

सीएम हेल्पलाइन समीक्षा बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में मंगलवार को स्कूल शिक्षा विभाग जिला शिक्षा केन्द्र जनजातीय कार्य तकनीकि शिक्षा तथा उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभाग की बैठक अपर कलेक्टर कक्ष में ली। बैठक में उन्होंने दिसंबर माह में दर्ज सीएम हेल्पलाइन की विभागवार-प्रकरणवार विस्तार से समीक्षा की।

विधायक के भतीजे का निधन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। निवास विधानसभा के विधायक चैनसिंह वरकड़े के भतीजे अतुल वरकड़े उम्र 24 वर्ष का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है प्राप्त जानकारी के निवास नगर के वार्ड नंबर 2 साहू मोहल्ला क्षेत्र में जबलपुर मार्ग पर एक बोलेरो वाहन सड़क के मुख्य मार्ग पर बने डिवाइडर से टकरा गयी।

मंडला का नाम बदलकर माहिष्मती नगरी करने की कथित योजना के विरोध में उतरी गोंगपा, ज्ञापन सौंप भ्रष्टाचार के लगाए आरोप

मण्डला(स्वतंत्र मत)

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मंगलवार को जिला मुख्यालय में विशाल सभा का आयोजन किया। मंडला का नाम बदलकर माहिष्मती नगरी करने की कथित योजना के साथ अन्य मुद्दो के विरोध में गोंगपा के हजारों कार्यकर्ता मंडला पहुंचे निषादराज भवन के पास सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर मरकाम, महासचिव अमान सिंह पोर्ते, प्रदेश अध्यक्ष इंजी.कमलेश तेकाम सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी विभिन्न जिलों के अध्यक्ष पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे और यहां पर जिला प्रशासन सहित जनप्रतिनिधियों पर जमकर प्रहार किया। यहां से विशाल रैली निकाली गई और राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया और कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतिया उईके, प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और कलेक्टर सोमेश मिश्रा का पुतला दहन किया गया। जिसमें कहा गया कि विश्व इतिहास व वैश्विक भूगोल गवाह है कि पेंजिया का दक्षिणी गोलार्ध गोण्डवाना भू-भाग है। जिसमे विश्व का आधा भाग शामिल है। गोण्डवाना भू-भाग के मूल प्रतिनिधि ट्राइब्स गोण्ड समुदाय का अपना ऐतिहासिक गोण्डवाना साम्राज्य, वैभवशाली सांस्कृतिक इतिहास रहा है। उसकी कुशल राज्यसत्ता शासनकाल

जिसमें महान प्रतापी राजा संग्राम शाह मरावी जिन्होने सोने के सिक्के चलाये एवं कालान्तर उनके राज वंशजों लगातार गोण्डवाना भू-भाग मे साम्राज्य स्थापित कर कुल 1750 वर्ष गोण्डवाना साम्राज्य के शासन का इतिहास रहा। 1857 की स्वतंत्रता संग्राम में देश को जरूरत पड़ी तो गोण्डवाना के राजा शंकरशाह- कुंवर रघुनाथ शाह मरावी ने 1857 मे तोप के मुंह से बंधकर उड़ गये, लेकिन स्वाभिमानी ऐसे कि अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नही किया और न प्राणों की भीख मांगी और माफी नामा लिखा। गढ़ मण्डला गोण्डवाना साम्राज्य की राजधानी रही, जिसमे 57 गढ़ 57 परगना शामिल थे। इस गोण्डवाना साम्राज्य की भौगोलिक सीमाओं का विस्तार विस्तृत रहा है। आज गढ़ मण्डला में गोण्डवाना के गढ़, किला- महल, ताल-तलैया, बावली जीवंत साक्ष्य हैं कि यह गढ़-मण्डला गोण्डवाना साम्राज्य की राजधानी थी और आज भी है। आज ऐतिहासिक नाम गढ़ मण्डला से लगातार छेड़छाड़ जारी है। जो किसी भी शर्तों मे स्वीकार नही है क्योकि गढ़-मण्डला गोण्डवाना के अस्तित्व व अस्मिता से जुड़ा विषय है।

डीएमएफ का दुरूपयोग

डीएमएफ का जिले के विकास मे महत्पूर्ण योगदान होता है। के बावजूद इस फंड का कहां, कितना कैसे उपयोग किया जा रहा है स्पष्ट नही है पूर्ण संभावना है कि डीएमएफ फंड का दुरूपयोग किया जा रहा है। डीएमएफ फंड मे अवैध उत्खनन के चलते नियमानुसार निर्धारित रायल्टी प्रतिशत शुल्क भी जमा नही किये जाने की पूर्ण संभावना है। इसके लिए कितना राशि कम जमा का आंकलन दस्तावेजों से किया जाकर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि जिले के विकास के लिए प्राप्त इस करोड़ो

अरबों की क्षति के लिए कौन जिम्मेदार है और नियमानुसार वसूली भी हो।

नाम बदलने की साजिश

कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतिया उईके ने खुले मंच से संबोधित करते हुए कहा कि मण्डला का नाम महिष्मति किया जावे। स्पष्ट है कि गोण्डवाना ऐतिहासिक पहचान वैभवशाली सांस्कृतिक पहचान व गोण्डवाना राजधानी गढ़ मण्डला का अस्तित्व को खत्म करने की साजिश है। नामनगर से रामनगर, ह्रदय नगर को मचलेश्वर नगर, रानी दुर्गावती पार्क को रेवांचल पार्क, रिपटाघाट को महिष्मति घाट किया गया है। मण्डला जिले के इतिहास से छेड़छाड़ जारी है। जैसे गोण्डवाना साम्राज्य व जिले के इतिहास से जुड़े तत्वों को नजर अंदाज कर नगर नामनगर को अब रामनगर किया। जा चुका है। वहीं गोण्डवाना साम्राज्य के राजा हिरदेशाह के नाम पर बसा नगर, हिरदेनगर को मचलेश्वर नगर किया गया और हिरदेनगर मेला को मचलेश्वर मेला नाम दिया गया है। गढ़ मण्डला शहर में स्थित रानी दुर्गावती पार्क का नाम बदलकर रेवांचल पार्क किया गया। गढ़ मण्डला की पहचान पुरातन काल के संरक्षित तत्वों से है मां नर्मदा के मुख्य तट पर प्रचलित नाम रिपटाघाट का नाम बदलकर महिष्मतिघाट किया गया।

जल-जीवन मिशन घोटाला

विभिन्न जनहित के कार्यों मे जिले मे आये दिन कमीशनखोरी की शिकायत आ रही है वही भ्रष्टाचार चरम पर है शिकायत पर भी कोई कार्रवाई नही की जाती है। शासन के जनहितकारी योजना जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन मे घोर लापरवाही बरती जाकर शासकीय राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। जिससे आम जन मानस को शासन के मंशानुरूप लाभ नही मिल रहा है वहीं कार्यो मे लापरवाही से गुणवत्तापूर्ण कार्य न कराया जाना भी प्रमुख समस्या के रूप मे है।

पलायन लगातार जारी

जिले की प्रमुख समस्याओं मे पलायन भी प्रमुख विषय है कि जिले की जनता के लिए रोजगार की व्यवस्था न होशे से जीवन यापन के लिए रोजगार के लिए दूसरे राज्यो व शहरों की ओर पलायन के लिए बाध्य हैं जिससे उनके बच्चों का भविष्य खतरे मे है बच्चे पलायन के कारण पढनही पा रहे हैं शिक्षाग्रहण नही कर पा रहे हैं।

झेल रहे विस्थापन के दंश

जिले के मूल वंशजों के सामने भयावह तस्वीर एक यह भी है कि अब वह विस्थापन का दंश जेल रहा है विभिन्न प्रोजेक्ट के नाम पर विस्थापन से उसका पूरा अस्तित्व खत्म हो रहा है। उसकी मूल पहचान उसकी मातृभूमि का छिनना जीवन-यापन के साधन का छिनना उसके लिए बहुत कष्टकारी है। विस्थापन का दर्द झेल झेलकर परेशान है। उसका अस्तित्व ही खत्म किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद से देश मे जितने विस्थापन हुए है सबसे ज्यादा सिर्फ आदिवासी ही प्रभावित हुआ है। जिले मे शासन नियमों को धता बताते हुए अवैध उत्खनन लगातार जारी है जिससे प्रकृति का बेतरतीब दोहन हो रहा है।

डकैती के आरोपी गिरफ्तार, रकम और कार बरामद

मण्डला(स्वतंत्र मत)

फरियादी सुनिता मौसी उर्फ शबनम आयु 32 वर्ष निवासी कचहरी मोहल्ला थाना कोतवाली द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 30 दिसम्बर को अपने पर्स में 1 लाख 50 हजार रुपये रखकर पार्वती मौसी के साथ मोटर साइकिल में बैठकर बड़ी खैरी जा रही थी। रात्रि लगभग 08:50 बजे हनुमान घाट के आगे सफेद रंग की कार ने मोटरसाइकिल को साइड से टक्कर मारी जिससे वह गिर गई और पर्स रोड पर छिटककर गिर गया। उसी समय कार से दो व्यक्ति उतरकर पैसे से भरा पर्स उठाकर फरार हो गए रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा आरोपियों पर रूपये 10 हजार रुपये का ईनाम की घोषणा की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा संभावित रूट का पता लगाने एवं साक्ष्य एकत्रित करने हेतु

तकनीकी साक्ष्य एवं सायबर सेल की सहायता से जानकारी एकत्रित की गई पुलिस टीम द्वारा तत्पर एवं सुनियोजित कार्यवाही करते हुए सफलता प्राप्त की तथा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी सलमान खान फरियादी के समूह की एक सदस्य से कुछ समय से परिचित था आरोपी सलमान खान द्वारा परिचय का लाभ उठाकर स्वयं आना जाना एवं रेकी कर गोपनीय रूप से इनकी प्रतिदिन की गतिविधियों एवं रूपये की जानकारी एकत्र कर ली गई थी। इन्हीं जानकारियों के आधार पर आरोपीगण जबलपुर से टाटा जेस्ट कार क्रमांक एमपी20/टीए/1157 से मंडला आए तथा अपनी पहचान छुपाने एवं पुलिस को भ्रमित करने के लिए कार का नंबर काले टेप से बदलकर 4757 कर दिया व काले टैप से एमपी20 को छिपा दिया था घटना स्थल की रेकी की एवं योजना के तहत पीछे से टक्कर मारकर पर्स लूटकर अंजनिया मार्ग से जबलपुर भाग गए तथा बीच मार्ग में ही रुपये बांट लिए गिरफ्तार आरोपी इमरान अंसारी पिता मोबीन अहमद 25 वर्ष जिला जबलपुर, श्याम सुंदर चौहान पिता रामकुमार चौहान 35 वर्ष जिला जबलपुर, दीपक चौधरी पिता मुरारीलाल चौधरी 39 वर्ष जिला जबलपुर,मो. सलमान पिता मो.अकरम 28 वर्ष जिला जबलपुर, सलमान खान पिता मोह सलीम 28 वर्ष जिला जबलपुर जप्त सामग्री लूटी गई राशि में से 32100 नकद बरामद, शेष राशि की बरामदगी हेतु प्रयास जार एक सफेद टाटा जेस्ट कार क्रमांक एमपी20/टीए/1157 है एसडी ओपी पीयूष मिश्रा निरीक्षक खान निरीक्षक रेडियो कृष्ण गोपाल जगाती उनि. संजीव उइके उनि सुरजीत सिंह परमार सउनि भूमेश्वर बामनकर सहा उप निरी, संतोष कुमरे आरक्षक मृदुल प्रियांश, रमेश, यमुना, राजकुमार मानसिंह दिनेश मधुर दुर्गेश, धीरू सुरेश की सराहनीय भूमिका रही पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा उक्त मामले में अधिकारी कर्मचारी को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। पतंजलि पीठ जिला इकाई के द्वारा संस्थान संगठन स्थापना दिवस के 30 वर्ष पूर्ण होने पर माहिष्मती घाट में स्थित पतंजलि योग सभा कक्ष में वैदिक परंपरा अनुसार गुरुकुल के आचार्य एवं बच्चों के द्वारा हवन पूजन किया गया स्थानीय संतों एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रचलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित संतो विशिष्ट अतिथियों एवं प्रमुखों का जिला इकाई के सदस्यों के द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों एवं संस्थान संगठन स्थापना दिवस के 30 वर्षों पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए गए उपस्थित सभी सदस्यों को सांकेतिक रूप से योगाभ्यास पतंजलि पीठ के संरक्षक सुनील वाली के द्वारा कराने के उपरांत उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

बेदखली आदेश के बाद भी नहीं मिल रहा कब्जा

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्रमत)। बिछिया तहसील के अंतर्गत अंजनिया के पास अहमदपुर निवासी 70 वर्षीय फांफा बाई साहू द्वारा कलेक्टर को फिर से 6 जनवरी को जनसुनवाई पहुंचकर आवेदन दिया गया है। इसमें उन्होंने अपने घर के सामने स्थित शासकीय रास्ते पर अनावेदक कुंजबिहारी साहू और

उसके परिवार के द्वारा किए गए अवैध कब्जे की शिकायत की है और उसे हटवाने की मांग की है। वृद्धा फांफा बाई का आरोप है कि कुंजबिहारी साहू ने शासकीय रास्ते पर कब्जा करके उनके परिवार के लिए परेशानियां खड़ी कर दी हैं और उनके घर तक पहुंचने का रास्ता भी संकीर्ण हो गया है। उन्होंने इस संबंध में कई बार आवेदन दिए हैं और जनसुनवाई में भी अपनी समस्या रखी है लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है उन्होंने अपने आवेदन में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख किया है जैसे कि नायब तहसीलदार अंजनिया और एसडीएम के द्वारा अतिक्रमण हटाने के आदेश और बेदखली वारंट बार-बार जारी किए जाने के बावजूद भी कब्जा नहीं हटाया गया है। अंतिम आदेश 5 जनवरी को हटाए जाने के लिए था बावजूद इसके समाचार लिखे जाने तक नहीं हटाया जा सका है अब 7 जनवरी को हटाए जाने का मौखिक आश्वासन दिया जा रहा है।

वार्ड 14 को सीधे नगर से जोड़ने सड़क की मांग कर रहे रहवासी

कनोजिया टोला और सीताराम टोला को मुख्य मार्ग से जोड़ने की जन मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के वार्ड क्रमांक 14 के सीताराम टोला और कनोजिया टोला को मुख्य मार्ग से सीधे जोड़ने की मांग रहवासी लगातार कर रहे है। प्रस्तावित मार्ग के लिये शासकीय जमीन भी उपलब्ध है। मगर सीधे पहुंच मार्ग के आभाव में रहवासियो को परेशान होना पड़ रहा है। अब वार्ड के लोगो ने स्थानीय प्रशासन को जन सुनवाई में दिए गये आवेदन के माध्यम से प्रस्तावित सड़क मार्ग की सुविधा प्रदाय करने की मांग की है।

जाहिर है कि नगर के वार्ड 14 के उपर्युक्त टोले नगरीय क्षेत्र से काफी दूरी पर अवस्थित हैं। जिन्हें नैनपुर बालघाट सड़क मार्ग से होकर लगभग 3 से 4 किमी का सफर तय कर नैनपुर के बाजार बैंक स्कूल कालेज तहसील या अन्य कार्य से आना पड़ता है। या फिर वार्ड 9 ठेकेदारी मोहल्ले के रास्ते नगर से जुड़ते है। नगर के वार्ड क्रमांक 14 डे मेडम से सीताराम टोला तक पहुंच मार्ग बनाये जाने लम्बे समय से वार्ड वासी नगरपालिका एंव एसडीएम के समक्ष जनसुनवाई में आवेदन देते आ रहे हैं। ज्ञात हो उपरोक्त सड़क निर्माण के लिए सड़क का सीमांकन करने नगरपालिका द्वारा तहसील कार्यालय में 22/5/2024 एंव 24/9/2025 को पत्र देकर सीमांकन करने मांग की गई परंतु अकारण आज दिनांक तक सीमांकन नहीं हो पाया जिससे नगरपालिका परिषद सड़क निर्माण के लिए प्राकलन नहीं बना पा रही है।?गत लम्बे समय से श्रीमती

सुषमा मिश्रा पति बी.एन. मिश्रा निवासी वार्ड क्रमांक 14 सड़क निर्माण के लिए आवेदन देते आ रही है। आपके द्वारा एसडीएम के समक्ष जनसुनवाई में अपनी समस्या का आवेदन दिया गया। जिसपर लेख किया गया कि 08/2007 में जमीन खरीदा गया था एवं मकान 2012-13 से निर्माण कार्य कराया गया । जिसका विकास शुल्क 52000 रुपये नगरपालिका को दे चुकी हैं एवं वाणिज्य कर भी दे रही है। परंतु सड़क की सुविधा आज दिनांक तक नगरपालिका के द्वारा नहीं दी गई। आपके द्वारा बताया गया कि घर के पूर्व दिशा में कच्चा रास्ता है उस पर अजय जाधव द्वारा बार-बार शासकीय रोड पर जेसीबी मशीन से रोड को खुदवाना एवं सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। वार्ड 14 से होकर सीताराम टोला तक उक्त प्रस्तावित मार्ग नगर के लिए एक वैकल्पिक बहुमूल्य मार्ग साबित हो सकता है। क्योंकि नगर का शासकीय चिकित्सालय भी इसी वार्ड में स्थित है। इसके अलावा प्रस्तावित बस स्टैंड भी इसी वार्ड में बनाया जा रहा है। नगर के लोगो को भी अस्पताल और बस स्टैंड बालाघाट मार्ग से घूमकर लंबा सफर तय करके जाना पड़ता है। जहां आवागमन का दबाब भी रहता है। अस्पताल तक पहुंचने की जल्दबाजी में सड़क हादसों का यहां अंदेशा बना रहता है। यदि इस मार्ग का निर्माण करा दिया जाता है तो न केवल यहां के रहवासियों को लाभ होगा बल्कि नगर के अस्पताल और भविष्य के बस स्टैंड का एक वैकल्पिक छोटा कम दूरी का मार्ग भी उपलब्ध हो जाएगा। जिससे न केवल समय की बचत होगी अपितु वार्ड 14 के सीताराम टोला और कनोजिया टोला के रहवासियों को सुविधा जनक कम दूरी में मुख्य मार्ग और नगर से जुड़ने का लाभ भी मिल जाएगा।

शुद्ध पेयजल हेतु पीएचई टीम गठित

मण्डला(स्वतंत्रमत)

इंदौर जैसे शहर में प्रदूषित जल के कारण बीमारी को देखते हुए जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और संक्रमण को रोकने के लिए विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन और डिसइंफेक्शन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी द्वारा जिले के सभी उपखंडों के लिए सहायक यंत्रियों के नेतृत्व में इसके लिए टीमों का गठन किया गया है। गठित टीमों में सहायक यंत्रियों के साथ संबंधित क्षेत्र के उपयंत्री और केमिस्ट को भी शामिल किया गया है सभी गठित टीमों द्वारा खण्ड क्षेत्र के मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही के लिए कार्य किया जायेगा। प्रतिदिन जल प्रदाय से पूर्व पानी में आवश्यक ब्लीचिंग पाउडर, सोडियम हाइपोक्लोराईड केमिकल आदि के माध्यम से जल शोधन सुनिश्चित होने की मॉनिटरिंग की जायेगी। पेयजल से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए मंडला उपखंड के लिए विनेश उइके सहायक यंत्री मो.नं. 8357807971, मोहगांव कु. सोनल मरावी उपयंत्री मो.नं. 9111520110, मवई श्रीमती चित्रलेखा टेम्भरे उपयंत्री मो.नं. 9340039221, घुघरी कु. सुमित्रा उइके उपयंत्री मो.नं. 7509530137, नैनपुर के लिए राजकुमार उइके सहायक यंत्री मो.नं. 7049958662, बिछिया उपयंत्री श्रीमती रेशमा धुर्वे मो.नं. 9074783762, नारायणगंज व बीजाडांडी के लिए उपयंत्री मुकेश दोहरे मो.नं. 7879819947 तथा निवास के लिए कु.गरिमा मरकाम सहायक यंत्री मो.नं. 9201202701 पर संपर्क कर सकते हैं।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला

क्रमांक/न.प./लो.नि.वि./2026/ बम्हनी बंजर दिनांक.....

जेम बिड सूचना

एतद द्वारा नगर परिषद बम्हनी बंजर में स्वच्छता विभाग अंतर्गत सूखे कचरे के उचित / मशीनरीकृत प्रबंधन के लिये शेडर मशीन क्रय किये जाने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन बिड भारत सरकार के पोर्टल https://gem.gov.in/ के माध्यम से क्रय की जा सकती है।

क्र.	विवरण एवं बिड नम्बर	ऑनलाईन बिड की प्रारंभिक तारीख	ऑनलाईन बिड की अंतिम तारीख
1.	Municipal solid waste twin shaft shredder Bid.No.Gem/2026/B/7079750 date-06/01/2026	06.01.2026	23.01.2026

जेम बिड की शर्तें-
1. निर्धारित सुरक्षा निधि काटी जावेगी, जो 12 माह पश्चात वापिस की जावेगी।
2. अनुबंध किया जाना आवश्यक होगा। 3. अमानत राशि 2 प्रतिशत देय होगी।
4. उक्त सामग्री का भुगतान शासन से प्राप्त अनुदान होने पर ही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला

क्रमांक/न.प./लो.नि.वि./2026/ बम्हनी बंजर दिनांक.....

जेम बिड सूचना

एतद द्वारा नगर परिषद बम्हनी बंजर में स्वच्छता विभाग अंतर्गत गीले कचरे के उचित / मशीनरीकृत प्रबंधन के लिये कम्पोस्ट मशीन क्रय किये जाने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन बिड भारत सरकार के पोर्टल https://gem.gov.in/ के माध्यम से क्रय की जा सकती है।

क्र.	विवरण एवं बिड नम्बर	ऑनलाईन बिड की प्रारंभिक तारीख	ऑनलाईन बिड की अंतिम तारीख
1.	Automatic fully mechanized organic waste machine Bid.No.Gem/2026/B/7079045 date-06/01/2026	06.01.2026	23.01.2026

जेम बिड की शर्तें-
1. निर्धारित सुरक्षा निधि काटी जावेगी, जो 12 माह पश्चात वापिस की जावेगी।
2. अनुबंध किया जाना आवश्यक होगा। 3. अमानत राशि 2 प्रतिशत देय होगी।
4. उक्त सामग्री का भुगतान शासन से प्राप्त अनुदान होने पर ही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

संपादकीय

भारत बदल रहा है

1990 के दशक में जापान विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। उस समय यदि कोई कहता कि भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ सकती है, तो कोई भी उद्योगपति या अर्थशास्त्री इसे स्वीकार नहीं करता, क्योंकि तब भारत बहुत पीछे था। भारत ने अर्थव्यवस्था को खोलने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत ही की थी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। आज भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी 1 अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1.47 अरब को पार कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 31 मार्च 2026 तक वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन तो इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं। यकीनन भारत बदल रहा है और आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। जर्मनी 4.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। यकीनन भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। ऐसी अनुकूल स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष नौकरशाहों को यह सलाह क्यों दी है कि 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के रास्ते में किसी भी नियम, कानून और प्रक्रिया को रोड़ा बनने के पक्षधर नहीं हैं। साफ है कि प्रधानमंत्री सुधारों को गति देना चाहते हैं। फालतू के नियम, कानून, प्रतिबंध और प्रक्रियाओं को समाप्त करना चाहते हैं, ताकि जिंदगी और व्यापार करना आसान हो सके। इसी बिंदु पर भारत जापान से बहुत अलग है। 2004 को याद करें, जब एक अनुबंध या ठेका प्राप्त करने में औसतन 425 दिन लगते थे। करीब 40 प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। दिवालियापन के समाधान की प्रक्रिया आराम से 10 साल तक चलती थी। नीति आयोग ने 2017 की अपनी रपट में स्वीकार किया था कि भारत में एक दुकान स्थापित करने में औसतन 118 दिन लगते थे। असम में यह अवधि 248 दिन तक फैल जाती थी। बेशक आज स्थितियां तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं। लेकिन प्रक्रयाएं आज भी व्यापार, उद्योग के पहिये को अवरुद्ध कर रही हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित करने की बात कहनी पड़ी है। यदि भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनना चाहता है, तो ऐसी स्थितियां बनानी पड़ेंगी, जिनमें कायदे-कानून और फालतू की प्रक्रियाएं 'शासन' न करती हों, बल्कि नियमन को सहज-सुगम बनाती हों। बेशक उससे भारत की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। अब भारत ऐसा देश है, जिसमें 2025 में 1.95 लाख करोड़ रुपए के आईपीओ आए और डीमैट खातों की संख्या 21 करोड़ के पार चली गई। अभी तक 1350 स्टार्टअप में 25,320 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। आज भारत 159 प्रकार के गोला-बारूद, गोलियां, रॉकेट आदि का उत्पादन देश में ही कर रहा है। रक्षा-क्षेत्र करीब 91 फीसदी आत्मनिर्भर हो चुका है। आज भारत महाशक्ति के जिस अवतार में है, उसमें बहुआयामी गरीबी, बेरोजगारी, किसानी, श्रम, पानी आदि को लेकर जो संकटग्रस्त स्थितियां हैं, वे बहुत बड़ा सवालिया निशान भी हैं। कमोबेश 2026 में उन पर प्राथमिकता के स्तर पर विचार किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे। फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के

दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है।

वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब नौ हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्रसंघ को ट्रंप के अमेरिका ने एक बार फिर अंगूठा दिखाया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके महासचिव की एक मात्र भूमिका बयान देने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की रस्म तक सिमटी नजर आ रही है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने लोकतंत्र की वह दुहाई देता रहता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक बार परमाणु अस्त्रों की प्रासंगिकता को भी साबित किया है। सवाल यह है कि यदि वेनेजुएला भी छोटा ही सही,परमाणु ताकत होता तो क्या अमेरिकी सेना वहां ऐसी कार्रवाई कर पाती? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। परमाणु निरस्त्रीकरण के समर्थकों को इस विषय में सोचना होगा। अमेरिकी कार्रवाई से स्पष्ट है कि आज परमाणु हथियार संबंधित राष्ट्र की शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। यूक्रेन इसका उदाहरण है। अगर उसके पास भी परमाणु ताकत होती तो रूस शायद ही उसके खिलाफ कार्रवाई करने की हिमाकत दिखा पाता?

अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनिया का एक वर्ग मानने लगा है कि ट्रंप के अगले निशाने पर उत्तरी कोरिया के तानाशाह किम जोंग हैं। लेकिन यह सोचने वालों को नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियार से संपन्न है। उस पर हाथ डालने से अमेरिकी हाथ जलने का अंदेशा ज्यादा है। वैसे भी अमेरिका ने जहां भी कार्रवाई की है, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर जगहों पर उसे देर से ही सही, मुंह की खानी पड़ी है। अफगानिस्तान, वियतनाम आदि इसके उदाहरण हैं।

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत में सर्वाधिक चावल!

भारत ने आजादी के बाद से कृषि क्षेत्र में जो प्रगति व विकास किया है उसके पीछे देश के किसानों की अटूट मेहनत के साथ ही पिछले 75 वर्षों के दौरान सत्तारूढ़ सरकारों की दूरदृष्टि भी रही है। यह दुष्कर कार्य इन दोनों के आपसी सहयोग व तालमेल के बिना होना संभव नहीं था क्योंकि जब देश आजाद हुआ था तो भारत में अनाज की भारी कमी थी और इसे अपनी जनता की आवश्यकता की आपूर्ति के लिए विदेशों से अनाज आयात करना पड़ता था। यह हालत तब थी जबकि 1947 में भारत की 90 प्रतिशत के लगभग जनता कृषि क्षेत्र में लगी हुई थी। आजादी के समय देश में उद्योग-धंधों के नाम पर टाटा, बिड़ला और डालमिया समूह की कुछ उत्पादन कम्पनियां थीं। मगर इसके बाद प. जवाहर लाल नेहरू की प्रथम सरकार से लेकर अब तक बनी सरकारों ने खेती की तरफ विशेष ध्यान दिया जिसका परिणाम यह है कि भारत आज अनाज निर्यात करने वाला देश है ।

असल में यह सपना देश के अभी तक के हुए सबसे बड़े किसान नेता चौधरी चरण सिंह का था कि भारत में किसानों के खेतों में उत्पादन बढ़ाकर उनकी आमदनी में वृद्धि की जाये और उनके ब्च्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करके जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाया जाये। अत: हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि 75 वर्षों के सतत प्रयासों के कारण भारत आज चावल उत्पादन में दुनिया का नम्बर एक देश बन गया है और इसने इस क्षेत्र में चीन को पछाड़ दिया है। वर्ष 2024-25 के दौरान भारत ने कुल 1500 लाख टन से भी अधिक का चावल उत्पादन किया जबकि चीन में यह उत्पादन 1452 लाख टन से कुछ ऊपर रहा। केवल चावल के क्षेत्र में ही भारत ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की है बल्कि दुग्ध व डेयरी उत्पादों में भी यह विश्व का नम्बर एक देश बन गया है।

बीते वर्ष में इसने 2480 लाख टन दुग्ध उत्पादों का उत्पादन किया । इससे यही अन्दाजा लगाया जा सकता है कि खेती के क्षेत्र में लगातार प्रगति करने की प्रेरणा भारत की विभिन्न सरकारें देती रही हैं। यह क्रम 1991 में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण के बाद 1996 तक कुछ जरूर ठंडा पड़ा था परन्तु उसके बाद की सरकारों ने पुन: कृषि क्षेत्र को पटरी पर लाने के प्रयास किये। वर्ष 1991 से लेकर 1996 तक कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश बहुत घट गया था क्योंकि तब की सत्तारूढ़ नरसिम्हा राव सरकार का पूरा ध्यान औद्योगिकरण पर ही केन्द्रित था और वह निजी क्षेत्र को बढ़ावा दे रही थी। इस दौरान ग्रामीण व कृषि क्षेत्र में पूंजी सृजन में भी गुणात्मक कमी दर्ज की गई थी। परन्तु इसके बावजूद इस दौरान भी कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ता रहा था। कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता लाने के लिए भारत ने अथक प्रयास शुरू से ही किये हैं और किसानों का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से ही राष्ट्रीय बीज निगम की स्थापना तक की गई थी।

निगम स्थापित करने का एकमात्र लक्ष्य यही था कि किसान आधुनिक वैज्ञानिक खोजों का अधिकाधिक प्रयोग अपने खेतों में करके उपज बढ़ायें जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हो। इसके लिए न्यूनतम खरीद प्रणाली भी शुरू की गई। ये सारे कार्य सरकारी हस्तक्षेपों से ही संभव हुए । इसके लिए भारत की पिछली सरकारों ने भी जी तोड़ मेहनत की है और यह कार्य वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान भी बदस्तूर जारी है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के काम को वरीयता किस प्रकार दी जा रही है उस क्रम में हमें इस बात का संज्ञान लेना होगा कि केन्द्रीय कृषि मन्त्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विगत दिन ही राष्ट्रीय बीज निगम के एक समारोह में 25 फसलों के 184 किस्म के बीजों को किसानों के लिए उपलब्ध कराया जिससे उनकी उपज विविध क्षेत्रों में बढ़ सके इनमें 122 बीज विभिन्न अनाजों के हैं और 24 कपास के हैं व 13 तिलहन के हैं तथा छह बीज दलहन के व छह बीज गन्ने के हैं।

इनके उगाने पर उपज में वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी में भी इजाफा होगा। दरअसल भारत ने कृषि क्षेत्र में आज विश्व में जो अपना स्थान बनाया है उसके पीछे विभिन्न प्रधानमन्त्रियों की अटूट लगन भी रही है। दुग्ध के क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने को लेकर भी स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री बहुत उत्सुक रहते थे जबकि अन्न उत्पादन के क्षेत्र में तो उन्होंने भारत में कृषि क्रांति की शुरूआत ही की थी। अपने 18 महीने के 1964-65 के छोटे से कार्यकाल के दौरान स्व. शास्त्री ने सर्वाधिक कार्य कृषि क्षेत्र में ही किया। 1965 में पाकिस्तान से युद्ध के दौरान जब अमेरिका से पी एल-480 के तहत भारत को मिलने वाली अनाज मदद बन्द हो गई तो उन्होंने इसे भारत के आत्म सम्मान का विषय बना लिया।

परन्तु इसके साथ ही उन्होंने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किये। 1965 में ही स्व. शास्त्री ने गुजरात के खेड़ा जिले से इसकी शुरूआत की और क्षेत्र के किसानों के साथ रात दो बजे तक बैठक करके निष्कर्ष निकाला कि कृषि वैज्ञानिक स्व. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में यह कार्य हो सकता है और उन्होंने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की स्थापना की। इसके बाद से गुजरात से शुरू हुई दुग्ध क्रान्ति का आज असर यह है कि भारत इसके उत्पादन में दुनिया का सर्वोच्च देश बन गया है। मगर मोदी काल में ही एक प्रयोग महाराष्ट्र के बीड जिले में किसानों की आय बढ़ाने के क्षेत्र में भी हुआ है। इस क्षेत्र में 2015-16 में सूखा पड़ा था और किसानों की सोयाबीन व कपास की फसल बर्बाद हो गई थी। उसके बाद से एक गैर सरकारी संगठन कृषिकुल के छाते तले किसानों ने अपनी खेती का विविधीकरण किया और पारंपरिक फसलें छोड़कर फलों के उत्पादन का काम शुरू किया जिससे पिछले दस वर्षों के दौरान उनकी आय में इतने ही गुणा वृद्धि दर्ज हो चुकी है। अत: कृषि क्षेत्र में विकास भारत में इसीलिए सफल रहा क्योंकि इसमें सरकारों व किसानों की बराबर की भूमिका रही।

जनहित के नाम पर रखी गई कुर्सी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

पाँच मिनट वर्षों में बदल जाते। कुर्सी उनके शरीर की तरह थी-अगर अलग कर दी जाए तो पहचान खत्म हो जाए। लोग उन्हें आदमी नहीं, पद के नाम से जानते थे। एक दिन सरकार ने आदेश निकाला-अब कुर्सियाँ बदली जाएँगी। बृजमोहन लाल परेशान हो गए। उन्होंने जनहित का हवाला दिया। बोले- अचानक बदलाव से व्यवस्था चरमरा जाएगी।

व्यंग्य

बृजमोहन लाल की कुर्सी बहुत पुरानी थी। इतनी पुरानी कि उस पर बैठते ही आदमी इतिहास में चला जाता था। कुर्सी जानती थी कि उस पर कौन क्यों बैठा है। बृजमोहन लाल कहते थे-मैं जनहित में बैठा हूँ।

जनहित को कभी बैठने का मौका नहीं मिला।

वे जब भी उठते, कुर्सी को देखकर कहते-बस पाँच मिनट।

पाँच मिनट वर्षों में बदल जाते। कुर्सी उनके शरीर की तरह थी-अगर अलग कर दी जाए तो पहचान खत्म हो जाए। लोग उन्हें आदमी नहीं, पद के नाम से जानते थे।

एक दिन सरकार ने आदेश निकाला-

अब कुर्सियाँ बदली जाएँगी।

बृजमोहन लाल परेशान हो गए। उन्होंने जनहित का हवाला दिया। बोले-

अचानक बदलाव से व्यवस्था चरमरा जाएगी।

व्यवस्था ने सिर हिलाया-वह पहले से चरमराई हुई थी।

बृजमोहन लाल ने तुरंत एक जनहित याचिका दायर की-

जनहित बनाम कुर्सी परिवर्तन

अदालत गंभीर हो गई। मामला बड़ा था। कुर्सी बीच में थी।

सुनवाई के दौरान बृजमोहन लाल बोले-

मैं इस कुर्सी पर नहीं, इस कुर्सी के लिए बैठा हूँ।

कुर्सी भावुक हो गई।

जनता भ्रमित।

मीडिया ने हेडलाइन चलाई-

ईमानदार अफ़सर का संघर्ष

संघर्ष किससे था, यह स्पष्ट नहीं किया गया।

कुछ महीने बीत गए। आदेश ठंडे बस्ते में चला गया।

बृजमोहन लाल की कुर्सी और चमकने लगी। अब उस पर गद्दी लग गई थी-जनहित की।

एक दिन अचानक बृजमोहन लाल रिटायर हो गए।

कुर्सी खाली रह गई-पहली बार।

कमरे में सन्नाटा था।

नया आदमी आया।

वह भी कुर्सी पर बैठा।

कुर्सी मुस्कुराई।

क्योंकि जनहित कभी कुर्सी पर नहीं बैठता-

वह सिर्फ़ बैठाया जाता है।

अमेरिका के इशारे पर न थिरकने वाले देश कीमत चुकाने के लिए तैयार रहें!

कमलेश पांडे

अंतर्राष्ट्रीय जगत में आर्थिक और तकनीकी दृष्टिकोण से संपन्न अमेरिका अपनी डीप स्टेट खलनीति के बल पर दुनिया का दादा बन चुका है। चूंकि जी-7 के देश उसके मजबूत हाथ हैं, इसलिए ब्रिक्स देशों की औकात उससे खुलेआम उलझने की आजतक नहीं बन पाई है। आखिर पहले भारत के पास-पड़ोस में, फिर ईरान में और अब बेनेजुएला के दास्तान जो चुगली कर रही हैं, उसके वैश्विक मायने तो यही हैं। अब अगला नम्बर शायद कम्बोडिया का आएगा, जिसे ट्रंफ ने ताजा धमकी दी है।

देखा जाए तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के स्वप्नद्रष्टा डॉनल्ड ट्रंफ उनकी मुद्रा को चुनौती दिलवाने वाले, यदा कदा उनको आंखें दिखाने वाले रूस-चीन के मजबूत समर्थकों के एक एक कर रीढ़ तोड़ने और इसी झांसे में जांबाज भारत को धमकाकर अपने खेमे में मिलाने के लिए सधी चालें चलना शुरू कर चुके हैं। डीप स्टेट से जुड़े लोगों की मानें तो आगे अमेरिका अभी बहुत कुछ करने वाला है। इस बात का संकेत कभी न्यूयॉर्क के महापौर ममदानी और भारतीय-अमेरिकी आशा जडेजा के इशारों से चलता है। ममदानी जहां खुलेआम स्वजातीय भारतीय देशद्रोहियों के पक्ष में खत लिख रहे हैं, वहीं आशा जडेजा ने तो खुलेआम भारत को रूसी सम्बन्धों पर नसीहत दी है।

मतलब साफ है कि दुनिया भर में ब्रिक्स और रिक (रूस-भारत-चीन) देशों का हौव्वा खड़ा करके रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कभी अलग अलग और कभी संयुक्त मंच पर अमेरिका विरोधी शेखी बघारते आये हैं, उनके ग्लोबल साउथ के सपनों पर बम्बार्डिंग शुरू हो चुकी है। यदि डीप स्टेट के समक्ष ट्रंफ ने घुटने टेके हैं तो अब उन्हें रणनीतिक बुलंदी भी मिल रही है। रूस को यूक्रेन में, भारत को पाकिस्तान-बंगलादेश से और चीन को दक्षिण चीन सागर में उलझाए रखने की जो खतरनाक अमेरिकी साजिश है, उसकी काट अभी किसी के पास नहीं है।

अभी तक एशिया, दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में अमेरिका को कमजोर करने की जो चालें चीन व भारत की तरफ से अलग अलग चली जा रही थीं, इनकी हवा निकालने के लिए ही अमेरिका ने अपना आक्रामक तेवर दिखा दिया है, जिसे रोकना अब किसी के बूते की बात नहीं। सच कहूं तो अमेरिका ने 19वीं शताब्दी से ही अपना विरोधी रहे कई देशों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता परिवर्तन करवाए हैं, जिनमें मुख्य रूप से लैटिन अमेरिका, एशिया और मध्य-पूर्व के देश शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि वाकई ये हस्तक्षेप अक्सर डीप स्टेट के इशारे पर सीआईए के माध्यम से गुप्त अभियानों, सैन्य आक्रमणों या समर्थन के जरिए हुए। इस बात को स्पष्ट करने वाले कुछ प्रमुख ऐतिहासिक उदाहरण निम्नलिखित हैं, जो अमेरिका के विरोधी देशों को अपने हद में रहने की खुली नसीहत देते हैं। चाहे अमेरिका का पुराना प्रतियोगी सोवियत संघ हो या फिर उसके अवशेष पर खड़ा रूस और उसका नया वैश्विक पार्टनर चीन, अमेरिका के नापाक इरादों में कभी मजबूत बाधक नहीं बन पाए।

मसलन, कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इनकी अंतर्राष्ट्रीय विवशता जगजाहिर हो चुकी है। यह स्थिति जहां एकध्रुवीय विश्व की अमेरिका परिकल्पना और उसकी दादागिरी को परिपुष्ट करती है। वहीं, बहुध्रुवीय विश्व के पैरोकारों रूस, चीन और भारत आदि की नीतिगत बेचारगी की बखिया

उधेड़ देती है। आइए अमेरिकी षड्यंत्र की साल दर साल मिली सफलता पर एक नजर डालते हैं। पहला, 1953 में ईरान में मोहम्मद मोसद्देघ की सरकार को अमेरिका के इशारे उखाड़ फेंका गया, और शाह को सत्ता में लाया।

दूसरा, 1954 में ग्वाटेमाला में राष्ट्रपति जैकोबो आरबेंज को हटाया गया और कार्लोस कास्टिलो आर्मास को सत्ता दी गई। तीसरा, 1963 में दक्षिण वियतनाम में राष्ट्रपति न्गो दिन्ह दीम की हत्या में सहायता दी। चतुर्थ, 1973 में चिली में सल्वाडोर एलेन्डे को उखाड़ा, और ऑगस्टो पिनोशे को सत्ता सौंपी। पांचवां, 1983 में ग्रेनाडा में सैन्य आक्रमण से सरकार बदली। छठा, 1989 में पनामा में मैनुअल नोरिएगा को हटाया। सातवां, 2003 में इराक में सद्दाम हुसैन शासन को समाप्त कर उन्हें फांसी पर लटकवाया। आठवां, 2011में लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के पतन में सहयोग दिया। नवाँ, 2026 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंदी बनाया और कम्बोडिया के राष्ट्रपति को धमकाया। दरअसल, ये सूची प्रमुख मामलों तक सीमित है; जबकि कुल 80 से अधिक ज्ञात अमेरिकी हस्तक्षेप हुए हैं।

हैरत की बात है कि अमेरिका के विरोधी देशों ने उसके सत्ता परिवर्तनों पर अक्सर खामोशी साधी या सीमित विरोध किया, क्योंकि सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक शक्तियों का असंतुलन उन्हें प्रत्यक्ष टकराव से रोकता था। सोवियत संघ जैसे प्रतिद्वंद्वी भी कई मामलों में अपनी सीमाओं के कारण सक्रिय हस्तक्षेप से परहेज करते रहे। वह सिर्फ भारत के मामले में ही कामयाब हो पाया, जहां अमेरिका को पीछे हटना पड़ा। इसके प्रमुख कारण इस प्रकार हैं-

पहला, सैन्य श्रेष्ठता- अमेरिका की परमाणु क्षमता और विशाल सेना ने विरोधियों को जोखिम लेने से रोका, जैसे चिली (1973) में सोवियत संघ ने केवल निंदा की। दूसरा, आर्थिक निर्भरता- कई देश अमेरिकी सहायता या व्यापार पर निर्भर थे, जिससे खुला विरोध अव्यवहारिक था। तीसरा, क्षेत्रीय प्रभाव- लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में अमेरिका का प्रभुत्व (मुनरो सिद्धांत) विरोध को अप्रभावी बनाता था। इसलिए सामरिक प्रतिक्रियाएं नगण्य रहीं। चतुर्थ, प्रतिसाद- विरोधी देशों ने खुद गुप्त सहायता दी, जैसे क्यूबा ने अंगोला में हस्तक्षेप किया। पांचवां, कूटनीति- संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव लाए गए लेकिन वीटो के कारण विफल रहे। छठा, आंतरिक प्राथमिकताएं- चीन-रूस जैसे देशों की अपनी घरेलू चुनौतियां सक्रिय विरोध को सीमित करती रहीं।

हैरत की बात तो यह है कि अब रूस और चीन की तरह ही गुटनिरपेक्ष देश भारत को भी अमेरिकी नसीहत मिल रही है, जो गम्भीर बात है। गत दिनों जब वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले ने दुनिया का ध्यान खींचा है तो इस घटनाक्रम पर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दुनियाभर से सामने आ रहे हैं। इसी बीच भारतीय-अमेरिकी वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जडेजा मोटवानी ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत पर तंज कसा है।

आशा ने कहा है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने रूस से बहुत सारे हथियार खरीद रखे थे। हालांकि जब अमेरिका ने हमला किया तो ये हथियार काम नहीं आए। अमेरिकी सैनिक मादुरो तक पहुंचे और उनको बंधक बनाकर अमेरिका ले आए। ऐसे में भारत को भी इससे सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि भारत के पास भी ज्यादातर रूस के ही हथियार हैं।

आशा मोटवानी ने एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में लिखा, वेनेजुएला के रूसी मिलिट्री इक्विपमेंट अमेरिकी मिलिट्री के सामने कुछ सेकंड में टूट गए। उम्मीद है भारत देख रहा होगा। हमारे लिए यह जानना समझदारी होगी कि हमारी रोटी का कौन सा हिस्सा मक्खन लगा हुआ है, कौन हमारे ताकतवर दोस्त हैं और कौन नहीं। अपनी पोस्ट में आशा ने भारतीय अमेरिकियों और भारतीय रूसियों की संख्या के अंतर को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हुए एक गलत आंकड़ा दिया- भारतीय अमेरिकी- 5,000,000। भारतीय रूसी-5।

दरअसल, भारतीय मूल की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जडेजा हालिया समय में अमेरिका में चर्चा में आती रही हैं। हाल ही में उन्होंने दावा किया था कि उनकी वजह से डोनाल्ड ट्रंप ने ॥1-क्कपर अपना रुख बदला था। सिलिकॉन वैली की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा डानाल्ड ट्रंप को सबसे ज्यादा दान देने वाले लोगों में शुमार हैं। आशा जडेजा मोटवानी ने 200 से ज?यादा टेक स्टार्टअप्स में निवेश किया है। उनके प्रमुख निवेशों में गूगल, पिंटरेस्ट, यूलू, क्रेडलवाइज, एडहैक टेक?नोलॉजीज, क्लिमैक?टिक और नेशनल एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक नर्स प्रैक?टीशनर्स शामिल हैं। आशा के पति राजीव मोटवानी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर रहे हैं। 2001 में उन्हें गोडेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कलमा, सीने पर ग्रेनेड, अल्लाह के नाम पर जैश ने बच्चों को बारूद बना दिया!

नई दिल्ली

जैश की आतंकी साजिश का नया वीडियो सामने आया। बच्चों को आतंकी बनाने का यह वीडियो आया है। खबर तो यह भी है कि कट्टरपंथी का जो कोर्स है वो पूरा होने के बाद इनाम भी दिया जाएगा। यह कहा जा रहा था जैश के आतंकियों ने बच्चों को इनाम बांटे हैं। इस्लामिक आतंकवाद की ट्रेनिंग दी गई है बच्चों को और सिर्फ ट्रेनिंग नहीं दी गई। बल्कि उनको यह भी कहा गया कि आपका कोर्स पूरा हो जाएगा तो आपको इसके बदले इनाम दिया जाएगा। सोचिए छोटे-छोटे मासूम बच्चों को कैसे आतंकी दिल में शौक शहादत लेके कलमा पढ़ के और अल्लाह से मोहब्बत का दावा करके कहता है अल्लाह मैं आ रहा हूं जन्नत को सजा ले।

जैश और तहरीक ए तालिबान दोनों संगठन एक ही कट्टरपंथी सोच को मानते हैं और उनके तार पाकिस्तानी सरकार से जुड़े हैं। फर्क सिर्फ टारगेट चुनने का है। एक को

भारत पर छोड़ा जाता है।

दूसरा पाकिस्तान में ही खून बहाता है। कौन भूल सकता है जब टीटीपी के आतंकियों ने एक सैनिक स्कूल में घुसकर करीब 150 मासूम बच्चों को छलनी कर दिया था। लेकिन पाकिस्तान में ऐसा होना आम बात है। वहां ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई जाती है। समाज के समर्थन से आतंकी संगठन, मासूम बच्चों को आतंकवादी बनने का कोर्स करवाते हैं, उन्हें ब्रेनवॉश करते हैं और फिर देश और दुनिया में सौ-दो सौ को लेकर फट जाने के लिए उन्हें छोड़ देते हैं।

जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैंप का है। जहां एक लाइन में एक मुख्य आतंकी खड़ा है और उसके साथ 15-20 साल के दर्जनों बच्चे खड़े हैं। बैकग्राउंड में लाउडस्पीकर पर ऐलान हो रहा है कि जब मुजाहिद तलवार लेके, हाथ में बंदूक उठाके, सीने पर मैगजीन सजा के, ग्रेनेड लगाके, दिल में शौक-ए-शहादत लेके, कलमा पढ़ के, और अल्लाह के मोहब्बत का दावा करके जब कहता है, अल्लाह मैं आ रहा हूं, तुम्हारे जन्नत को सजाने। उस वक्त जमीन भी कांपती है, आसमान भी झूम उठता है। कैसे सिखाया जा रहा है ब्रेन वाश बकायदा उनका किया जा रहा है और उसके बाद उन्हें इनाम दिया जाएगा यह भी घोषणा की गई छोटे-छोटे आठ मासूम बच्चों की तस्वीरें आप देखिए और इसमें बच्चों उनके दिमागों में कैसे जहर घोला जा रहा है। कैसी तकरीरें उसके उनके अंदर डाली जा रही

करोड़ों की घूस, 60 से ज्यादा बैठकें... ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए ट्रंप के सामने गिड़गिड़ाया था पाक

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी दस्तावेजों में एक और बड़ा खुलासा हुआ है, जिसके साथ ही पाकिस्तान का असली चेहरा फिर से दुनिया के सामने आ गया है। अमेरिकी सरकार के दस्तावेजों की मानें को जम्मू कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद से लेकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले और 4 दिन के भारत-पाक तनाव के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिका पर दबाव बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पाकिस्तान के राजनियकों समेत रक्षा अधिकारियों में अमेरिका में 50 से ज्यादा बैठकों की मांग की थी। ये बैठकें अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों, सांसदों और प्रभावशाली मीडिया संस्थानों के साथ प्रस्तावित थीं।

अमेरिकी विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम के रिकॉर्ड दर्शाते हैं कि अमेरिका में नियुक्त पाकिस्तानी उच्चायुक्त ने 60 से ज्यादा बैठकों के लिए ईमेल, फोन कॉल और मीटिंग की थीं। इन बैठकों का मकसद अमेरिका पर भारत के खिलाफ दबाव बनाना था। ऑपरेशन सिंदूर की मार झेल रहा पाकिस्तान, भारतीय कार्रवाई को रोकने के लिए अमेरिका के सामने गिड़गिड़ा रहा था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिकी सांसदों के अलावा पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय), राज्य विभागों समेत कई बड़े पत्रकारों से संपर्क करने की कोशिश की थी। इस दौरान कश्मीर मुद्दे से लेकर क्षेत्रीय सुरक्षा, सीमा पर द्विपक्षीय संबंधों और रेयर अर्थ मिनरल्स पर बात हुई थी। अमेरिका को अपने पक्ष में करने के लिए पाकिस्तान ने करोड़ों का दांव लगाया था। नवंबर 2025 में छपी न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने वाशिंगटन की लॉबिंग फर्म को लगभग 5 मिलियन डॉलर (45 करोड़ रुपये) दिया था, जिसका फायदा ट्रंप प्रशासन को भी हुआ था।

ट्रंप को खुश करने में नहीं छोड़ी कसर

रिपोर्ट के अनसार, पाकिस्तान ने जेवलिन एडवाइजर्स के माध्यम से काम कर रही सेडेन लॉ एलएलपी के साथ डील की थी। इसके कुछ हफ्तों बाद ही ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर का स्वागत किया था। ट्रंप को खुश करने के लिए पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार देने की अपील की। साथ ही पाकिस्तान ने ट्रंप को बिजनेस और व्यापार से जुड़े ढेरों लालच दिए थे।

वेनेजुएला में सैन्य तैनाती संबंधी जानकारी को लेकर सांसदों में संशय

वाशिंगटन, (वार्ता)

वेनेजुएला में अमेरिकी सेना की योजनाओं पर एक गोपनीय जानकारी मिलने के बाद, प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य और डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि उन्हें अभी भी इस बात की पूरी तरह से स्पष्टता नहीं है कि अमेरिकी सैनिकों को वहां तैनात किया जाएगा या नहीं।यह जानकारी दोनों दलों के आठ वरिष्ठ सांसदों को दी गयी थी, जिनमें खुफिया, विदेश मामलों और सशस्त्र सेवा समितियों के प्रमुख शामिल हैं। वेनेजुएला में हालात को लेकर सांसदों ने संशय जताया।

सीएनएन के अनुसार ब्रीफिंग के बाद मीक्स ने कहा, कोई स्पष्टता नहीं है। उनके पास सेना तैनात करने का विकल्प है। वह किसी भी विकल्प को खारिज नहीं करने वाले हैं।

अन्य देशों में इसी तरह की सैन्य कार्रवाई की संभावना पर मीक्स ने कहा, स्पष्ट रूप से, डोनाल्ड ट्रम्प कांग्रेस से बचने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। वह हमें सरकार की एक अलग लेकिन समान शाखा के रूप में नहीं देखते। अन्य देशों में इसी तरह की सैन्य कार्रवाई की संभावना पर मीक्स ने कहा, स्पष्ट रूप से, डोनाल्ड ट्रम्प कांग्रेस से बचने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। वह हमें सरकार की एक अलग लेकिन समान शाखा के रूप में नहीं देखते। दुर्भाग्य से, कांग्रेस का नेतृत्व भी खुद को समान नहीं मानता। मीक्स ने वेनेजुएला में अमेरिकी अभियानों की संभावित लागतों को लेकर अपने रिपब्लिकन सहयोगियों की चिंताओं को भी उजागर किया। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि कुछ लोग अमेरिकी जनता को लेकर चिंतित हैं। इसकी कीमत क्या होगी? अमेरिका को इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी? हमले के समय के बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह समय संदिग्ध है।

उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज़ फिलहाल अपने पद पर बनी हुई हैं, हालांकि सांसदों ने कहा कि दीर्घकालिक लक्ष्य चुनाव कराना है। रोड्रिगेज़ मादुरो की करीबी सहयोगी और वेनेजुएला के समाजवादी आंदोलन की एक प्रमुख हस्ती हैं। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन (रिपब्लिकन-लुइसियाना) ने वेनेजुएला की स्थिति को 'अभी भी विकसित हो रही' बताया और इस बात पर ज़ोर दिया कि सवालों की संख्या जवाबों से कहीं ज़्यादा है। जॉनसन का मानना है कि वेनेजुएला में चुनाव 'जल्द ही' कराये जा सकते हैं, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कई विवरणों खंगाले जा रहे हैं।

केजरीवाल की झूठ बोलो और भाग जाओ, की राजनीति जनता स्वीकार नहीं करेगी : सूद

नयी दिल्ली, (वार्ता)

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी राजनीति झूठ बोलो और भाग जाओ की बन चुकी है जिसे दिल्ली की जनता अब और स्वीकार नहीं करेगी। शिक्षा मंत्री ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने पहले भी संवाददाता सम्मेलन में शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी सर्कुलर पढ़कर स्पष्ट किया था कि उसमें कहीं भी शिक्षकों को कुत्तों की गिनती के लिए लगाए जाने का कोई निर्देश नहीं है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह चुनौती दी थी कि यदि सर्कुलर में ऐसा कोई उल्लेख हो तो वे शिक्षा मंत्री के नाते वह माफी माँगने को तैयार हैं अन्यथा श्री केजरीवाल को दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए माफी माँगनी चाहिए। उस दिन के बाद से आम आदमी पार्टी ने कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर बात करना बंद कर दिया, क्योंकि सच्चाई सबके सामने आ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री केजरीवाल दिल्ली में बद-अमनी फैलाकर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। ऐसे में उनके बयान को किसी गलतफहमी के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक सोची-समझी रणनीति प्रतीत होती है। दुर्भाग्यवश, यह आम आदमी पार्टी की उस निरंतर प्रवृत्ति को दर्शाता है, जिसमें पहले निराधार आरोप लगाए जाते हैं, फिर सनसनी फैलाई जाती है और बाद में जिम्मेदारी से पीछे हटा जाता है। व्यक्ति स्वयं को देश का एकमात्र राष्ट्रीय नेता बताकर विभिन्न राज्यों में वोट माँगता है, वही दिल्ली में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर झूठे आरोप लगाता है जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा मंत्री ने कहा आम आदमी पार्टी ने हाल ही में प्रदूषण के मुद्दे पर भी भ्रम फैलाने का प्रयास किया और आरोप लगाया कि सरकार चर्चा से भाग रही है, जबकि विधानसभा की कार्यसूची में यह स्पष्ट रूप से दर्ज है कि सरकार इस विषय पर चर्चा करेगी।

जी राम जी योजना बनेगी विकसित भारत की आधारशिला :योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि संसद में विकसित भारत को गति देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पारित किया गया नया अधिनियम (जी राम जी योजना) देश की अर्थव्यवस्था, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण पहल के लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से अभिनंदन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक संसाधनों पर डकैती डालकर देश को बेरोजगारी की ओर धकेला, आज उन्हें अपनी पोल खुलने का डर सता रहा है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन विकास से जुड़े सकारात्मक कदमों का समर्थन करने के बजाय भ्रष्टाचार के अपने पुराने कारनामों को छिपाने के लिए सवाल खड़े कर रहे हैं।

योगी ने कहा कि जी राम जी योजना विकसित भारत की आधारशिला बनेगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नई तकनीक को जोड़ा जा रहा है, जिससे जल संरक्षण, बाढ़ प्रबंधन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विकास संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने मनरेगा पर कांग्रेस के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन योजनाओं का ढोल पीटा जा रहा है, उनका जमीनी हकीकत से कोई लेना-देना नहीं रहा। हर जनपद से भ्रष्टाचार की शिकायतें आती थीं। किसानों को जरूरत के समय मजदूर नहीं मिलते थे और मजदूरों को काम के समय काम नहीं मिलता था।

उन्होंने बताया कि नए संशोधन के तहत योजना में कार्य दिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है। समय पर काम नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते की गारंटी भी होगी। किसानों की जरूरत को देखते हुए आवश्यक समय पर मनरेगा के कार्य स्थगित रखे जाएंगे। योगी ने कहा कि जो लोग केवल खोदने और भरने से लाभ उठाते थे, वही इस योजना का विरोध कर रहे हैं। अब कार्यों को तकनीक से जोड़ा जाएगा, डिजिटल भुगतान होगा और रियल टाइम ऐप के माध्यम से निगरानी की जाएगी। योजना के अंतर्गत ऑडिट की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में मनरेगा में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए, जिनकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना में केंद्र और राज्य की भागीदारी 60:40 की रहेगी, जिससे उत्तर प्रदेश को करीब 17 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि मिल सकेगी। जिन राज्यों में श्रमिक वर्ग की संख्या अधिक है, उन्हें अधिक कार्य उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होने कहा कि रोजगार आत्मनिर्भरता का आधार बनेगा और इससे स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा। उत्तर प्रदेश सरकार इस योजना को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू करेगी। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप इसे प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाएगा।

योगी ने कहा कि जिनकी सोच में कभी विकसित भारत नहीं रहा, वही लोग आज इसका दुष्प्रचार कर रहे हैं, लेकिन जी राम जी योजना देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो, (वार्ता)। जापान के पश्चिमी चुगोकू क्षेत्र के शिमाने प्रांत में मंगलवार को भूकंप के कई झटके महसूस किये गये। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गयी, हालांकि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। गौरतलब है कि भूकंप के केंद्र से मात्र 32 किमी दूरी पर 'शिमाने परमाणु ऊर्जा केंद्र' है। जापान के परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि संयंत्र में किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं पायी गयी है। एक प्रवक्ता ने बताया कि संयत्र का संचालन करने वाली चुगोकू इलेक्ट्रिक पावर संयंत्र की इकाई दो पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच की जा रही है। यह इकाई मार्च 2011 में फुकुशिमा आपदा के बाद बंद कर दी गयी थी और दिसंबर 2024 से दोबारा शुरू हुई है। भूकंप के इस झटके के बाद पूर्वाह्न 10:37 बजे 5.4 तीव्रता का एक अन्य भूकंप आया। पश्चिमी जापान रेलवे ने बताया कि भूकंप के बाद शिन-ओसाका और हाकाता के बीच बुलेट ट्रेन का संचालन रोक दिया गया था, लेकिन दोपहर एक बजे (स्थानीय समयानुसार) से सेवाएं फिर से शुरू कर दी गयीं। जापान दुनिया के सबसे संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है, जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इससे पहले नौ दिसंबर को, देश के उत्तर-पूर्वी तट पर 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे और अधिकारियों को 1,00,000 से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाने के लिए कहा गया था।

नशा मुक्ति केंद्र में आग लगने से छह लोगों की मौत

काहिरा, (वार्ता)। मिस्र की राजधानी काहिरा के उत्तर में कल्यूबिया प्रांत में एक नशा मुक्ति केंद्र में सोमवार को आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। सरकारी अखबार अल-योम ने बताया कि सूचना मिलने पर सुरक्षा बल और नागरिक सुरक्षा इकाई दमकल और एम्बुलेंस की मदद से बेन्हा शहर में घटनास्थल पर पहुंचे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच का आदेश दिया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

रेलवे ड्राइवर बनना चाहते थे ओमपुरी

अपने दमदार अभिनय और संवाद अदायगी से ओमपुरी ने दर्शकों को अपना दीवाना बनाया लेकिन कम लोगों को पता होगा कि वह अभिनेता नही बल्कि रेलवे ड्राइवर बनना चाहते थे। हरियाणा के अंबाला में 18 अक्टूबर 1950 को जन्में ओम पुरी का बचपन काफी कष्टों में बीता। परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें एक ढाबें में नौकरी तक करनी पड़ी थी। लेकिन कुछ दिनों बाद ढाबे के मालिक ने उन्हें चोरी का आरोप लगाकर हटा दिया। बचपन में ओमपुरी जिस मकान में रहते थे उससे पीछे एक रेलवे यार्ड था।रात के समय ओमपुरी अकसर घर से भागकर रेलवे यार्ड में जाकर किसी ट्रेन में सोने चले जाते थे। उन दिनों उन्हें ट्रेन से काफी लगाव था और वह सोंचा करते कि बड़े होने पर वह रेलवे ड्राइवर बनेंगे। कुछ समय के बाद ओमपुरी अपने ननिहाल पंजाब के पटियाला चले आये जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। 1980 में प्रदर्शित फिल्म आक्रोश ओम पुरी के सिने करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुई। गोविन्द निहलानी निर्देशित इस फिल्म में ओम पुरी ने एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया जिस पर पत्नी की हत्या का आरोप लगाया जाता है। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए ओमपुरी सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किए गए।वर्ष 1983 में प्रदर्शित फिल्म अर्धसत्य ओमपुरी के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी जाती है। फिल्म में ओमपुरी ने एक पुलिस इंस्पेकटर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अपने विद्रोही तेवर के कारण ओमपुरी दर्शकों के बीच काफी सराहे गए। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किए गए।

अस्सी के दशक के आखिरी वर्षो में ओमपुरी ने व्यावसायिक सिनेमा की ओर भी अपना रूख कर लिया। हिंदी फिल्मों के अलावा ओमपुरी ने पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय किया है। दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए नब्बे के दशक में ओमपुरी ने छोटे पर्दे की ओर भी रूख किया और ककाकाजी कहिन में अपने हास्य अभिनय से दर्शकों को दीवाना बना दिया।ओमपुरी ने अपने कॅरियर में कई हॉलीवुड फिल्मों में भी अभिनय किया है। इन फिल्मों में ईस्ट इज ईस्ट, माई सन द फैनेटिक, द पैरोल ऑफिसर, सिटी ऑफ जॉय, वोल्फ, द घोस्ट एंड द डार्कनेस और चार्ली विल्सन वार जैसी फिल्में शामिल हैं। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए 1990 में उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया गया। ओमपुरी ने अपने चार दशक लंबे सिने कॅरियर में लगभग 200 फिल्मों में अभिनय किया।अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले ओमपुरी छह जनवरी 2017 को अलविदा कह गये।

संगीतकार नहीं अभिनेता बनना चाहते थे जयदेव

अपने संगीतबद्ध गीतों के जरिये श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले संगीतकार जयदेव अभिनेता बनना चाहते थे। 03 अगस्त 1919 को लुधियाना में जन्में जयदेव का रूझान बचपन के दिनो से ही फिल्मों की ओर था।जयदेव अभिनेता के रूप मे अपनी पहचान बनाना चाहते थे।अपने सपने को पूरा करने के लिये वह 15 वर्ष की उम्र मे ही घर से भागकर फिल्म नगरी मुंबई आये जहां उन्हें बतौर बाल कलाकार वाडिया फिल्मस निर्मित आठ फिल्मों में अभिनय करने का मौका मिला। इस बीच जयदेव ने कृष्णाराव और जर्नादन राव से संगीत की शिक्षा भी ली।कुछ वर्षो के बाद जयदेव अपने पिता की बीमारी के कारण मुंबई फिल्म इंडस्ट्री को छोड़ वापस अपने घर लुधियाना आ गये।

पिता की अकस्मात मृत्यु के बाद परिवार और बहन की देखभाल की सारी जिम्मेदारी जयदेव के उपर आ गयी।अपनी बहन की शादी के बाद वर्ष 1943 में वह लखनऊ चले गये और वहां उन्होंनें उस्ताद अली अकबर खान से संगीत की शिक्षा हासिल की।बचपन से ही मजबूत इरादे वाले जयदेव अपने सपनों को साकार करने के लिये एक नये जोश के साथ फिर मुंबई पहुंचे।वर्ष 1951 में जयदेव को नवकेतन के बैनर तले निर्मित बनी फिल्म आंधिया में सहायक संगीतीकार काम करने का मौका मिला ।इसके बाद जयदेव ने महान संगीतकार एस.डी.बर्मन के सहायक के रूप में भी काम किया। वर्ष 1963 में सुनील दत्त के बैनर अजंता आर्टस निर्मित फिल्म मुझे जीने दो जयदेव के सिने करियर की एक और अहम फिल्म साबित हुआ। इस फिल्म में जयदेव ने फिल्म हम दोनो के बाद एक बार फिर से गीतकार साहिर लुधियानवी के साथ मिलकर काम किया और रात भी है कुछ भींगी भींगी ,तेरे बचपन को जवानी जीने की दुआये देती हूँ जैसे सुपरहिट गीत की रचना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। जयदेव को मिले सम्मानों पर यदि नजर डालें तो उन्हें उनके संगीतबद्ध गीतों के लिये तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।फिल्मी गीतों के अलावा जयदेव ने गैर फिल्मी गीतो को भी संगीतबद्ध किया।इनमें प्रख्यात कवि हरिवंश राय बच्चन की मधुशाला के गीत भी शामिल हैं। अपने संगीतबद्ध गीतों से श्रोताओं के दिलों में खास पहचान बनाने वाले संगीतकार जयदेव 06 जनवरी 1987 को इस दुनिया को अलविदा कह गये ।

59 वर्ष के हुये ए.आर.रहमान

भारतीय सिनेमा संगीत को अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाने वाले ए.आर.रहमान आज 59 वर्ष के हो गये। 06 जनवरी 1967 को तमिलनाडु में जन्में रहमान का रूझान बचपन के दिनों से हीं संगीत की ओर था। उनके पिता आर.के.शेखर मलयालम फिल्मों के लिये संगीत दिया करते थे। रहमान भी अपने पिता की तरह ही संगीतकार बनना चाहते थे। संगीत के प्रति रहमान के बढ़ते रूझान को देख उनके पिता ने उन्हे इस राह पर चलने के लिये प्रेरित किया और उन्हें संगीत की शिक्षा देने लगे । सिंथेसाइजर और हारमोनियम पर संगीत का रियाज करने वाले रहमान की की बोर्ड पर उंगलियां ऐसा कमाल करती तो सुनने वाले मुग्ध रह जाते कि इतना छोटा बच्चा इतनी मधुर धुन कैसे बना सकता है।उस समय रहमान की उम्र महज छह वर्ष की थी। रहमान ने कर्नाटक संगीत, शास्त्रीय संगीत और आधुनिक संगीत का मिश्रणकर श्रोताओं को एक अलग संगीत देने का प्रयास किया। अपनी इन्हीं खूबियों के कारण वह श्रोताओं में बहुत लोकप्रिय हो गए। इसके बाद रहमान निर्माता..निर्देशको की पहली पसंद बन गये और वे रहमान को अपनी फिल्म में संगीत देने के लिये पेशकश करने लगे। वर्ष 1997 में भारतीय स्वतंत्रता की 50 वीं वर्षगांठ पर उन्होंने स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के साथ मिलकर वंदे मातरम यानी मां तुझे सलाम का निर्माण किया । इसके बाद वर्ष 1999 में रहमान ने कॉरियोग्राफर शोभना, प्रभुदेवा और उनके डांसिंग समूह के साथ मिलकर माइकल जैक्सन के माइकल जैक्सन एंड फ्रैंड्स टूर के लिये म्यूनिख, जर्मनी में कार्यक्रम पेश किया। इसके बाद रहमान को म्यूजिक कान्सर्ट में भाग लेने के लिये विदेशो से भी प्रस्ताव आने लगे। उन्होंने पाश्चात्य संगीत के साथ साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत के मिश्रण को लोगों के सामने रखना शुरू कर दिया था। ए.आर रहमान को बतौर संगीतकार अब तक दस बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इन सबके साथ ही अपने उत्कृठ संगीत के लिये ए.आर .रहमान को छह बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण से भी नवाजा जा चुका है। इन सबके साथ ही विश्व संगीत में महत्वपूर्ण योगदान के लिये वर्ष 2006 में उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में सम्मानित किया गया । रहमान के सिने कैरियर में एक नया अध्याय उस समय जुड गया जब ए आर रहमान ने फिल्म स्लमडाग मिलिनेयर के लिए दो आस्कर पुरस्कार जीतकर नया इतिहास रच दिया। रहमान को 81वें एकादमी अवार्ड समारोह में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रहमान आज भी उसी जोशो खरोश के साथ संगीत जगत को अपने जादुई संगीत से सुशोभित कर रहे है।

तिल चतुर्थी पर भक्तों ने गणनायक के समक्ष प्रकट की मनोकामना

श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में लगा मेला

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

ऐतिहासिक श्री गणेश देवस्थानम् सिद्धपीठ में तिल संकटा चतुर्थी पर भगवान सिद्धि विनायक का विशेष पूजन अर्चन अभिषेक हुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एक दिवसीय मेला भी आयोजित हुआ। वहीं भक्तजनों ने विशेष तौर पर तिल के लड्डुओं सहित विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग भी अर्पण कर भगवान के समक्ष मनोरथ प्रकट कर आशीर्वाद मांगा।

फहराई गई धर्म ध्वजा

मंदिर के व्यवस्थापक पं शैलेष पुरोहित ने बताया कि सूर्योदय के तुरंत बाद पं कृष्णकांत उदेनिया व पं. विनोद मिश्रा ने वेद मंत्रों के बीच विनायक सरकार का पावन अभिषेक, आरती व महाप्रसाद वितरण हुआ। उल्लेखनीय है सिद्धपीठ के संस्थापक स्वर्गीय पं कृष्णकुमार पुरोहित के मार्गदर्शन में उक्त आयोजन शुरू किया गया था। जिसका पावन उद्देश्य महर्षि वेद व्यास के सांसारिक सार सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया को लेकर भगवान के भक्तों के भय, रोग, चिन्ता मुक्ति का रहता है। इस अवसर पर धर्मध्वजा भी फहरायी गयी।

मेले में हुई जमकर खरीददारी

मंदिर परिसर में आयोजित मेले में हर वर्ग के लोगों के जमकर खरीददारी की तथा झूलों व चाट पकवानों का आनंद लिया। देर रात तक मेले व मंदिर में नागरिकों का आना-जाना लगा रहा। मेले में पुलिस प्रशासन की बेहतर सुरक्षा व्यवस्था रही। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने भी पूर्व में ही साफ-सफाई बिजली व्यवस्था आदि की थी। सिद्धी विनायक आरती मंडल के सदस्यों ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इनका रहा सक्रिय योगदान

आयोजन में किशन गुप्ता (सेठजी) संजय जैन, श्रवण व जय मिश्रा, अरविंद दुबे, आशीष सोनकिया, बुद्धि प्रसाद विश्वकर्मा, राहुल व रोहित मेहरा, पप्पू पटेल, अन्नीलाल प्रजापति, पवन नेमा, मोहित सराठे, सौरभ नोरिया, राजेश विश्वकर्मा, हर्षित व दीप विश्वकर्मा, संजय व योगराज महोबिया ने सक्रिय योगदान देकर सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीमद भागवत कथा के श्रवण से मिलता हैं पुण्य लाभ : जयंती किशोरी शर्मा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय जगदीश वार्ड मे भागवत सेवा समिति द्वारा 3 जनवरी से जारी संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के आयोजन से माहौल धर्ममय बना हुआ हैं। कलश यात्रा से प्रारंभ हुए इस आयोजन मे प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन होता हैं। कथा मे कथावाचिका सुश्री जयंती किशोरी शर्मा द्वारा प्रतिदिन संगीतमय श्रीमद भागवत कथा में प्रवचन दिये जा रहे है। कथा के चौथे दिन मंगलवार को उन्होंने गजेंद्र मोक्ष एवं भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुनाई। उन्होंने भगवान कृष्ण जन्म के बारे में कहा कि ज़ब ज़ब पृथ्वी पर पाप बढ़ते है, अधर्म का बोलबाला होता है, तब तब धर्म की रक्षा के लिए भगवान जन्म लेते है। उन्होंने कहा कि कंस प्रत्येक बार देवकी की संतानो का वध कर देता था लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भगवान कृष्ण के जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि जीवन में बुरे दिनों के बाद अच्छे दिन भी आते है इसीलिये कभी भी बुरे दिनों से निराश नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि भागवत कथा को पूर्ण ध्यान से सुनना चाहिए। जो भी व्यक्ति कथा का श्रवण करता हैं उसे पुण्य लाभ मिलता हैं। भागवत कथा से मन को शांति मिलती हैं एवं अच्छे संस्कार सीखने मिलते हैं। श्रीमद भागवत कथा जीवन मे सदमार्ग पर चलने की सीख देती हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव में श्रद्धालु भगवान की भक्ति में झूम उठे। इस धार्मिक आयोजन मे बड़ी संख्या मे धर्म प्रेमी श्रद्धालू शामिल होकर धर्म लाभ ले रहे हैं

एनसीएल की मेजबानी में कोल इंडिया अंतर-कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट का हुआ भव्य आगाज़

सिंगरौली, । भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के अमलोरी क्षेत्र में मंगलवार को च्कोल इंडिया अंतर-कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट्ज 2025-26 का भव्य आगाज़ हुआ। उद्घाटन समारोह में एनसीएल निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत किया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी प्रतिभागियों

का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना, अनुशासन और सौहार्द के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने खेलों के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास से संबंध पर प्रकाश डालते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अनुषंगी कंपनियों सहित कुल 11 टीमें भाग ले रही हैं। आगामी 8 जनवरी तक चलने वाली इस टूर्नामेंट में एसईसीएल, एससीसीएल, एमसीएल, डब्ल्यूसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल, सीसीएल, सीएमपीडीआईएल, सीआईएल, एनईसी और मेजबान एनसीएल शामिल हैं। प्रतियोगिता में 119 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें 18 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में कॉर्पोरेट जेसीसी सदस्य, सीएमएस अजय कुमार, महाप्रबंधक अमलोरी क्षेत्र आलोक कुमार, महाप्रबंधक कल्याण राजेश त्रिवेदी, स्पोर्टस प्रमोशन बोर्ड के सदस्यगण, अमलोरी क्षेत्र के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट में कुल 06 श्रेणियां, जिनमें पुरुष एकल, पुरुष युगल, महिला एकल, महिला युगल, वेटरन एकल और वेटरन युगल शामिल हैं, में मैचों का आयोजन किया जा रहा है। टीम चैंपियनशिप के लिए टीमों को दो पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें पूल-ए में एनसीएल, एमसीएल, सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल हैं तथा पूल-बी में एसईसीएल, सीआईएल, एससीसीएल, सीएमपीडीआईएल, एनईसी, डब्ल्यूसीएल हैं।

ट्रेक्टर-ट्रॉली चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

दिनांक 02-03 जनवरी 2026 की दरम्यानी रात नर्मदा शुगर मिल की वेल्डिंग वर्कशॉप से अज्ञात चोरों के द्वारा 04 नग जुगनू ट्रॉली चोरी हो जाने की रिपोर्ट प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपियों के अपराध पंजीवद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण संज्ञान में आने पर पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी, गाडरवारा रत्नेश मिश्रा के नेतृत्व में थाना गाडरवारा, चौकी सालीचैका पुलिस की विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए।

चोरी की गई ट्रेक्टर-ट्रॉली को शातिर चोरों द्वारा जंगल क्षेत्र में छिपाकर रखा गया था टीम द्वारा अज्ञात आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा मुखबिरों को सक्रीय कर जानकारी एवं तकनीकी माध्यमों से पतासाजी की जिसके परिणाम स्वरूप चोरी किए गए ट्रेक्टर-ट्रॉली चोरों द्वारा जंगल में छिपाकर रखने की सूचना प्राप्त हुयी।

पुलिस टीम द्वारा सतर्कता से जंगल क्षेत्र में सघन सर्च अभियान चलाया गया

सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा चावलपानी रोड ग्राम ग्वारी के पास के जंगल में विशेष सर्चिंग अभियान चलाया गया जिसके परिणाम स्वरूप दो शातिर चोरों को गिरफ्त में लेने में सफलता प्राप्त हुयी एवं उनके द्वारा चोरी किए गए ट्रेक्टर-ट्रॉली बरामद किए गए।

आरोपी 1 = अशोक रोकडे निवासी ग्राम रहाडी, जिला नासिक, (महाराष्ट्र)

आरोपी 2 = रमजान शेख निवासी ग्राम रहाडी, जिला नासिक, (महाराष्ट्र)

शत-प्रतिशत बरामदगी= 04 जुगनू ट्रॉलियाँ एवं घटना में प्रयुक्त 02 नीले रंग के फार्मटेक-45, कुल कीमती ?25.60 लाख रूपये।

वैधानिक कार्यवाही= धारा 331 (4), 305 (ए) बी.एन.एस. के तहत प्रकरण पंजीवद्ध।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी, गाडरवारा, निरीक्षक विक्रम रजक, चैकी प्रभारी सालीचैका उप निरीक्षक वर्षा धाकड़, सहायक उप निरीक्षक विक्रम परमार, प्रधान आरक्षक मनोज भारद्वाज, आरक्षक जमना प्रसाद रजक,हरिशंकर पटवा, सैनिक हेमराज सिंह, रमेश शुक्ला, सुभाष सोनी, शीतल पुरी की सराहनीय भूमिका रही है।

कलेक्टर रजनी सिंह ने जनसुनवाई में आए अजय कुमार गौंड़ को व्हीलचेयर व दुर्गा बाई को एल्बों क्रंच छड़ी प्रदान की

नरसिंहपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में खापा शेढ़ निवासी श्री अजय कुमार गौंड़ चलने में असमर्थ होने के कारण और करेली तहसील के ग्राम नयाखेड़ा- बासादेही की दिव्यांग श्रीमती दुर्गा बाई ने अपनी- अपनी समस्याएं लेकर पहुंची थी। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए मौके पर ही खापा शेढ़ निवासी श्री अजय कुमार गौंड़ को व्हीलचेयर और करेली तहसील के ग्राम नयाखेड़ा- बासादेही की श्रीमती दुर्गा बाई को एल्बों क्रंच छड़ी प्रदान की। उक्त सहायक उपकरण जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 98 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। पोटो पहचान एनएसपी ४

मोटर साइकिल के मोडिफाय साइलेंसर का उपयोग करने वाले चालक को अर्थदंड

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नरसिंहपुर श्री राकेश सनोडिया द्वारा मोटर साइकिल के मोडिफाय साइलेंसर का उपयोग करने वाले चालक एवं वाहन स्वामी को अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार भविष्य धामेचा ने दिनांक 24/12/2025 समय रात्रि 11 बजे स्थान असेम्बली हाल के सामने नरसिंहपुर में वाहन मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 49 एमएम 8252 को विधिवत नबर प्लेट के बिना वाहन में मोडिफाय सायलेंसर लगाकर लोक मार्ग पर बिना ड्रायबिंग लायसेंस बिना बीमा के चलाय ऐसा कर उसके द्वारा मोटरयान अधिनियम की धारा 50/177/ 190/3/18/ 146/196 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध कारित किया गया और राजकुमार सिंधी द्वारा उक्त वाहन के वाहन स्वामी होते हुए उक्त घटना दिनांक समय व स्थान पर उक्त वाहन को वाहन में मोडिफाय सायलेंसर लगाकर लोक मार्ग पर बिना ड्राइविंग लायसेंसए बिना बीमा के चलवाया गया अतरू इनके विरुद्ध भी मोटरयान अधिनियम की धारा 190/18/ 146/196 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध किया गया।

जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से झौंतेश्वर एवं भामा पुल के पास बनाए गए बोरी बंधान

वनझरया नदी व हंस कुंड झरना में 91 व 25 बोरियो का बनाया गया बंधान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से विकासखंड गोटेगांव के ग्राम झौंतेश्वर एवं भामा पुल के पास वनझरया नदी व हंस कुंड झरना में 91 और 25 बोरियो का बंधान बनाया गया। यह बोरी बंधान मां नर्मदा युवा सेवा समिति नवांकुर संस्था गोटेगांव- झांसीघाट द्वारा किया गया। जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने बताया कि बोरी बंधान के माध्यम से भू- जल स्तर में वृद्धि होगी। साथ ही आसपास के नागरिकों को जल की पूर्ति होगी। बोरी बंधान के कार्य में विकासखंड समन्वयक गोटेगांव श्री प्रतीक दुबे, नवांकुर संस्था मां नर्मदा युवा सेवा समिति से संस्था समन्वयक व सदस्यगण, परामर्शदाता सहित अन्य ग्रामीणजनों ने अपनी सहभागिता दी।

एनसीएल ने 'ऊर्जा सुरक्षा एवं पर्यावरणीय दायित्व के संतुलन' विषय पर किया कार्यशाला का आयोजन

विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (थर्मल प्लांट व कोल माइनिंग) ने शिरकत कर दिया मार्गदर्शन

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

कोल इंडिया की सिंगरौली स्थित अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने ऊर्जा सुरक्षा एवं पर्यावरणीय दायित्व के संतुलन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। मंगलवार को आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला की विशेषता यह रही कि इंद्र पाल सिंह मथारू की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एक्सपर्ट अप्रैजल कमेटी- थर्मल प्लांट व कोल माइनिंग) के सदस्यगणों ने प्रतिभाग करते हुए पर्यावरण संतुलन के साथ सतत विकास पर अपना मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में एनसीएल से निदेशक(मानव संसाधन) मनीष कुमार, निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक(तकनीकी/संचालन) सुनील प्रसाद सिंह, निदेशक (तकनीकी/ परियोजना एवं योजना) आशुतोष द्विवेदी, मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार जायसवाल, निदेशक (तकनीकी) सीएमपीडीआईएल राजीव कुमार सिन्हा, एनसीएल की परियोजनाओं के महाप्रबंधकण, विभागाध्यक्ष व अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (थर्मल प्लांट व कोल माइनिंग) के अध्यक्ष इंद्र पाल सिंह मथारू ने बतौर मुख्य अतिथि, कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने भारत की प्रकृति-पूजक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि सततता केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि समय की अनिवार्यता है। उन्होने जोर दिया कि विकास को नैतिक जिम्मेदारी, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि समाज, स्थानीय समुदाय और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (थर्मल पावर एवं कोल माइनिंग) के

सदस्य सचिव श्री सुंदर रामनाथन ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में विभिन्न तकनीकी सत्रों के दौरान समिति के सदस्य डॉ. विनोद अग्रवाल ने टर्म्स ऑफ़ रेफ़रेंस व पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित प्रक्रियाओं पर व्याख्यान दिया। डॉ. उमेश जे. कहालेकर ने कोयला परियोजनाओं में सतत विकास की अवधारणा पर अपने विचार साझा किए। वहीं प्रो. एस.एस. सिंह ने खदान पुनर्स्थापन एवं जैव विविधता संरक्षण में पौधारोपण की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. संतोष कुमार हम्पन्नावर ने पर्यावरणीय प्रबंधन एवं अनुपालन से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर संबोधन दिया। कार्यशाला के शुभारंभ में एनसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री सुनील प्रसाद सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया व पर्यावरणीय स्वीकृतियों, खनन गतिविधियों एवं हरित पहलों के बीच संतुलन को बनाए रखने को लेकर एनसीएल की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य एनसीएल के अधिकारियों एवं परियोजना टीमों के लिए पर्यावरणीय नियामकीय प्रक्रियाओं की बेहतर समझ विकसित करना था । कार्यशाला के समापन अवसर पर एनसीएल के निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) आशुतोष द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला के आयोजन में महाप्रबंधक (पर्यावरण) राकेश कुमार एवं उनकी टीम का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम में एक संवादात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें कार्यशाला के प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय स्वीकृतियों, अनुपालन एवं सर्वोत्तम प्रथाओं, आधुनिक पर्यावरणीय तकनीकी, कार्बन उत्सर्जन में कमी, सतत विकास लक्ष्य से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों से सीधा संवाद किया । कोयला उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं सतत विकास एनसीएल की कार्यप्रणाली का अभिन्न अंग है। ऐसे में यह कार्यशाला देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ पर्यावरणीय मानकों के कड़े अनुपालन हेतु ज्ञान साझा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी । गौरतलब है कि कार्यशाला से पूर्व एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी (थर्मल प्लांट और कोयला खनन) ने एनसीएल की जयंत ओपनकास्ट खदान का दौरा भी किया।

स्थानीय अवकाश घोषित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने वर्ष- 2026 के लिए जिले में परम्परागत त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए पूरे जिले के लिए 3 स्थानीय अवकाश घोषित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश मप्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार मकर संक्रांति बुधवार 14 जनवरी 2026 को, दुर्गा नवमी सोमवार 19 अक्टूबर 2026 और भाईदूज मंगलवार 10 नवंबर 2026 को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 0001अ-20 (3) सन्-2025-26

1. एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार भूमि आवंटन की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 30/01/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

2. उक्त संबंध में यह भी उल्लेखित किया जाता है कि किसी अन्य दल को भूमि की आवश्यकता हो तो वह भी अंतिम तिथि के तक प्रारूप एक में आवेदन कर सकता है, उक्त आवेदन अपर कलेक्टर नरसिंहपुर के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
03	कंदेली	19/1	29755 वर्गफुट मे से 10000 वर्गफुट (929.308 वर्गमीटर)	खाली (नजूल) नरसिंहपुर	भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष (भा.ज.पा.) नरसिंहपुर

इश्तहार आज दिनांक 30/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

क्यूआर कोड से होगी ऑटो चालकों की पहचान

स्कैन करके यात्री दे सकेंगे फीड बैक, यातायात पुलिस की विशेष पहल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर की लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने और आम नागरिकों को राहत दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने ऑटो व ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान चलाया और व्यवस्थित पहल शुरू की है। यात्रियों से अभद्रता, मनमाना किराया वसूली और यातायात नियमों के खुले उल्लंघन की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने इस दिशा में निर्णायक कदम उठाया है। इसी क्रम में एक विशेष जागरूकता एवं सत्यापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ऑटो में चालकों का डाटा बेस स्टीकर लगाया गया और सभी चालकों को यातायात नियमों का

पालन करने की हिदायत दी गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया ने मीडिया को बताया कि शहर में पंजीकृत लगभग 7500 ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों के चालकों का चरणबद्ध तरीके से पुलिस वेरिफिकेशन कराया जा रहा है।

पुलिस संपर्क से जुड़ी जानकारी होगी दर्ज-इस प्रक्रिया के तहत प्रत्येक वाहन पर एक विशेष स्टीकर लगाया जा रहा है। जिसमें चालक का नाम, मोबाइल नंबर, वाहन का पंजीयन नंबर और पुलिस संपर्क से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दर्ज होगी। इससे यात्रियों को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा और किसी भी तरह की शिकायत की स्थिति में चालक तक तुरंत पहुंचा जा सकेगा। एएसपी ने कहा कि यह पहल केवल दंडात्मक नहीं है बल्कि सुधार और प्रोत्साहन पर आधारित है जो ऑटो चालक नियमित रूप से यातायात नियमों का पालन करेंगे। यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे और सुरक्षित ड्राइविंग करेंगे। उन्हें प्रेरणा स्वरूप सम्मानित भी किया जाएगा। इससे अन्य चालकों को भी नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

अधिक किराया वसूलने पर होगी वैधानिक कार्रवाई

इस दौरान यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे सहित यातायात थाने में पदस्थ पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। एएसपी ने कहा कि अब ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के लिए यूनिफॉर्म पहनना और नाम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ चालकों की पहचान आसान होगी बल्कि उनमें जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होगी। चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन, नशे की हालत में वाहन चलाना, यात्रियों से दुर्व्यवहार या तय से अधिक किराया वसूलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फोटो : विकास गुप्ता

बीमार गाय तड़पती रही, इलाज और भोजन नहीं शरीर में बिलबिलाते कीड़े, प्रशासन मौन

अमीरगंज गौशाला में अमानवीयता की हदें पार

कटनी (स्वतंत्रमत)। एक और मध्यप्रदेश सरकार गौ सेवा और गौवंश संरक्षण को लेकर योजनाओं, अनुदानों और नई गौशालाओं के उद्घाटन के दावे कर रही है। वहीं दूसरी ओर अमीरगंज गौशाला की तस्वीरें इन दावों को कठघरे में खड़ा करती नजर आ रही हैं। यहां बेजुबान गोवंश के साथ हो रही बर्बरता ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। स्थानीय सूत्रों और सामने आई तस्वीरों के अनुसार गौशाला में बीमार गायों का समय पर इलाज नहीं कराया जा रहा। कई गायों के शरीर में कीड़े पड़ चुके हैं, घाव सड़ रहे हैं, लेकिन पशु चिकित्सा की कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही। भरपूर चारा, भूसा और स्वच्छ पानी के अभाव में गोवंश दम तोड़ता दिख रहा है। कई पशु इतने कमजोर हो चुके हैं कि खड़े होना

भी उनके लिए मुश्किल हो गया है।

सरकारी दावे बनाम जमीनी हकीकत-प्रदेश सरकार गौवंश की रक्षा के लिए बजट, योजनाएं और निरीक्षण की बातें करती है, लेकिन अमीरगंज गौशाला की हालत यह सवाल पैदा करती है कि क्या ये योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। यदि सरकार और जिला प्रशासन नियमित निगरानी कर रहे होते, तो क्या गोवंश को इस पीड़ा से गुजरना पड़ता है। प्रशासन की चुप्पी पर सवाल सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि स्थानीय जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग कहां है। क्या गौशाला संचालन में लापरवाही पर कोई जिम्मेदार तय होगा। क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या फिर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

मानवता की कसौटी पर व्यवस्था फेल

अमीरगंज गौशाला का यह दृश्य केवल एक संस्थान की विफलता नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल है। बेजुबान जानवरों की यह पीड़ा पूछ रही है कि जब सरकार गौवंश को माता कहती है, तो क्या उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सिर्फ भाषणों तक सीमित है। अब जरूरत है कि शासन प्रशासन त्वरित संज्ञान ले उच्चस्तरीय जांच कराए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और गौशालाओं में वास्तविक अर्थों में उपचार, पोषण और संरक्षण सुनिश्चित किया जाए ताकि भविष्य में मानवता को फिर शर्मसार न होना पड़े। **फोटो : विकास गुप्ता**

संयुक्त साझा संघर्ष से ही संवर्ग हित एवं सफलता : रमाशंकर तिवारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

एनएमओपीएस द्वारा आहुत संयुक्त संगोष्ठी राजधानी भोपाल मध्यप्रदेश के विभिन्न शिक्षक एवं कर्मचारी संघों के प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। संगोष्ठी में नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, ओपीएस पुरानी पेंशन योजना तथा ई-अटेंडेंस से संबंधित ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत, गंभीर एवं सार्थक चर्चा की गई। इस संयुक्त संगोष्ठी में पुरानी पेंशन बहाली संघ एनएमओपीएस के साथ-साथ अन्य सहयोगी संघों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार एवं सुझाव रखे। आजाद अध्यापक संघ संयोजक एवं कर्मचारी कल्याण कोष प्रवक्ता द्वारा एकजुटता के साथ सवर्गहित में सामूहिक एकता पर ब्लॉक दिया और कहा सभी संघ व नेतृत्व कर्ता संघ संवर्ग से, संवर्ग के लिए है एवं समस्या व मांग संवर्ग की है अत: समस्त संघो के संघर्षरत पदाधिकारी एकजुटता के साथ एक भाव, एक मंच से प्रयास करेंगे तो निश्चित ही सफलता मिलेगी और मुझे एवं संवर्ग को विश्वास है कि वो संवर्ग हित में ही कुछ अच्छे निर्णय लेंगे से है कटनी से जिलाध्यक्ष रामाधार सोनू सरावगी, कर्मचारी कल्याण कोष जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय, आजाद अध्यापक संघ संगठन मंत्री किशन लाल भुमियाँ सहित अन्य पदाधिकारीगणों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न संघों ने एकजुट होकर शिक्षक एवं कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त साझा संघर्ष की रणनीति तैयार करने तथा आगामी आंदोलन को और अधिक सशक्त, संगठित एवं प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया। 14 जनवरी के बाद पुन: प्रदेश के सभी संघो की बैठक होगी जिसमें रणनीति तय की जाएगी।

अनियमितताओं के बाद फूड प्लाजा सील

रेलवे ने की कार्रवाई, गंदगी के बीच बन रहा था भोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी जंक्शन पर संचालित आईआरसीटीसी फूड प्लाजा को शिकायतों के बाद सील कर दिया गया है। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल ने गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए फूड प्लाजा को तत्काल प्रभाव से तीन दिनों के लिए बंद करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई लगातार मिल रही यात्रियों की शिकायतों और निरीक्षण के दौरान सामने आई खामियों के बाद की गई है। स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य कार्यालय द्वारा जारी आदेश में यह भी साफ किया गया है कि यदि तय समयसीमा में सभी कमियों को दूर नहीं किया गया तो बंदी की अवधि को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में फूड प्लाजा में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। खास हम बात यह रही कि पहले से लगाई गई 10 हजार और 5 हजार की पेनाल्टी, कुल 15 हजार की राशि अब तक जमा नहीं की गई थी। इसके अलावा फूड प्लाजा के पीछे के हिस्से में भारी गंदगी पाई गई, जहां नियमित सफाई का अभाव साफ नजर आया।

सुरक्षा और पहचान से जुड़े नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा था। कई वेंडरों के डिजिटल आईडी कार्ड तक नहीं बनाए गए थे। इतना ही नहीं, किचन एरिया के बाहर, नॉन-किचन स्थानों पर भी खुले तौर पर खाद्य सामग्री तैयार की जा रही थी, जो रेलवे और फूड सेफ्टी मानकों का सीधा उल्लंघन है। जारी आदेश में कहा गया है कि सभी अनियमितताओं को तय समय में दूर किया जाए और निर्धारित दंड राशि तत्काल जमा की जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो फूड प्लाजा की बंदी आगे भी जारी रह सकती है। सूत्रों के अनुसार यात्रियों द्वारा लंबे समय से भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और व्यवस्था को लेकर शिकायतें की जा रही थीं।

इन्हीं शिकायतों के आधार पर जब जांच की गई तो हालात और भी चिंताजनक पाए गए। इसके बाद रेलवे प्रशासन ने यह कार्रवाई की। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सेहत और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो : सीईओ

कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 07622-225752 पर नागरिक, समस्याओं की दे सकेंगे जानकारी

कटनी (स्वतंत्रमत)। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जिला पंचायत की सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र लिखकर आवश्यक निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने समस्त ग्राम पंचायतों में हैंड पंपों के आसपास साफ-सफाई रखते हुए नियमित अंतराल पर ब्लीचिंग पाउडर छिड़कने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने ग्रामों में संचालित पेयजल की उच्चस्तरीय टंकी एवं सम्पवेल की नियमित अंतराल पर साफ-सफाई के साथ टंकी पर साफ-सफाई कराए जाने का दिनांक अंकित किए जाने को कहा है। सुश्री कौर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर, तकनीकी मार्गदर्शन लेते हुए जल जीवन योजना के अंतर्गत निर्मित पाइपलाइन की लीकेज में तत्परता पूर्वक सुधार कार्य कराएं। उन्होंने कहा है कि ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराई गई किट फील्ड टेस्ट किट का उपयोग कर जल नमूनों का परीक्षण कराएं एवं विसंगति पाए जाने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सूचित करें।

जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आम नागरिकों की शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई के अंतर्गत 06 जनवरी को पुलिस कंट्रोल रूम, कटनी के सभागार में पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा अपनी समस्याएं एवं शिकायतें पुलिस अधीक्षक तथा उपस्थित राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखी गईं। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक आवेदक की शिकायत को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित, निष्पक्ष एवं संवेदनशील कार्रवाई करते हुए शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में कुल 22 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से आपसी एवं पारिवारिक विवाद, लेन-देन संबंधी प्रकरण, सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट/भूमि विवाद एवं धोखाधड़ी, महिला अपराध से संबंधित मामले तथा अन्य पुलिस संबंधी समस्याएं शामिल रहीं। जिला पुलिस कटनी द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर तत्पर रहते हुए जनसुनवाई के माध्यम से पारदर्शी एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

फोटो : विकास गुप्ता

कटनी-पन्ना रोड पर तेल से भरा ट्रक पलटा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पन्ना-कटनी मुख्य मार्ग पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब चौपरा के पास तेल से भरा एक भारी ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। सुबह करीब 6 बजे हुए इस हादसे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। ट्रक चालक के अनुसार चलते वाहन का अचानक स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे ट्रक संतुलन खो बैठा और पलट गया।

हमारे शाहनगर संवाददाता ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक में लदी कई तेल की पीपियां फूट गईं और आसपास की जमीन पर तेल फैल गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। कुछ लोग जमीन पर बिखरे तेल को भरते नजर आए, जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही शाहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए भीड़ को घटनास्थल से दूर हटाया। पुलिस ने हालात को काबू में लिया और किसी बड़ी अनहोनी को टाल दिया। गनीमत रही कि इस हादसे से कोई जनहानि नहीं हुई, फिर भी चालक द्वारा करीब 1 लाख के माल का नुकसान बताया गया है। फिलहाल पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

आरओ एवं मिनरल वॉटर के नाम पर पानी सप्लाई से मोटी कमाई

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में मिनरल वाटर के नाम पर सादा पानी बेचने का कारोबार चल रहा है। पानी कितना शुद्ध है और इसकी प्रोसेसिंग किस तरह से हो रही है इसकी जांच करने के लिए विभागीय अधिकारियों के फुर्सत नहीं है। कैम्पर और बोतल बंद पानी का कारोबार जिले में मनमाने तरीके से चल रहा है लेकिन अधिकारी पानी की गुणवत्ता तक की जांच नहीं कर रहे हैं।

पानी की गुणवत्ता की जांच नहीं

कई स्थानों से सादा पानी भरकर आरओ और मिनरल वाटर के नाम से बेचा जा रहा है। इस फर्जीवाड़े के जरिए कई मोटी रुपए कमा रहे हैं। गर्मी के दिनों में पानी के नाम पर वारे न्यारे हो जाते हैं। लाइसेंस लेकर पानी का कारोबार करने वालों के अलावा भी कई जगहों पर पानी की पैकिंग के प्लांट खुल गए हैं।

दूषित पानी से लोग बीमार

मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार दूषित

पानी पीने से लोग कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। अमीबा नामक एक कीटाणू आंत में जाकर पेट को खराब कर देता है। ई-कोलाई से लोग डायरिया का शिकार हो सकते हैं। पीलिया व टायफाइड भी हो सकता है। साथ ही पाचन क्रिया भी प्रभावित हो सकती है। **फोटो : विकास गुप्ता**

डीपीएस में नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ विशेष प्रार्थना सभा का हुआ आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिल्ली पब्लिक स्कूल में शीत कालीन अवकाश के बाद बच्चों को नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ विद्यालय में शिक्षकों द्वारा विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने बच्चों को नए वर्ष की शुभकामनाएँ दी। बच्चों ने नृत्य एवं नाटक के द्वारा नए वर्ष में अच्छी आदतों को ग्रहण करने की शपथ ली। नया साल नई उम्मीदों और लक्ष्यों को लेकर आता है। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए नए साल पर खुद से कुछ वादें करें। संकल्प का मतलब है कोई पक्का फैसला लेना- कुछ करने या न करने का। हम नए साल की शुरुआत में अपने लिए कुछ लक्ष्य और अच्छे इरादे तय करते है ताकि हमारे जीवन में नई उम्मीद और खुशियाँ आ सकें। छात्रों के लिए नए साल 2026 के छोटे संकल्प जैसे पढ़ाई में बेहतर करना, स्वस्थ रहना सही खाना, व्यायाम, स्क्रीन टाइम कम करना, और समय का सही प्रबंधन टाइम-टेबल बनाना, माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करें, ताकि जीवन में संतुलन रहे। विद्यालय की प्राचार्या सीमा दुबे एवं उप प्राचार्या शबनम अख्तर ने बच्चों को नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा। विद्यालय की निर्देशिका जूही जैन ने बच्चों को नूतन वर्ष

सामूहिक विवाह का आयोजन 23 को

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के अंतर्गत शुक्रवार 23 जनवरी को सामूहिक विवाह, निकाह का आयोजन किया जा रहा है। योजना के तहत गरीबी रेखा के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राही 9 जनवरी तक अपना आवेदन कर सकते है। नगर निगम के नोडल अधिकारी मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सनद विश्वकर्मा ने बताया कि योजनान्तर्गत वधु को 49 हजार रुपये सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर किए जायेंगे तथा राशि 6 हजार रुपये प्रति जोड़ों के मान से आयोजनकर्ता निकाय को दी जाएगी।

आवश्यक दस्तावेज

सामूहिक विवाह समेलन में विवाह करने हेतु इच्छुक आवेदक वर तथा कन्या की तीन फोटो, वर एवं कन्या का आधार कार्ड की छायाप्रति, गरीबी रेखा राशन कार्ड की छायाप्रति, कन्या के बैंक खाता की छायाप्रति, कन्या का मूल निवासी प्रमाण पत्र, वर एवं कन्या का समग्र परिवार आईडी ई-केवाईसी सहित जन्मतिथि संबंधी दस्तावेज वर एवं कन्या की वोटर आईडी के साथ आवेदन निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक 66 में जमा कर सकते है।

ग्राम कुम्हारी में एनएसएस का विशेष शिविर सम्पन्न

सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक चेतना की अनुपम मिसाल बना शिविर

बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) बालक एवं बालिका इकाई द्वारा ग्राम कुम्हारी स्थित पीएम श्री रानी अवंती बाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार, 4 जनवरी 2026 को गरिमामय, भावनात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह शिविर 29 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक सेवा, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ संचालित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर संरक्षक डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी. एस. कातुलकर, जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी दशहरे, ग्राम पंचायत

कुम्हारी के सरपंच श्री सावन पिछोड़े, उपसरपंच श्रीमती प्रमिला सहित जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएँ एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। शिविर के सात दिनों में स्वयंसेवकों को विभिन्न दलों में विभाजित कर स्वच्छता अभियान, श्रमदान, प्रभात फेरी, सामाजिक जागरूकता गतिविधियाँ, भोजन एवं रसोई संचालन, मंच सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन तथा च्चशिविर दर्पणज्ज जैसे रचनात्मक समाचार पत्र के निर्माण की जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इन सभी गतिविधियों का संचालन स्वयंसेवकों ने पूर्ण अनुशासन, आपसी समन्वय एवं नेतृत्व क्षमता के साथ किया, जिससे शिविर एक जीवंत सामाजिक प्रयोग के रूप में उभरकर सामने आया। समापन दिवस की शुरुआत ग्राम कुम्हारी में अंतिम प्रभात फेरी एवं शिविर स्थल की व्यापक स्वच्छता से हुई।

इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अतिथियों ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण समाज में स्वच्छता, सामाजिक चेतना, आपसी सहयोग एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करते हैं। जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी दशहरे ने कहा कि एनएसएस शिविर युवाओं को संवेदनशील नागरिक बनाते हैं।

श्रेयस अय्यर की विजयी वापसी

मुंबई को दिलाई रोमांचक जीत

जयपुर (वार्ता)।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फिटनेस साबित करते हुए 82 रन की शानदार पारी खेली जबकि प्लेयर ऑफ द मैच मुशीर खान ने 73 रन बनाये जिसकी बदौलत मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को मात्र सात रन से हरा दिया। मुंबई ने निर्धारित 33 ओवर में नौ विकेट पर 299 रन बनाये जबकि हिमाचल की टीम 32.4 ओवर में 292 रन पर सिमट गई। श्रेयस को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारतीय वनडे टीम में सशर्त शामिल किया गया था कि वह अपनी फिटनेस साबित करें। श्रेयस ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए 53 गेंदों पर 82 रन की बेहतरीन पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाए। मुशीर ने 51 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और तीन छक्के मारे। हिमाचल की तरफ वैभव अरोड़ा, अभिषेक कुमार और कुशल पाल ने तीन-तीन विकेट लिए। हिमाचल की तरफ से पुखराज मान ने 64, अंकुश बैंस ने 53 और मयंक डागर ने 64 रन बनाये। मुंबई के लिए शिवम दुबे ने चार और मुशीर खान ने एक विकेट लिया। मुंबई छह मैचों में पांचवीं जीत और 20 अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। हिमाचल को चौथी हार का सामना करना पड़ा और वह आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

गुजरात ने ओडिशा को 233 रन से हराया

बेंगलुरु। कप्तान चिंतन गाजा की 31 रन पर छह विकेट की शानदार गेंदबाजी की मदद से गुजरात ने ओडिशा को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मंगलवार को 233 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, गुजरात के

टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज आर्य देसाई, उर्विल पटेल और अहान पोद्दार ने हाफ सेंचुरी बनाईं, जिसके बाद अक्षर पटेल ने 73 रन बनाकर अपनी टीम का स्कोर 333/6 तक पहुंचाया। इसके बाद गाजा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए और अपने खाते में तीन और विकेट जोड़कर ओडिशा को 28.1 ओवर में सिर्फ 100 रन पर ऑल आउट कर दिया। गाजा को उनकी घातक गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

अमन राव का दोहरा शतक, हैदराबाद ने बंगाल को हराया

राजकोट। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भारतीय वनडे टीम में अपनी वापसी का जश्न बंगाल के खिलाफ 58 रन पर चार विकेट लेकर मनाया और हैदराबाद को मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में 107 रनों से शानदार जीत दिला दी। शाहबाज़ अहमद की 108 रनों की नाबाद जुझारू पारी बेकार गई क्योंकि बंगाल को हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए, हैदराबाद के ओपनर अमन राव ने 154 गेंदों में शानदार 200 रन बनाकर अकेले दम पर टीम को 50 ओवर में 352/5 के स्कोर तक पहुंचाया। मोहम्मद शमी (3-70), शाहबाज़ (1-57), रोहित (1-61) बंगाल के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

जवाब में, बंगाल 44.4 ओवर में 245 रन पर ऑल आउट हो गया। शाहबाज के अलावा, अनुस्तुप मजूमदार ने 59 रन बनाए। हैदराबाद के मोहम्मद सिराज ने 58 रन देकर 4 विकेट लिए। बंगाल, जिसने अब तक छह मैचों में से चार जीते हैं और 16 अंक हैं, गुरुवार को यूपी के खिलाफ अपने अंतिम एलीट ग्रुप बी मैच में करो या मरो के मुकाबले में उतरेगा। अमन राव को उनके दोहरे शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

प्रियांशु और विष्णु के शतक, बड़ौदा जीता

राजकोट। प्रियांशु मोलिया (114) और विष्णु सोलंकी (132) के शानदार शतकों की मदद से बड़ौदा ने जम्मू-कश्मीर को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में मंगलवार को 76 रन से हरा दिया। बड़ौदा ने 50 ओवर में 332 रन का स्कोर बनाया और जम्मू-कश्मीर को 45.3 ओवर में 256 रन पर निपटा दिया। जम्मू-कश्मीर की तरफ से दीक्षांत कुंडल ने 66 और कंवलप्रीत सिंह ने 65 रन बनाये। इससे पहले प्रियांशु मोलिया 113 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 114 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए जबकि प्लेयर ऑफ द मैच सोलंकी ने 108 गेंदों पर 132 रन में 13 चौके और चार छक्के लगाए। बड़ौदा की छह मैचों में यह चौथी जीत है और वह 16 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गया है। दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर की यह चौथी हार है और वह आठ अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है।

दक्षिणेश्वर सुरेश ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई

बेंगलुरु (वार्ता)। दक्षिणेश्वर सुरेश ने मंगलवार को एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में 10वें दफ़ा न्यूज़ बेंगलुरु ओपन 2026 में अपने कैंपेन की ज़बरदस्त शुरुआत की, क्रोएशिया के डुजे अजदुकोविच को 6-4, 6-4 से हराकर राउंड ऑफ़ 16 में अपनी जगह पक्की की। छह फुट छह इंच लंबे भारतीय खिलाड़ी ने पूरे मैच में पूरा कंट्रोल बनाए रखा, उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर ज़ोर दिया, जिसमें 20 एस लगे, जिससे उन्हें शुरू से ही मैच जीतने का मौका मिला। सुरेश, जिन्होंने पिछले साल भारत के लिए डेविस कप में डेब्यू किया था, ने शुरुआती सेट में ही सर्विस तोड़कर तुरंत असर डाला, और डीप रिटर्न से अजदुकोविक की डिलीवरी पर लगातार दबाव बनाया। एक भरोसेमंद सर्व और बेसलाइन से क्लीन बॉल-स्ट्राइकिंग के दम पर, उन्होंने आराम से बढ़त बनाए रखी और सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में अजदुकोविक ने सर्विस पर ज़ोर दिया, लेकिन सुरेश ने रैली में सब्र रखा और पांचवें गेम में मौके का फ़ायदा उठाते हुए कई एग्रेसिव फोरहैंड से जीत हासिल की। वहां से, उन्होंने बहुत ज़्यादा संयम दिखाया, और सर्विस को पूरे अधिकार के साथ पकड़कर सीधे सेटों में जीत पक्की कर ली। इस बीच, क्रोएशिया के बोर्ना गोजो और कज़ाकिस्तान के बेइबिट ज़ुकायेव ने अपने-अपने मैचों में भारतीय चुनौतियों का सामना किया, और करण सिंह को 6-2, 6-4 और आर्यन शाह को 6-1, 6-2 से हराया। जर्मनी के सेड्रिक-मार्सेल स्टेबे ने ज़बरदस्त वापसी करते हुए नीदरलैंड्स के सातवें सीड मैक्स हाउकेस को 4-6, 6-3, 6-1 से हराया और राउंड ऑफ़ 16 में पहुँच गए। यूक्रेन के एरिक वैनशेलबोइम, मलेशिया के मित्सुकी वेई कांग लिओंग और फ्रांस के फेलिक्स बालशॉ भी दिन में पहले ही आगे बढ़ गए थे। एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में डबल्स मुकाबले शुरू हुए, जिसमें भारतीय जोड़ी साकेत माइनेनी और आदिल कल्याणपुर ने साउथ अफ्रीका के लॉयड हैरिस और भारत के सुमित नागल को कड़े मुकाबले में 7-6(3), 4-6, 13-11 से हराया। फ्रांस के तीसरे सीड आर्थर रेमंड और लुका सांचेज़, साथ ही कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस और अमेरिकी बेंजामिन किट्टे भी डबल्स क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँच गए।

तीसरी सीड रिबाकिना ने झांग शुआई को हराया

सिडनी (वार्ता)। एलेना रिबाकिना ने मंगलवार रात ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में चीन की झांग शुआई का सफर खत्म कर दिया और चीनी अनुभवी खिलाड़ी को 6-3, 7-5 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। दुनिया की नंबर 79 खिलाड़ी झांग को 26 साल की तीसरी सीड खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेंटर कोर्ट पर एक घंटे और 12 मिनट में हरा दिया। 36 साल की खिलाड़ी, जिन्होंने ब्रिस्बेन में पहले ही दो तीन-सेट के क्वालिफाइंग मैच और एक तीन-सेट का पहले राउंड का मैच खेला था, पहले सेट में 5-1 से पीछे हो गईं, लेकिन अगले सात में से पांच गेम जीतकर रिबाकिना पर दबाव बनाया। नवंबर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स में खिताब जीतने के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेलने वाली रिबाकिना ने कहा, यह सच में एक बहुत मुश्किल मैच था। यह आसान नहीं था, खासकर दूसरे सेट में, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं इसे पलटने में कामयाब रही। रिबाकिना की पावरफुल सर्व निर्णायक साबित हुई, जिसमें 16 ऐस शामिल थे, जिसमें एक ऐस उनके दूसरे मैच प्वाइंट पर आया जब झांग ने पहला मैच प्वाइंट बचा लिया था। रिबाकिना तीसरे राउंड में पाउला बडोसा या मैरी बोजकोवा में से किसी एक से खेलेंगी।

आयुष शेट्टी ने ली जी जिया को हराया, लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में

कुआलालंपुर (वार्ता)।

भारत के आयुष शेट्टी ने 2026 सीजन की शानदार शुरुआत की और मलेशिया ओपन के पहले राउंड में पेरिस ओलंपिक मेडलिस्ट ली ज़ी जिया को हरा दिया। आयुष ने बुकिट जलील में सुपर 1000 इवेंट में सिर्फ़ 39 मिनट में अनुभवी शटलर को 21-12, 21-17 से मात दी। पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। आयुष शेट्टी, जिनका 2025 में शानदार साल रहा था, ली के खिलाफ़ अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल खेलते हुए शांत और संयमित दिखे।

आयुष ने पिछले साल जून में यूएस ओपन जीता था और ऑस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुंचकर सीजन खत्म किया था, इन नतीजों से टूर पर उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे ली, भारतीय शटलर द्वारा तय की गई तीव्रता

और गति का मुकाबला करने में संघर्ष करते दिखे। मलेशियाई खिलाड़ी लंबे समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रहा था और मैच की लय में कमी दिख रही थी। ली, जिन्होंने 2024 में ओलंपिक कांस्य पदक जीता था, फिटनेस समस्याओं से जूझने के कारण 2025 सीजन में केवल पांच टूर्नामेंट में खेले थे। आयुष के प्रदर्शन ने एक बार फिर उनकी क्षमता के बारे में बढ़ते विश्वास को रेखांकित किया है। युवा भारतीय की तुलना भारतीय बैडमिंटन जगत में शुरुआती सालों में विक्टर एक्सेलसन से की जा रही है, खासकर उनके आक्रामक स्वभाव और कोर्ट पर शारीरिक मौजूदगी के लिए। उन्हें व्यापक रूप से साल के अंत तक विश्व रैंकिंग के टॉप 20 में जगह बनाने का समर्थन मिल रहा है।

आयुष अब दूसरे राउंड में एक कड़ी चुनौती का सामना करेंगे जब उनका मुकाबला चीन के टॉप सीड शी युकी से होगा, क्योंकि वह सीजन की अपनी प्रभावशाली शुरुआत जारी रखना चाहते हैं। लक्ष्य सेन ने 70 मिनट में जिया पर 21-16 15-21 21-14 के स्कोर से रोमांचक जीत हासिल की। 24 साल के सेन, जो अभी वर्ल्ड नंबर 13 पर हैं, अगले मैच में हांगकांग के ली चेउक यियू या फ्रांस के छठे सीड क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे। महिला सिंगल्स में, मालविका बंसोड़ को थाईलैंड की सातवीं सीड रत्चानोक इंतानोन से 11-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पडिक्कल ने 600 रन बनाकर विजय हजारे में इतिहास रचा

बेंगलुरु (वार्ता)। देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में एक बार फिर इतिहास रच दिया है, क्योंकि वह भारत की प्रमुख घरेलू एक दिवसीय प्रतियोगिता के तीन अलग-अलग सीजन में 600 या उससे ज़्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। पडिक्कल ने यह उपलब्धि मंगलवार को गुजरात कॉलेज ग्राउंड में राजस्थान के खिलाफ कर्नाटक के एलीट ग्रुप ए मैच के दौरान हासिल की। राजस्थान के खिलाफ, पडिक्कल ने एक और अहम भूमिका निभाई, 82 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 91 रन बनाए, और कप्तान मयंक अग्रवाल के साथ 184 रन की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप करके कर्नाटक की पारी को संभाला। इस जोड़ी ने कर्नाटक को एक मजबूत शुरुआत दी, जब राजस्थान ने फील्डिंग करने का फैसला किया तो एक मज़बूत प्लेटफॉर्म तैयार किया। चल रहे 2025-26 सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन में 147, 124 और 113 के शतक शामिल हैं, जो अलग-अलग मैदानों और परिस्थितियों में उनकी निरंतरता को दिखाता है। अपने असाधारण फॉर्म के बावजूद, पडिक्कल को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, जिससे क्रिकेट जगत में हैरानी हुई। इस अनदेखी ने घरेलू क्रिकेट में दबदबा बनाने और राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए एक मजबूत दावा पेश करने के उनके दृढ़ संकल्प को और बढ़ा दिया है।

देश के भविष्योन्मुखी विकास के लिए सस्ती बिजली जरूरी : अनिल अग्रवाल

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश के भविष्योन्मुखी विकास के लिए ऊर्जा के महत्व को रेखांकित करते हुए वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि विकास के लिए सस्ती बिजली जरूरी है। विजुअल कैपिटलिस्ट का एक ग्राफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, भारत के पास बिजली (पारंपरिक और नवीकरणीय) उत्पादन और पारेषण में बड़ा अवसर है। हमें घरेलू इस्तेमाल के लिए, फैक्ट्रियों के लिए और डाटा सेंटरों के लिए सस्ती बिजली आपूर्ति करनी है। उन्होंने परियोजनाओं में तेजी लाने और नीति को सरल बनाने की वकालत करते हुए लिखा कि बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण एक ही नीति का हिस्सा होने चाहिये। कंपनियों को हर पहलू पर काम करना चाहिये। ऐसा करके ही वर्तमान में भविष्योन्मुखी बना जा सकता है। श्री अग्रवाल ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और महत्वपूर्ण खनिजों से संचालित भविष्य की अर्थव्यवस्थाओं को आकार देने में सस्ती और सुरक्षित बिजली की भूमिका बेहद अहम होगी। ग्राफ के आंकड़ों के हवाले से उन्होंने कहा कि आज चीन की बिजली उत्पादन क्षमता अमेरिका की तुलना में लगभग

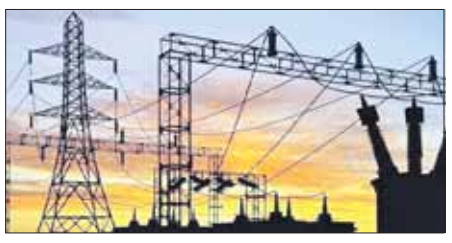

दोगुनी है, जबकि उसकी अर्थव्यवस्था का आकार अमेरिका से काफी छोटा है। बिजली अवसंरचना में किया गया यह दीर्घकालिक निवेश एआई के दौर में एक बड़ी बढ़त साबित होगा, जहां डेटा सेंटर्स, उन्नत विनिर्माण और खनिज प्रसंस्करण जैसे क्षेत्र अत्यधिक ऊर्जा-आधारित हैं।

ग्राफ के अनुसार, चीन ने साल 2024 में 10.1 हजार टेरा वाट आवर (टीडब्ल्यूएच) बिजली का उत्पादन किया जबकि अमेरिका में उत्पादन 4.4 हजार टीडब्ल्यूएच रहा। यूरोपीय संघ 2.7 हजार, भारत 2.1 हजार और जापान एक हजार टेरा वाट आवर के साथ शीर्ष पांच में रहे। श्री अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका पहले से ही बिजली की कमी का सामना कर रहा है।

अमेजन पे ने भारत में सावधि जमा की शुरुआत की

नयी दिल्ली (वार्ता)। भुगतान सुविधा प्लेटफॉर्म अमेजन पे ने भारत में अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए मंगलवार को सावधि जमा सुविधा की शुरुआत की घोषणा की। अमेजन पे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने इसके लिए दो प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस तथा पांच बैंकों शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, साउथ इंडियन बैंक, स्लाइस और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ग्राहक अमेजन पे पर सिर्फ 1,000 रुपये से सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। इसके लिए उन्हें संबंधित बैंक में बचत खाता खोलने की जरूरत भी नहीं होगी। साझेदार संस्थान आठ प्रतिशत सालाना तक की ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं। सभी साझेदार वरिष्ठ नागरिकों को अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत ब्याज प्रदान करते हैं। श्रीराम फाइनेंस महिला निवेशकों को भी 0.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज की पेशकश कर रहा है। अमेजन पे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास बंसल ने कहा, भारत में सुनिश्चित आय वाले उपकरण काफी लोकप्रिय हैं, क्योंकि इनकी संरचना सरल होती है, रिटर्न सुनिश्चित होता है और जोखिम कम होता है। नये साल की शुरुआत में हम ग्राहकों के लिए विकल्पों का विस्तार कर रहे हैं और उन्हें अपनी बचत पर बेहतर रिटर्न पाने में मदद कर रहे हैं।

चावल, दालों के भाव बढ़े- गेहूं, चीनी स्थिर-तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ दालों में भी तेजी रही जबकि गेहूं और चीनी में टिकाव रहा। खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 19 रुपये बढ़कर 3,866 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा पांच रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तेजी रही। उड़द दाल औसतन 31 रुपये और मूंग दाल 30 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 28 रुपये और तुअर दाल की 21 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। चना दाल भी 14 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 22 रिंगिट टूटकर 3,992 रिंगिट प्रति टन रह गया। मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.10 प्रतिशत उतरकर 49.82 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 21 रुपये टूट गयी। सरसों तेल 17 रुपये और सोया तेल पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, वनस्पति में 26 रुपये की तेजी रही। सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल 14-14 रुपये

प्रति क्विंटल चढ़े। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़े। वहीं, चीनी लगभग स्थिर रही। दाल चना 7797.55 रुपये, मसूर काली 8168.30 रुपये, मूंग दाल 10101.89 रुपये, उड़द दाल 10399.46 रुपये, तुअर दाल 10613.30 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज = (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2849.13 रुपये और चावल 3865.74 रुपये प्रति क्विंटल। आटा (गेहूं) 3299.13 रुपये प्रति क्विंटल।

चीनी-गुड़ = चीनी एस 4299.62 रुपये और गुड़ 4988.65 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल = सरसों तेल 17606.49 रुपये, मूंगफली तेल 17876.51 रुपये, सूरजमुखी तेल 15858.51 रुपये, सोया तेल 13786.32 रुपये, पाम ऑयल 12463.85 रुपये और वनस्पति 14514.21 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

अडानी के एनसीडी को मिला चार गुना से ज्यादा प्रतिसाद

मुंबई (वार्ता)। अडानी समूह की मुख्य कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) मंगलवार को जारी किया गया और खुलते ही निवेशकों ने इसे हाथों-हाथ सबस्क्राइब किया। पहले दिन एनसीडी को चार गुणा से अधिक प्रतिसाद मिला। इस इश्यू का न्यूनतम आकार 500 करोड़ रुपये था और 500 करोड़ रुपये अतिरिक्त राशि स्वीकार करने का प्रावधान रखा गया था। एक एनसीडी का मूल्य 1,000 करोड़ रुपये रखा गया है। पहले दिन बाजार बंद होते समय तक बीएसई में 2,15,95,593 एनसीडी को सबस्क्राइब किया गया था। कुल 2,19,17,060 एनसीडी सबस्क्राइब हुए जो 4.38 गुना (438.34 प्रतिशत) है। जानकारी के मुताबिक, पहले 10 मिनट में ही 500 करोड़ रुपये का एनसीडी सबस्क्राइब हो गया था। यह 45 मिनट में ही ओवर सबस्क्राइब हो गया था। एनसीडी इश्यू 19 जनवरी तक खुला हुआ है लेकिन कंपनी के पास इसे समय से पहले बंद करने का अधिकार है। एनसीडी में कंपनी बैंक से ऋण लेने के बदले सीधे निवेशकों से पैसे उधार लेती है। इसकी अवधि पूर्व निर्धारित होती है। तब तक कंपनी निवेशकों को निश्चित ब्याज देती है और अवधि पूरी होने के बाद मूल राशि वापस करती है। अडानी एंटरप्राइजेज ने बताया कि इसमें ब्याज की प्रभावी दर 8.90 प्रतिशत सालाना तक होगी। एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के होंगे। चौबीस महीने में वार्षिक या एकमुश्त ब्याज के विकल्प होंगे। वहीं, 36 महीने और 60 महीने की अवधि में तिमाही, वार्षिक या एकमुश्त ब्याज के विकल्प होंगे। हर विकल्प पर ब्याज की दर अलग-अलग होगी। यह अडानी एंटरप्राइजेज का तीसरा एनसीडी है। इसे केयर रेटिंग्स ने केयर एए माइनस रेटिंग दी है।

गिरावट से उबरा रुपया, डॉलर के मुकाबले 12 पैसे मजबूत

मुंबई, (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 12 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.18 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा में लगातार चार दिन की गिरावट के बाद तेजी लौटी है। पिछले कारोबारी दिवस पर सोमवार को यह 9.50 पैसे टूटकर 90.30 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये में आज शुरू से ही तेजी रही। यह आठ पैसे की बढ़त में 90.22 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। इसका दिवस का निचला स्तर 90.25 रुपये और ऊपरी स्तर 90.08 रुपये प्रति डॉलर रहा। बैंकों की डॉलर बिकवाली से आज रुपये में मजबूती रही। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की तेजी तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ा और इसकी बढ़त सीमित रही।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरी गिरावट

रिलायंस का शेयर 4.4 प्रतिशत लुढ़का

मुंबई (वार्ता)।

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मुनाफावसूली के कारण मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 376.28 अंक (0.44 प्रतिशत) टूटकर 85,063.34 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की निफ्टी-50 सूचकांक 71.60 अंक यानी 0.27 फीसदी नीचे 26,178.70 अंक पर बंद हुआ। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट का शेयर 8.62 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी मुनाफावसूली का दबाव रहा और इसका शेयर 4.42 प्रतिशत टूटा। मझौली कंपनियों के निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.06 फीसदी और छोटी कंपनियों के निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.22 प्रतिशत की गिरावट रही। तेल एवं गैस, रसायन और मीडिया सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। स्वास्थ्य, फार्मा, आईटी और सार्वजनिक बैंकों के समूहों के सूचकांक

हरे निशान में रहे। एनएसई में कुल 3,237 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,889 के शेयरों में गिरावट और 1,238 में बढ़त रही। अन्य 110 कंपनियों के शेयर अंत में अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 13 के शेयरों में गिरावट रही। ट्रेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा आईटीसी का शेयर 2.07 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक का 2.02 प्रतिशत गिर गया। इंडिगो में 1.96 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक में 1.56, अडानी पोर्ट्स में 1.30, पावरग्रिड में 1.16 और इटरनल में 1.08 प्रतिशत की गिरावट रही। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.87 प्रतिशत चढ़ा। हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.75 फीसदी, सनफार्मा में 1.73, भारतीय स्टेट बैंक में 1.33, टीसीएस में 1.28 और एशियन पेंट्स में 1.09 प्रतिशत की बढ़त रही। अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, टाइटन, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और इंफोसिस के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 1.50 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.38 प्रतिशत और जापान का निक्केई 1.32 प्रतिशत चढ़ गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.67 फीसदी और जर्मनी का डैक्स 0.15 फीसदी ऊपर था।

मॉइल का मैंगनीज उत्पादन तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड 4.77 लाख टन पर

नयी दिल्ली (वार्ता)। मिनीरत्न कंपनी मॉइल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन चालू वित्त वर्ष की 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 4.77 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इस्पात मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि मॉइल का उत्पादन अक्टूबर-दिसंबर तिमाही 2025 में 4.77 लाख टन और बिक्री 3.74 लाख टन रही। बिक्री में गिरावट आयी है जबकि उत्पादन ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उत्पादन 4.60 लाख टन और बिक्री 3.88 लाख टन रही।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप हो नगरीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में म.प्र. अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के संचालक मंडल की हुई बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नगरीय विकास परियोजनाओं को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वित किया जाए। नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति को सुधारने, नगरीय क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ाने, नागरिक सेवा में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के अधिकाधिक उपयोग, अर्बन मोबिलिटी तथा ई-वाहन के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। नमामि गंगा अभियान के समान ही नमामि नर्मदे परियोजना पर कार्य आरंभ कर नर्मदा नदी तट की नगरीय बसाहटों के ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरणीय सुधार और उपचारित जल के पुन: उपयोग के लिए कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी नगरीय निकायों में जलापूर्ति और सीवरेज व्यवस्थाओं के प्रति विशेष रूप से सजगता और सतर्कता बरती जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के संचालक मंडल की 11वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास राय मंत्री प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा संचालक मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कंपनी के

प्रबंधकीय, वित्तीय और लेखा परीक्षा तथा अंकेक्षण संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

4 स्वतंत्र व्यावसायिक प्रभागों का गठन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश में शहरी विकास के लिए म.प्र. अर्बन डेवलपमेंट कंपनी में 4 स्वतंत्र व्यावसायिक प्रभागों के गठन के प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई। इसमें परिसंपत्ति प्रबंधन और पीपीपी मोड, सूचना प्रौद्योगिकी, शहरी गतिशीलता और नमामि नर्मदे तथा हरित एवं नदी संरक्षण के लिए प्रभागों का गठन प्रस्तावित है। परिसंपत्ति प्रबंधन और पीपीपी प्रभाग के अंतर्गत नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने, जन हित कार्यों में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय अनुशासन, नीति आयोग तथा अन्य संबद्ध विभागों से समन्वय तथा मेट्रोपोलिटन एरिया डेवलपमेंट प्लानिंग को प्राथमिकता से लिया जाएगा। इसमें सोलर प्रोजेक्ट्स, हरित बांड, अप्रयुक्त परिसंपत्तियों के वैकल्पिक उपयोग जैसे नवाचार भी प्रस्तावित हैं। सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग के अंतर्गत ई-नगर पालिका प्रणाली, सीसीटीवी-जीआईएस आधारित निगरानी व्यवस्था, नागरिक सेवा प्लेटफार्म के उन्नयन, टोल संग्रह ई-पोर्टल एवं ऑनलाइन राजस्व संग्रहण जैसी स्मार्ट सिटी प्रणालियां संचालित की जाएंगी।

विकास के लिए योजना बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के नगरीय निकायों के आस-पास के क्षेत्रों के नियोजित विकास के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नर्मदा और तापी नदी के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए नदियों के समग्र और सर्वांगीण विकास के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे के समान नमामि नर्मदे परियोजना का क्रियान्वयन सभी संबंधित विभाग समन्वित रूप से करें। इसमें नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग, उद्योग विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ई-वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण होगा

बैठक में बताया गया कि शहरी गतिशीलता प्रभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश ईवी पॉलिसी क्रियान्वयन, मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, रोपवे, मल्टी लेवल पार्किंग, सार्वजनिक साइकिल सेवा, सिटी मोबिलिटी प्लान तथा ई-वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जाएगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, संजय दुबे, दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह, पी. नरहरि, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं आवास संकेत भोंडवे तथा कंपनी के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

डायल 112 का ड्राइवर निकला शराब तस्कर

बेटे को छोड़ बाप पर मुकदमा दर्ज

पथरिया (स्वतंत्र मत)

शराब तस्करी की वारदात होना अब एक आम चर्चा का विषय बन चुका है। जिले में अवैध शराब तस्करों ने अपने पैर पसार रखे हैं। ताजुब की बात तो यह है कि पथरिया थाना अंतर्गत डायल 112 का ड्राइवर मनीष विश्वकर्मा ही अवैध शराब तस्कर निकला। अब इस ड्राइवर ने दिया तले अंधियारा वाली कहावत सही कर दी क्योंकि पुलिस बल के साथ डायल 112 ही ऐसी छापामारी कार्यवाही में अपनी अहम भूमिका निभाती है। परंतु जब सरकारी वाहन चालक ही तस्करी में मुलब्बिस हो जाए तो तस्करी के कामों में आसानी हो जाती है। दरअसल यह मामला सोमवार बीती रात का है। जब भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों द्वारा वार्ड नंबर 5 में अवैध शराब पर दबिश दी गई, दबिश के दौरान पता चला इस समस्त घटना को अंजाम पुलिस की डायल 112 का ड्राइवर दे रहा था। संगठन के पदाधिकारी खिलान पटेल ने बताया कि उन्हें शराब के बारे में सूचना मिली और वह सूचना के पश्चात मौके पर पहुंचे तब मनीष विश्वकर्मा, उसके पिता एवं दो और अन्य लोग शराब को चार पहिया वाहन से अपने घर के बाहर उतार रहे थे। थोड़ी देर बाद ही वहां पुलिस ने दबिश दी, उसके उपरांत इन लोगों ने अंधेरे का फायदा उठाकर शराब को यहां वहां कर दिया। मौके पर चार पेटी एवं 2 थैले ही प्राप्त हुए जो कि 277 पाव है। जबकि संगठन के समस्त लोगों ने देखा कि चार पहिया वाहन भरकर शराब आई थी और उतारी गई। ताजुब की बात तो यह है कि कुछ ही देर में इतनी बड़ी मात्रा में उतरी अवैध शराब कहा गई। इसके अलावा पुलिस ने मौके पर आकर पंचनामा

तैयार किया जिसमें मनीष विश्वकर्मा के पिता को आरोपी बनाया। इस समस्त घटना क्रम में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते है। जब मौके पर मनीष विश्वकर्मा और उसके पिता सहित दो और अन्य लोग मुलब्बिस थे तो सिर्फ एक आदमी पर मुकद्दमा दर्ज क्यों, मनीष विश्वकर्मा डायल 112 का ड्राइवर है और मौके पर मौजूद था। फिर मनीष पर पुलिस द्वारा इतनी मेहरबानी क्यों, क्या डायल 112 के पायलेट को बचाकर पुलिस अपनी साख बचाना चाहती है।

इनका कहना है

सूचना के दौरान छापामारी की जिसमें 277 देशी पाव मिले है जो कि दामोदर विश्वकर्मा के घर के पीछे मिले, इसके बाद दामोदर पर मामला दर्ज करए 112 के पायलेट मनीष विश्वकर्मा को भी बर्खास्त कर दिया है।

अमित मिश्रा, थाना प्रभारी पथरिया

नपा ने 10 अवैध कालोनियां चिन्हित कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर कार्यालय भेजा पत्र

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका ने पहली बार 10 भूमि स्वामियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कॉलोनी विकसित कर प्लाट बेचने की मामले में कार्रवाई हेतु कलेक्टर दमोह को पत्र भेजा गया है जबकि नपा सीमा में ही पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटेल के परिजनों द्वारा तीन अवैध कालोनियां काटकर सैकड़ों प्लाट बेच दिए गए हैं। इसके बावजूद भी नपा ने इनकी किसी भी कालोनी का नाम सूची में शामिल नहीं किया है। इसके पूर्व एसडीएम द्वारा भी लगभग 10 भूमि स्वामियों के खिलाफ राजस्व टीम द्वारा जांच कराई थी और जिसमें तीन कालोनाइजरों के खिलाफ कार्रवाई हेतु 1 साल पहले कलेक्टर को प्रतिवेदन भी भेजा था किंतु उन मामलों में कार्रवाई हो पाती की सीएमओ राजेंद्र खरे द्वारा 10 भूमि स्वामियों को सूचीबद्ध करते हुए एसडीएम को प्रतिवेदन लेख किया है कि गणेश पिता राजाराम यादव गंगा झिरिया, फरीद खान यूनिस खान दमोह पन्ना रोड, नपा के पूर्व उपाध्यक्ष बलराम दुबे और बृजेश दुबे चंडीजी वार्ड, हरी प्रसाद दुबे लालटेक शास्त्री वार्ड, हर्षवर्धन पांडे माडल स्कूल के पीछे, राजाराम यादव सिविल कोर्ट के पीछे, राजेश अग्रवाल सिद्धार्थ पैलेस के बाजू में एवं भरत योगेश राय नवोदय विद्यालय के सामने द्वारा अपनी भूमि को प्लाट के रूप में बताकर कॉलोनी के रूप में विकसित कर दिया है जिनको नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 की प्रावधानों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु लेख किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस सूची में गंगा झिरिया क्षेत्र में 50 से यादा प्लाट विक्रय करने वाले जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष शिवचरण पटेल का नाम गायब है। शिवचरण पटेल द्वारा अपनी पत्नी मायारानी पटेल एवं पुत्र इंद्रपाल पटेल के नाम से सैकड़ों प्लांट विक्रय किए गए हैं और किया जा रहे हैं लेकिन नगर पालिका द्वारा उनका नाम छोड़ दिया गया। यह उल्लेखनीय है कि जीआरपी नगर के नाम से कॉलोनी विकास की अनुज्ञा ली गई है जिसमें पूर्व मंत्री स्व. गंगाराम पटेल के पुत्र राधिका पटेल द्वारा कॉलोनी विकसित की जा रही है लेकिन नगर पालिका जीआरपी नगर में भूमि विकास की अनुमति मानकर कार्रवाई से परहेज कर रही है जबकि शिवचरण पटेल इस कॉलोनी से सटी भूमि को भी प्लाट बनाकर बेच रहे है जो जांच की परिधि में है।

पानी में किसी प्रकार की गंदगी न रहे : कलेक्टर

नगर पालिका सीएमओ को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज नगर पालिका की टीम के साथ राजनगर जल सप्लाई प्लांट, दमोह फिल्टर प्लांट, धरमपुरा वार्ड में पानी सप्लाई एवं न्यू पीएम आवास में पानी सप्लाई का निरीक्षण किया और नगर पालिका सीएमओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर कोचर ने कहा आज नगरपालिका की टीम के साथ पानी के प्रवाह तंत्र का निरीक्षण किया। राजनगर से पानी आगे की ओर सप्लाई होता है। पानी में यदि किसी प्रकार की गंदगी हैए तो उसको दूर करने कार्ययोजना बनाई जा रही हैं ताकि प्रॉपर सफाई हो जाये और पानी में किसी प्रकार की गंदगी न रहे। फिल्टर प्लांट के बारे में निर्देश दिए हैं, डिटेल में आदेश भी जारी किये जा रहे हैं। रसायन शास्त्र के विशेषज्ञ सहित पांच-छह विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है। उन्होंने कहा फिल्टर प्लांट लैब की प्रक्रिया है जिसके माध्यम से पानी की वहां पर टेस्टिंग होती है, उसका पूरा अध्ययन किया जायेगा। उपकरणों को देखेंगे और उसके बाद एक रिपोर्ट देंगे कि व्यवस्थाएं किस प्रकार की हैं और इसमें किस प्रकार के सुधार की जरूरत है।

कलेक्टर ने सीएमओ नगरपालिका को निर्देशित किया गया है कि सप्ताह में कम से कम

एक बार फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करेंगे। वहां पर एक निरीक्षण पंजी बनाने के निर्देश दिए गए हैं कि वहां पर उसका एक निरीक्षण पंजी में उनके निरीक्षण की टीप हर हफ्ते डलेगी। कलेक्टर धरमपुरा वार्ड पहुंचे वहां पानी सप्लाई हो रहा था, धरमपुरा वार्ड में ग्राउंड पर, घरों में पानी की टेस्टिंग के लिए गए थे। टेस्टिंग आम व्यक्तियों के सामने कराई गई, पानी की स्थिति व क्वालिटी तो बहुत अच्छी पाई गई। उन्होंने कहा दोबारा जुझार घाट का भ्रमण किया जायेगा और साथ में जिन जगहों से सीएम हेल्पलाइन या दमोह हेल्पलाइन में शिकायत आई है, उन जगहों का भी भ्रमण करेंगे ताकि वहां पर देख लिया जाए कि पानी की क्वालिटी क्या हैए पानी की क्वालिटी खराब है या फिर किसी और कारण से वहां पर पानी दूषित हो रहा है। उन्होने पीएम आवास न्यू दमोह में भ्रमण कर पानी चेक किया वहां पर भी पानी की क्वालिटी बहुत अछी पाई गई।

लगातार इसका निरीक्षण किया जायेगा। कलेक्टर ने तय किया है एक भ्रमण थोड़े दिनों के बाद जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों के साथ भी फिल्टर प्लांट का किया जायेगा ताकि वह भी देख सकें कि किस तरह की हमारी गतिविधियां हैं। किस प्रकार से काम किया जा रहा हैं, इससे पारदर्शिता और अधिक बढ़ेगी।

हटा नगरीय क्षेत्र में घर घर हो रही पेयजल की सैंपलिंग

हटा (स्वतंत्र मत)। इंदौर में दूषित पेयजल से हुई मौतों से सबक लेकर नगरीय प्रशासन एवं विकास बिभाग द्वारा प्रदेश स्तरीय अभियान चलाया गया है जिसमे नगरीय निकायों द्वारा पाइप लाइन से प्रदाय किये जाने बाले पानी का परीक्षण किया जाना है। हटा में भी जल प्रदाय कर्मचारियों द्ववारा लोगो से संपर्क करके नलों से पहुंच रहे पानी की जानकारी ली जा रही है। अनेक घरों के पानी के सैम्पल लिए जा रहे हैं ताकि उनका लैब मे टेस्टिंग कराई जा सके। जल प्रदाय टीम के राजू लखेरा, दम्मू पटेल, रानू राजपूत आदि द्वारा पेयजल की सैंपलिंग की जा रही है।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा नाम दिव्या जेसवानी (DIVYA JESWANI) पति सुनील जेसवानी पता- D/3 दत्त विला राम लला मंदिर रोड नेपियर टाउन जिला जबलपुर है। विनम्र निवेदन है कि- मेरा पुराना नाम रीना विजय काकवानी पिता विजय टीकमदास काकवानी है। जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। यह कि विवाह के बाद मेरा नाम दिव्या जेसवानी पति सुनील जेसवानी हो गया है। जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं ड्राइविंग लाइसेंस में दर्ज है। अब से मुझे मेरे नया नाम दिव्या जेसवानी पति सुनील जेसवानी के नाम से जाना वा पहचाना जावें।

नया नाम- दिव्या जेसवानी
पुराना नाम- रीना विजय काकवानी

नाम परिवर्तन सूचना

मैं टेकचन्द टहलानी पिता खेमचन्द टहलानी यह कथन करता हूँ कि मेरी दसवी की मार्कशीट में मेरा नाम टेकचन्द टहलानी (TEKCHAND TAHLANI) पिता खेमचन्द टहलानी (KHEMCHAND TAHLANI) लिखा है। जो गलत है। मेरी अन्य शासकीय दस्तावेज, आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक, आदि में टेकचन्द टहलानी (TEKCHAND TEHLANI) है। जो सही है। अतः अब मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जायें।

गलत नाम- टेकचन्द टहलानी (TEKCHAND TAHLANI)
सही नाम- टेकचन्द टहलानी (TEKCHAND TEHLANI)

आत्मनिर्भरता की नई उड़ान भर रहीं ग्रामीण महिलाएं : डॉ. यादव

89 नमो ड्रोन दीदियों ने प्राप्त किया सफल पायलट प्रशिक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए प्रारंभ की गई नमो ड्रोन दीदी योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए एक मिसाल बन रही है। यह योजना महिलाओं को आधुनिक ड्रोन तकनीक से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश में अब तक 89 ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन पायलट का सफल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिससे उनमें आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना जागृत हुई है। नमो ड्रोन दीदियां कृषि कार्यों में उर्वरक एवं कीटनाशक छिड़काव जैसी सेवाएं प्रदान कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं। योजना के तहत ड्रोन खरीद पर कुल लागत का 80 प्रतिशत अनुदान हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जा रहा है हितग्राही महिला को केवल 50 हजार रूपये का अंशदान करना होता है। इससे महिलाएं न केवल अपनी आय बढ़ा रही हैं, बल्कि किसानों को भी समय एवं श्रम की बचत के साथ किफायती सेवाएं मिल रही हैं।

महिलाओं को नई आजीविका के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना अंतर्गत प्रदेश में एक हजार से अधिक महिलाओं को ड्रोन प्रशिक्षण एवं ड्रोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। नमो

ड्रोन दीदीयां किसानों के खेतों में आधुनिक तकनीक से उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव कर रही हैं, जिससे फसलों की उत्पादकता बढ़ रही है और परिचालन लागत कम हो रही है। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ महिलाओं को नई आजीविका के अवसर प्रदान कर रही है।

ड्रोन की उड़ान से बदला जीवन

जबलपुर की सपना काछी ने ग्राम गोकलपुर में अपने गांव की महिलाओं के साथ ओम शांति ओम स्व-सहायता समूह बनाया। उन्होंने सिलाई, कृषि और ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण लिया। मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता से सिलाई मशीन और सामुदायिक निवेश निधि से प्राप्त राशि से गाय खरीदी। सब्जी उत्पादन, सिलाई और दुग्ध व्यवसाय से उनकी मासिक आय 20-22 हजार रुपये हो गई। ड्रोन तकनीक अपनाने के बाद उनकी आय में और वृद्धि हुई।1200 एकड़ में स्प्रे कर केवल ड्रोन से 2.86 लाख रुपये कमाए, अब उनकी मासिक आय 30-35 हजार रुपये है।

नमो ड्रोन दीदी योजना प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि का प्रतीक

खंडवा की कविता चौहान ने रेवापुर गांव में संत सेवालाल स्व-सहायता समूह से अपनी यात्रा शुरू की। ऑनलाइन दुकान से मासिक आय 18-20 हजार रुपये होने लगी। ग्वालियर में नमो ड्रोन प्रशिक्षण लेकर ड्रोन दीदी बनीं। 2 हज़ार 500 एकड़ से अधिक खेतों में स्प्रे कर 7.68 लाख रुपये से अधिक आय अर्जित की। भोपाल में 31 मई 2025 को जंबूरी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना और संवाद करना उनके जीवन का सबसे यादगार पल था। शाजापुर की प्रियंका सौराष्ट्रीय ने बताया कि नव दुर्गा स्व-सहायता समूह की सदस्य होने के नाते उन्हें इफको से नि:शुल्क ड्रोन मिला। साथ ही किसान संजय गुर्जर को भी ड्रोन दिया गया। वे दोनों अब 300 रुपये प्रति एकड़ की दर से नैनो यूरिया और अन्य कृषि आदानों का छिड़काव कर अछी आय अर्जित कर रहे हैं। रायसेन की वंदना केवट ने बताया कि नमो ड्रोन दीदी योजना से ड्रोन मिलने के बाद उन्होंने 450 किसानों के खेतों में स्प्रे किया। इससे समय और लागत की बचत हुई और फसलों में समान व प्रभावी छिड़काव हुआ।अब तक 6.05 लाख रुपये की आय हुई। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम डॉक. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। सीहोर के इछावर की संगीता ने बताया कि वे आत्मनिर्भर महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की बोर्ड सदस्य हैं। कंपनी का गठन वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 10 हजार एफपीओ योजना से हुआ।इससे 2 हज़ार किसान शेयर धारक जुड़े हैं। कंपनी बीज, खाद, दवाएँ और च्व्दीदी सुदानाज्ञ पशु आहार सप्लाई करती है। अब तक 6.03 करोड़ का कारोबार और 4.5 लाख का लाभ हुआ। वे प्रधानमंत्री श्री मोदी, सीएम डॉ. यादव और ग्रामीण आजीविका मिशन का आभार व्यक्त करती हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदृष्टि का प्रतीक है, जो ग्रामीण महिलाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रही हैं। मध्यप्रदेश में इस योजना का तेजी से विस्तार हो रहा है।

तिल चतुर्थी पर गजानन टेकरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

दमोह (स्वतंत्र मत)।

सकल हिन्दू समाज जिला उपाध्यक्ष राजीव राय सावजी ने बताया कि माघ चतुर्थी के अवसर पर मंगलवार को हिंदू धर्म के प्रथम देव के रूप में विख्यात भगवान गणपति की पूजा-अर्चना पूरे विधिविधान से की गई। इस मौके पर शहर के गजानन टेकरी संतोषी माता मंदिर परिसर में नगर पुरोहित पंडित राजेश पाठक के मार्गदर्शन में हवन पूजन प्रारंभ किया गया। सिद्धि विनायक के दर्शनार्थ मानो श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा हो। सुबह से ही मंदिर पर पूजा अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का जो क्रम शुरू हुआ, वह देर रात तक जारी रहा। फूलमाला और विद्युत झालरों से सुसजित मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं श्रीमती स्वर्णिमा अरुणा गायकवाड पति सुरेश कुमार गायकवाड निवासी-पी.डब्ल्यू.डी क्वाटर शंकरशाह नगर ग्वारीघाट रोड जबलपुर, नि.लि. शपथपूर्वक कथन करती हूं कि- यह कि मैं उक्त पते की निवासी हूं। यह कि मेरे विवाह के पूर्व मेरा नाम स्वर्णिमा अरुणा लोगन पिता सूनील लोगन था। यह कि मैं मेरा विवाह 05.01.2015 को पति श्री सुरेश कुमार गायकवाड के साथ हुआ है। यह कि अब मैं श्रीमती स्वर्णिमा अरुणा गायकवाड हूं विवाह के पूर्व मेरा नाम स्वर्णिमा अरुणा लोगन जो कि दोनों नाम मेरे ही हैं। यह कि अब मेरा नाम मेरे सर्विस रिकार्ड में श्रीमती स्वर्णिमा अरुणा गायकवाड पति सुरेश कुमार गायकवाड के नाम से लिखा एवं पढ़ा जावे। जिस हेतु यह शपथ पत्र बावत प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
श्रीमती स्वर्णिमा अरुणा गायकवाड

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5 नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/सं.क्रं. 5/2025-26/69
दिनांक - 19/12/2025

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमती ममता खटीक पति श्री राजेन्द्र खटीक ने भवन क्रं. 255 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 282 व.फु. भूतल 282 व.फु. आवासीय प्रथम तल 282 व.फु. आवासीय विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 255 का भाग पर नामांतरण हेतु, पंजीकृत स्वामी हिमांशु, हिश्रांशु, नीलांशु पिता हेमंत कु. वर्मा पिन नं. 1000392484/ 42000353 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-5, नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5 नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/सं.क्रं. 5/2025-26/71
दिनांक - 19/12/2025

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री शरद जैन पिता स्व. कोमलचंद जैन ने भवन क्रं. 893 वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 763 व.फु. भूतल 763 व.फु. व्यवसायिक आरसीसी प्रथम तल 763 व.फु. व्यवसायिक आरसीसी द्वितीय तल 763 व.फु. व्यवसायिक आरसीसी तृतीय तल 763 व.फु. टीन सेट व्यवसायिक मृत्यु प्रमाण पत्र वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम द्वारा भवन क्रं. 893 पर नामांतरण हेतु, पंजीकृत स्वामी श्री कोमल चंद्र जैन पिता उदय चंद्र जैन पिन नं. 1000395396/41401059 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-5, नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 6/1/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संजय गुप्ता पिता श्री शिव प्रसाद गुप्ता ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक 159 बिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000383087 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल रकवा 1200 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1152 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री शिसिल विक्रांत पारधे पिता स्व. रविकांत पारधे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 6/1/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भागवती भलावी पति श्री नरेश कुमार सिंह ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के भवन क्रमांक 2029/1 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000389386 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल रकवा 1200 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1200 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. बद्री प्रसाद का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 6/1/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमन हैदर पिता श्री वाजिद हैदर ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक फ्लेट नं. 201 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000383705 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल रकवा द्वितीय तल 1000 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री मोहम्मद जुनैद हैदर पिता स्व. मो.वाहिद हैदर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 6/1/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेखा कोरी पति स्व. श्री मनीष कोरी (2) श्री करन कोरी पिता स्व. श्री मनीष कोरी (3) श्री अर्जुन कोरी पिता स्व. श्री मनीष कोरी ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम पं. जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक 553 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000428943 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल रकवा 1014 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 800 व.फु. प्रथम 800 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज (1) श्रीमती बबीता बाघवानी पति श्री राजा बाघवानी (2) श्री राजा बाघवानी पिता स्व. श्री सनमुख दास वाघवानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

नर्सिंग कॉलेजों में भर्ती : पुरुषों की उम्मीदवारी पर आज आएगा फैसला

मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई, 286 पदों पर महिलाओं को मिला है 100 प्रतिशत आरक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और ट्यूटर के कुल 286 पदों पर महिला उम्मीदवारों को दिए जा रहे 100 प्रतिशत आरक्षण को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में कोर्ट को बताया गया कि भर्ती प्रक्रिया में पुरुष उम्मीदवारों को शामिल नहीं किया गया है और सभी पदों पर केवल महिला उम्मीदवारों को ही आरक्षण दिया गया है। मामले पर 29 दिसंबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब-तलब करते हुए निर्देश दिए थे। मंगलवार को हाईकोर्ट की प्रिंसिपल बेंच में मामले पर

दोबारा सुनवाई हुई। इस दौरान सरकार की ओर से मौखिक रूप से बताया गया कि अब भर्ती प्रक्रिया में पुरुष उम्मीदवारों को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

आवेदन की अंतिम तिथि है 7 जनवरी

6 जनवरी को ही सुनवाई में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की ओर से अधिवक्ता राहुल दिवाकर ने मौखिक रूप से कोर्ट को अवगत कराया है कि भर्ती प्रक्रिया में अब पुरुष उम्मीदवारों को शामिल करने का निर्णय लिया है, किंतु लिखित निर्देश की प्रति अभी तक अप्राप्त है। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल ने कोर्ट को बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 7 जनवरी है। इस तिथि के बाद पुरुष उम्मीदवार आवेदन नहीं कर सकेंगे। सुनवाई के बाद कोर्ट ने शासन के निर्णय को लिखित में रिकार्ड में प्रस्तुत करने हेतु एक दिन का समय देते हुए प्रकरण को 7 जनवरी को टॉप आफ दा लिस्ट सूचीबद्ध करने के आदेश दिए हैं।

पुरुषों की उम्मीदवारी और पात्रता पर अंतिम निर्णय आज

गौरतलब है कि मामला सामने आने के बाद सरकार ने ट्यूटर के 218 विज्ञापित पदों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया था, लेकिन असिस्टेंट प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसर के कुल 68 पदों पर भर्ती में पुरुषों को अपात्र करार देते हुए भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी। 6 जनवरी को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मंडल ने याचिकाकर्ताओं की मांगों को मानते हुए पुरुष उम्मीदवारों को भी शामिल करने के लिए मौखिक सहमति व्यक्त की है। अब कल होने वाली सुनवाई में पुरुषों की उम्मीदवारी और पात्रता पर अंतिम निर्णय हो सकेगा।

नर्सिंग कॉलेजों में 286 पदों पर सीधी भर्ती

दरअसल, जबलपुर निवासी नौशाद अली एवं अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल ने याचिका दाखिल कर कोर्ट को बताया कि प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में 286 अकादमिक पदों पर सीधी भर्ती से 40 एसोसिएट प्रोफेसर, 28 असिस्टेंट प्रोफेसर और 218 सिस्टर ट्यूटर की भर्ती की जानी है। इन भर्तियों में पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर कर दिया था। जबकि भर्ती नियम तथा अपेक्स काउंसिल आईएनसी के सभी मापदंड लिंग भेद की अनुमति नहीं देते हैं। इस सबके बावजूद लोक स्वास्थ्य कल्याण विभाग द्वारा की जा रही भर्ती में संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और भर्ती के नियमों की अनदेखी की जा रही थी। याचिका में आरोप लगाया है कि सरकार की ये भर्ती प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले के 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा का उल्लंघन किया है। संविधान के अनुच्छेद 16(2) के तहत यह प्रत्यक्ष रूप से लिंग भेदभाव है। याचिका में मांग की है कि 100 प्रतिशत महिला आरक्षण को असंवैधानिक घोषित कर याचिकाकर्ताओं को भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाए।

बिना फैकल्टी रादुविवि में शुरू हुए नए कोर्स

छात्रों का आरोप राजस्व बढ़ाने बिना तैयारी शुरु कर दिए गए कोर्स

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में नए कोर्स शुरू करने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। छात्रों ने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय बिना पर्याप्त तैयारी के नए कोर्स शुरू कर रहा है, जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। एनएसयूआई छात्र प्रभारी अचल नाथ ने इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों के अनुसार, हाल ही में शुरू किए गए एग्रीकल्चर कोर्स के लिए न तो पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध है और न ही प्रबंधन की ठोस व्यवस्था। इससे छात्रों की पढ़ाई सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है।

छात्रों ने बताया कि कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, लेकिन अब तक इनरोलमेंट फॉर्म तक नहीं भरे गए हैं। वर्तमान में स्कॉलरशिप के फॉर्म भरे जा रहे हैं, लेकिन इनरोलमेंट न होने के कारण छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले समय में अंतिम परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। यदि इनरोलमेंट, परीक्षाएं और परिणाम देरी से होते हैं, तो छात्रों का पूरा शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो सकता है।

छात्रों का यह भी आरोप है कि विश्वविद्यालय केवल राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से नए कोर्स शुरू कर रहा है और फीस में बढ़ोतरी कर रहा है। इसके अनुपात में न तो शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है और न ही आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे छात्रों में असंतोष बढ़ रहा है। छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि पहले से संचालित कोर्सों की व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं। साथ ही, समय पर इनरोलमेंट, परीक्षा और परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि नए कोर्स शुरू करने से पहले आवश्यक स्टाफ और संसाधनों की व्यवस्था की जाए, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

पनागर वन परिक्षेत्र में अवैध रेत परिवहन पर वन विभाग की कार्रवाई

आरक्षित वन क्षेत्र से रेत ले जा रहा था वाहन, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पनागर वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। यह कार्रवाई अखिल भारतीय बाघ गणना के दौरान गश्त करते समय की गई। वन अधिकारी सौरभ शर्मा ने बताया कि छत्तरपुर बीट के आरक्षित वन क्षेत्र आरएफ-70 में गश्त के दौरान वन अमले ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाया। चालक से वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह

कोई अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वन अधिनियम 2022 के तहत ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर पनागर वन परिक्षेत्र के डिपो में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक मध्य वन वृत्त जबलपुर कमल अरोरा, वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल जबलपुर ऋषि मिश्रा और उपवनमंडलाधिकारी सिहोरा एम.एल. वरकड़े के निर्देशन में की गई।

परीक्षा को देखते हुए शिक्षकों का संलग्नीकरण किया जाए समाप्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि अगले माह फरवरी में एमपी बोर्ड की कक्षा दसवीं, बारहवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा होनी है। ऐसे में शिक्षकों की कमी की वजह से शालाओं में अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है जिसका सीधा असर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम पर पड़ेगा अत: जो भी शिक्षक किसी भी अन्य कार्यालयों एवं विभागों में किसी भी कार्य की वजह से सलंग्न है तो उन्हे तत्काल प्रभाव से उनकी मूल शाला के लिए रिलीव किया जाना चाहिए, ताकि वे अपनी शालाओं में अध्यापन कार्य सुचारूरूप से करा सके। संगठन ने आगे बताया कि एक माह पश्चात वार्षिक परीक्षा प्रारम्भ हो जाएगी ऐसे मे जो शिक्षक एसआईआर, बीएलओ और अन्य कार्यों की वजह से मूल शाला को छोड़कर अन्य कार्यालयों में सलंग्न है उन्हे उनकी मूल शाला भेजने के लिए संगठन कलेक्टर से मांग करता है कि उन्हे वापस भेजा जाए।

अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से संभव है बेहतर इलाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के आयुध निर्माणी संगठनों से रिटायर्ड हुए अधिकारियों व कर्मचारियों के भविष्य में मिलने वाली मूलभूत, सुविधाएं पेंशन व सीजीएचएस के माध्यम से बेहतर इलाज के लिए वरिष्ठ नागरिक परिषद के अध्यक्ष काजल विश्वास, उपाध्यक्ष एम एल अग्निहोत्री,रामसिंह ठाकुर, संगठन सचिव अनिल शुक्ला, कोषाध्यक्ष गुरमुख दास तलरेजा, ने शहर के सर्वसुविधायुक्त नायक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉ स्पर्श नायक से सौहार्दपूर्ण वार्ता की। इसीक्रम में घुटनों, एडी के दर्द से पीड़ितों के इलाज के लिए भर्ती के दौरान अस्पताल की सेवाओं के बारे में भी विस्तृत चर्चा की। डॉ स्पर्श नायक ने बताया कि सुलभ अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों,रोबेट के माध्यम से शर्तिया और बेहतर इलाज संभव है । डॉ स्पर्श नायक एवं धर्मेंद्र ने कहा कि आप वरिष्ठ जन मेरे परिवार जैसे है हम बेहतर से बेहतर इलाज के लिए प्रतिवद्ध है, और ये हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। संगठन के अध्यक्ष काजल विश्वास व सचिव अनिल शुक्ला ने परिषद सदस्यों की विस्तरित जानकारी के लिए निकट भविष्य में अस्पताल प्रबंधन से एक सेमिनार आयोजित करने का आग्रह किया जिसे डॉ स्पर्श ने सहर्ष स्वीकार किया ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को इसका फायदा मिले।

आजाद चौक में चाकूबाजी कर लूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रामपुर काशी राम नगर निवासी प्रदीप काशी के साथ आजाद चौक क्षेत्र में देर रात लूट की घटना सामने आई है। पीड़ित प्रदीप काशी रात करीब 1 बजे मां नर्मदा के दर्शन कर घर लौट रहे थे, तभी आजाद चौक स्थित केसरवानी होटल के सामने अनुपम ज्वेलर्स के पास अज्ञात युवकों ने उन पर चाकू से हमला कर लूटपाट की। प्रदीप काशी ने बताया कि वे कार से जा रहे थे, तभी पीछे से एक युवक ने उनकी कार पर पत्थर मार दिया। जब वे कार से बाहर आए, तो वहां मौजूद तीन युवकों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावर सोने की चेन और हाथ की अंगूठी लूटकर मौके से फरार हो गए। आरोपियों ने कार में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एमपी ट्रांसको के 11 कार्मिकों को नये साल में उच्च वेतनमान का लाभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपने 11 कार्मिकों को नए साल का तोहफा देते हुए अगले स्तर के चतुर्थ समयमान वेतन का लाभ दिया है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता धीरेन्द्र सिंह ने बताया है कि जिन कार्मिकों को 35 वर्ष का चतुर्थ समयमान वेतनमान स्वीकृत किया गया है, उससे लाभान्वित होने वालों मे वरिष्ठ सबस्टेशन पर्यवेक्षक नॉर्बर्ट राकेश गुस्ताव, परीक्षण पर्यवेक्षक हरीश कुमार सिखेरिया, स्व. श्री रामहेत भारती (मृत्युउपरांत) तथा 8 वरिष्ठ परीक्षण सहायक सोहन लाल वर्मा, नर्मदा प्रसाद राठौर, अजय पटेल, शिव चरण गुप्ता, गोपाल कृष्ण वर्मा, राम स्वरूप वर्मा, संतोष कुमार जैन एवं दिलीप कुमार राजपूत शामिल है।

एक पेड़ भविष्य के नाम अभियान के तहत एनएसयूआई का पौधारोपण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने नववर्ष 2026 के अवसर पर व्यापक पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। इसी क्रम में एनएसयूआई जबलपुर जिला के प्रतिनिधियों ने प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के नेतृत्व में सेंट एलियासियस महाविद्यालय परिसर में वृहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अभियान

के अंतर्गत छात्र नेताओं एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। यह अभियान 28 दिसंबर 2025 को भोपाल में आयोजित पर्यावरण बचाओ, पेड़ बचाओ पैदल मार्च के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में प्रदेशभर में संचालित किया जा रहा है। निर्देशानुसार, एनएसयूआई की सभी इकाइयों को विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर पौधारोपण को जनजागरूकता से जोड़ते हुए व्यापक रूप में आयोजित करने के लिए कहा गया है। प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे,जिलाध्यक्ष सचिन रजक, करन तामसेतवार,साहिल यादव, नीलेश माहर,अनुज यादव, अपूर्व केसरवानी,राहुल यादव, यश सविता,एजाज अंसारी ,प्रतिक गौतम, अचलनाथ चौधरी,सक्षम यादव,यश सोनी, पलक ,काजल,सहित अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

शहर के जूडो खिलाड़ियों को मिली शासन की आर्थिक प्रोत्साहन राशि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला जूडो संघ के अध्यक्ष रवि गुप्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कुल 3,56,000 (तीन लाख छप्पन हज़ार) की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत जबलपुर के जूडो खिलाड़ियों को भी उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। योजना के प्रावधानों के अनुसार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 10,000, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 8,000, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 6,000 की राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही पैरा जूडो वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अर्पित कुमार को विशेष रूप से 25,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की गई, जो जिले के लिए गर्व का विषय है। सभी खिलाड़ियों को जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान के कुशल मार्गदर्शन में मालपाणी स्कूल, मिलौनीगंज, जबलपुर में नियमित जूडो प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है। कोच आबिद हुसैन खान के अनुशासन, मेहनत और मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि जिले के खिलाड़ी लगातार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

एमपीपीजीसीएल के दो ताप विद्युत यूनिट ने नए वर्ष की शुरुआत में बनाए रिकार्ड

बिरसिंगपुर की यूनिट नंबर 4 ने वित्तीय वर्ष में किया लगातार दूसरी बार 100 दिन उत्पादन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के दो ताप विद्युत गृहों ने नए वर्ष की शुरुआत में ही नए रिकार्ड बनाए हैं। संजय गांधी ताप विद्युत गृह की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 4 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस वित्तीय वर्ष में जहां दूसरी बार लगातार 100 दिन तक विद्युत उदत्पादन किया, वहीं अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट ने बिना ट्रिपिंग और ज़ीरो तेल की खपत के एक

कैलेंडर वर्ष पूर्ण कर लिए। यह यूनिट 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक निर्बाध रूप से संचालित रही। वर्तमान में इस यूनिट ने लगातार संचालन के 462 दिन पूर्ण कर लिए। संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 4 एमपीपीजीसीएल की 11 वीं यूनिट है, जिसने 100 दिन लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया है।

दूसरी बार सतत विद्युत उत्पादन

संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 4 ने वित्तीय वर्ष में लगातार दूसरी बार किया 100 दिन सतत् विद्युत उत्पादन-एमपीपीजीसीएल के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 4 ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगातार दूसरी बार 100 दिन सतत् व निर्बाध विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाया। इस यूनिट ने इस दौरान 88.83 फीसदी प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर (पीएएफ), 81.98 फीसदी प्लांट यूटिलाइजेशन फेक्टर (पीएलएफ) व 9.25 प्रतिशत ऑक्जलरी खपत को हासिल कर ऑपरेशनल विश्वसनीयता व दक्षता का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन इंडेक्स संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की यूनिट नंबर 4 में ऑपरेटिंग, मेंटेनेंस व सपोर्ट टीमों के समर्पित प्रयास, तकनीकी क्षमता व प्रभावी समन्वय को दर्शाते हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व एमपीपीजीसीएल के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने बिरसिंगपुर व चचाई के अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों को इस उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई दी है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों पर बैठक आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गणतंत्र दिवस पर आयोजित किये जाने वाले जिले के मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक बुधवार 7 जनवरी को होगी। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में यह बैठक शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के निर्देश दिये गये हैं।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**